हरिभूमि

जबलपुर

रविवार 11 अक्टूबर 2026

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

Hero

हीरो संग त्योहार
है हर कहीं
Splendor+

TEA HOUSE

शुभ नवरात्रि

पाएं सोने का सिक्का और भी बहुत कुछ जीतने का मौका#

इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000^ तक SBI card HDFC BANK pine labs

कम डाउन पेमेंट ₹6 999^ से शुरू

एक्सक्लूसिव कॉर्पोरेट ऑफ़र ₹2 200* तक

Hero GoodLife

Also Available on: Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi-110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC017354. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *T&C Apply. Actual vehicle colour may vary slightly due to printing variations. #Limited period offer, T&C apply. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice.

TOLL FREE 1800 266 0018

बल्क/संस्थागत पूछताछ के लिए, कृपया हमें institutionalsales@heromotocorp.com पर लिखें | CSD में उपलब्ध है

अधिकृत डीलर: **जबलपुर:** सुपर हीरो (साउथ सिविल लाईन्स) 9289922350, सुदर्शन हीरो (नेपियर टॉउन 9289922353, मदन महल 9111100352, दमोह नाका 9111100344), डीलर एक्सटेंशन: सुदर्शन हीरो (आनंद नगर बस स्टॉप), 9289922353;**बालाघाट:** जायसवाल हीरो 9289922572, **छतरपुर:** आनंद हीरो (झाँसी रोड 9289922374, पन्ना रोड 7389238472), **छिन्दवाड़ा:** सत्कार हीरो 9289922805, **मण्डला:** शुभा हीरो 9289922600, **नरसिंहपुर:** रचना हीरो 9289922377, **रीवा:** बद्रिका हीरो (टी.पी. नगर 9752263333, इलाहाबाद रोड 9171705391), **सतना:** स्टार हीरो 9289922356, बद्रिका हीरो 9289923108, **शहडोल:** विभोर हीरो 9289923109, गुप्ता हीरो 9289922370, **कटनी:** हर्ष हीरो 9289923166, **बैढ़न:** बजरंग मोटर्स 7354559000, **सीधी:** राजेन्द्र मोटर्स 9289923113, **टीकमगढ़:** आनंद हीरो 9289923112, **सिवनी:** सुदर्शन हीरो 9821745435, **चौरई:** श्रीजी ऑटोमोबाईल्स, 9821749342, **एसोशिएट डीलर:** **पथरिया:** एसएस ऑटोमोबाइल्स, 9691147568, **सेमरिया:** आकाश मोटर्स 9893918358, **अमरवाड़ा:** अर्पित ऑटोमोबाईल्स 7428595943, **ब्यौहारी:** श्री राम ऑटोमोबाईल्स 9424683246, **बुड़हार:** श्री ऑटोमोबाईल्स 9425181937, **डिंडोरी:** अवधिया ऑटो 8959777333, **नैनपुर:** स्वास्तिक मोटर्स 9893746172, **गाडरवाड़ा:** शेखर व्हीकल्स 9425467409, **जुन्नारदेव:** लक्ष्मी नारायण मोटर्स 8109164000, **कोतमा:** सिटी ऑटोमोबाईल्स 7987519546, **मैहर:** वैशाली ऑटोमोबाईल्स 9424741022, **मउगंज:** सेंगर मोटर्स 9425185568, **लांझी:** श्रीखण्ड ऑटोमोबाईल्स 7428390262, **पांडुरना:** जय भवानी ऑटोमोबाईल्स 7428390263, **परासिया:** श्री महावीर ऑटोमोबाईल्स 7354460008, **रामपुर बघेलान:** साँई ऑटोमोबाईल्स 9993224296, **रांझी:** गुरुकृपा ऑटो 9424728007, **सिहोरा:** बाईक प्वांट 9826802730, **उमरिया:** गुप्ता ऑटो एजेन्सी 9285505630, **बारासिवनी:** रुसिया मोटर्स 9425822392 , **जतारा:** शारदा माँ ऑटोमोबाईल 9111231539, **टीकमगढ़:** एस.एस. इन्टरप्राइजेज 7000242371, **पृथ्वीपुर:** महावीर एजेंसीज 7000375943, **मुलताई:** शारदा श्री मोटर्स 9522870001, **चितरंगी:** ओम मोटर्स 9685416118, **बरगवां:** बजरंग मोटर्स 9926183734, **बहरी:** श्याम एजेंसी 9981238133, **बरही:** अजीत ऑटोमोबाइल्स 7566217410, 9131739086, **अनूपपुर:** बाल गोविंद ऑटोव्हील्स 9770531138, 9770744844, **नागोद:** चौरसिया ऑटोमोबाइल्स 9926365074, **देवसर:** श्री राम मोटर्स 9425086868 **अमरपाटन:** रिशु ऑटोमोबाइल्स 9893829195, **स्लीमनाबाद:** अनिल मोटर्स 9425466101, **रामनगर:** विजय ऑटोमोबाईल्स 9893252517, **धनोरा:** भवानी व्हीकल्स 9424950703, **सरई:** यश मोटर्स, 9981718853, **सालीचौका:** अभिषेक इंटरप्राइजेज 8989434793, **गुन्नौर:** मधुबन मोटर्स, 8959050501, **मड़वास:** ओम मोटर्स, 9009066959, **मझौली:** न्यू कुन्दन ऑटोमोबाइल्स, 9584628677, **बीरसिंहपुर पाली:** श्री कृष्ण मोटर्स, 8889131315, **रीठी:** प्रदीप मोटर्स, 9981303666, **बड़वारा:** शिवम मोटर्स, 7509839990, **खटखरी:** खटखरी ऑटोमोबाइल, 9617241112, **गुढ़:** विंध्य मोटर्स, 9229072020, **कोठी:** लक्ष्मी ऑटोमोबाइल्स, 7987308294, 83058099514, **उंचेहरा:** अंकुर ऑटोमोबाइल्स, 9589176355, **रामपुर नैकिन (सीधी):** लक्ष्मी जी ऑटोमोबाइल्स, 9406782277, **दुधमनिया सिंगरौली:** राधा कृष्ण मोटर्स, 7000995137, **गढ़:** अंबे मोटर्स, 9144881695, **बीरसिंहपुर:** तनु ऑटोमोबाइल्स, 9425886424, **देवतालाब:** वर्षा मोटर्स, 9424622310, **गुन्नौर:** मधुबन मोटर्स, 895905050l, **Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler)** **छिन्दवाड़ा:** सत्कार हीरो 9289922805, **नरसिंहपुर:** रचना हीरो 8815396340, **दमोह :** इंडिया ऑटो सेंटर 8839230079

RS/Hero/10/26

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित
जबलपुर, रविवार 11 अक्टूबर 2026

शारदीय नवरात्र विशेष

संस्कृति-आस्था का उल्लास
नवरात्रों के बहुरंगी उत्सव


बंगाल की पारंपरिक दुर्गा पूजा


गुजरात में नवरात्र का महत्वपूर्ण अंग-डांडिया


ओडिशा के कटक में 'चांदी मेधा' से सजी मां दुर्गा की प्रतिमा


उत्तर भारत में नवरात्र के दौरान होता है रामलीला का आयोजन

भारत के विभिन्न स्थानों में नवरात्र मनाने के अलग-अलग तरीके हैं। ये इस बात के प्रमाण हैं कि हमारी संस्कृति कितनी समृद्ध और विविधतापूर्ण है। बंगाल की कलात्मकता, गुजरात का नृत्य, दक्षिण का गोलू और मैसूर का राजसी वैभव, सब मिलकर एक ही सनातन शक्ति की आराधना करते हैं। यह विविधता ही हमारे देश की असली पहचान और सुंदरता है। आइए भारत के विभिन्न राज्यों में नवरात्रों और दुर्गा पूजा के अनूठे और मनमोहक स्वरूपों पर एक नजर डालते हैं।

आवरण कथा
शिखर चंद जैन

विविधता में एकता का महापर्व नवरात्रों में होने वाली दुर्गा पूजा, भारत के सबसे बड़े और उल्लासपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह केवल मां शक्ति की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विविधता, धार्मिक, सामाजिक समरसता और उल्लास का भी जीवंत अवसर है। यद्यपि इस उत्सव का मूल भाव महिषासुर मर्दिनी मां दुर्गा की आसुरी शक्तियों पर विजय का उत्सव मनाना है, लेकिन देश के अलग-अलग राज्यों में इसे मनाने की शैलियां, परंपराएं और सांस्कृतिक रंग पूरी तरह भिन्न हैं।

बंगाल में दिखता है परंपरा-संस्कृति का संगम

पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा का रूप सबसे अधिक व्यापक, भव्य और पारंपरिक होता है। यहां यह उत्सव केवल पांच दिनों का नहीं, बल्कि पूरे साल की तैयारी का परिणाम होता है। पारंपरिक बंगाली घरों और पुराने अभिजात्य परिवारों (राजबाड़ी की पूजा) में आज भी मां दुर्गा की 'एकचाला' (एक ही अर्द्धवृत्त फ्रेम में सभी देवताओं की मूर्तियां) प्रतिमा स्थापित की जाती है। कोलकाता और अन्य शहरों में समकालीन कला, सामाजिक संदेशों या प्राचीन मंदिरों की प्रतिकृतियों पर आधारित विशाल पंडाल बनाए जाते हैं, जिन्हें देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। महाष्टमी के दिन नौ वर्ष से कम आयु की कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनकी विशेष पूजा की जाती है, जो नारी शक्ति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। धुनुची (धूप और नारियल के छिलकों से सुलगता पात्र) के साथ किया जाने वाला ऊर्जावान धुनुची नृत्य यहां का मुख्य आकर्षण है। वहीं, विजया दशमी के दिन विवाहित महिलाएं मां को सिंदूर अर्पित करने के बाद आपस में सिंदूर लगाकर सुखद भविष्य की कामना करती हैं।

ओडिशा-असम में शक्तिपीठों की आराधना

पूर्वी भारत के राज्यों ओडिशा और असम में दुर्गा पूजा का अपना ही विशिष्ट और प्राचीन स्वरूप देखने को मिलता है। ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा के दौरान मां की मूर्तियों के पीछे शुद्ध चांदी के कलात्मक मुकुट और झांकियां बनाई जाती हैं, जिन्हें 'चांदी मेधा' कहा जाता है। यहां का विसर्जन जुलूस अपनी भव्यता और संगीत आयोजन के लिए प्रसिद्ध है। जबकि असम में कामाख्या मंदिर और शक्तिपीठों के प्रभाव के कारण यहां मां दुर्गा की पूजा तांत्रिक और पारंपरिक विधि-विधान से की जाती है। यहां 'अंजली' और 'महाप्रसाद' वितरण का विशेष महत्व होता है।

गुजरात में होता है आयोजित गरबा-डांडिया का महाउत्सव

गुजरात में नवरात्रों में मां अंबा और मां दुर्गा की आराधना नृत्य और संगीत के माध्यम से की जाती है। नवरात्रों में युवक-युवतियां पारंपरिक परिधानों में सजकर मां की ज्योत (गरबी) के चारों ओर तालियों और लोकगीतों के साथ गरबा और डांडिया खेलते हैं। यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-मिलाप का सबसे बड़ा मंच बन जाता है, जहां युवा से लेकर बुजुर्ग तक पूरी ऊर्जा के साथ शामिल होते हैं।


महाराष्ट्र में नवरात्र के दौरान 'भोंडाला' खेलती महिलाएं

महाराष्ट्र में होती है घटस्थापना और शस्त्र पूजा

महाराष्ट्र में नवरात्र और विजया दशमी का पर्व लोकमान्य तिलक द्वारा पुनर्जीवित सार्वजनिक गणेशोत्सव की तरह ही सामाजिक सहभागिता के साथ मनाया जाता है। अश्विन प्रतिपदा के दिन घरों में कलश स्थापना (घटस्थापना) और नौ दिनों तक अखंड दीप प्रज्ज्वलित करने की परंपरा है। महाराष्ट्र में महिलाओं और विशेषकर युवतियों के लिए 'भोंडला' या 'हदस्तोत्सव' खेलने की अनूठी परंपरा है, जिसमें हाथी के चारों ओर घेरा बनाकर लोकगीत गाए जाते हैं। विजया दशमी के दिन यहां शमी के पत्तों (जिसे स्वर्ण माना जाता है) को एक-दूसरे को देकर शुभकामनाएं दी जाती हैं। इस अवसर पर औजारों तथा हथियारों की पूजा भी की जाती है।

दक्षिण भारत की शान है बोम्माइ गोलू और शाही दशहरा

दक्षिण भारत (विशेषकर तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश) में दुर्गा पूजा का स्वरूप कला और शाही इतिहास से जुड़ा हुआ है। तमिलनाडु और कर्नाटक में नवरात्र के दौरान घरों में सीढ़ीनुमा रैक बनाकर देवी-देवताओं, पौराणिक कथाओं और जीवन से जुड़ी गुड़ियों (बोम्माइ) को सजाया जाता है। इसे 'गोलू' कहा जाता है' जहां महिलाएं एक-दूसरे के घर जाकर हल्दी-कुमकुम और उपहार का आदान-प्रदान करती हैं। मैसूर पैलेस में मनाया जाने वाला दशहरा पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां विजया दशमी के दिन सजे-धजे हाथियों की सवारी निकाली जाती है, जिसमें मां चामुंडेश्वरी की स्वर्ण प्रतिमा को हाथी पर विराजमान कर भव्य जुलूस निकाला जाता है।


दक्षिण भारत में नवरात्र के दौरान बोम्माइ गोलू की सजावट

उत्तर भारत में रामलीलाओं की धूम

उत्तरी भारत में नवरात्रों का समापन रावण दहन और रामलीला के साथ विजया दशमी के रूप में मुख्य रूप से होता है। विशेष तौर पर उत्तर प्रदेश में इस दौरान जगह-जगह रामलीलाओं का आयोजन किया जाता है। प्राचीन काल से चली आ रही इस परंपरा का क्रेज आज भी है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू घाटी में मनाया जाने वाला दशहरा उत्सव बेहद अनूठा है। यहां सात दिनों तक स्थानीय देवी-देवताओं की पालकियों की भव्य रथ यात्रा निकलती है। यह उत्सव तब शुरू होता है, जब देश के बाकी हिस्सों में दशहरा समाप्त हो जाता है। यहां मां दुर्गा के साथ भगवान रघुनाथ की पूजा का मुख्य विधान है। k

सृष्टि का मूल आधार है 'शक्ति'। शक्ति की यह आराधना केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव सभ्यता जितनी ही प्राचीन और वैश्विक है। प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक मातृ शक्ति को नाम-तरीकों से पूजा जाता रहा है।

दुनिया भर में शक्ति पूजा
स्वरूप-मान्यताएं हैं अलग-अलग

आस्था / अंजू जैन


सवारी करने वाली देवी इश्तार का यह हिंसक और ममतामयी दोहरा स्वरूप बिल्कुल भारतीय सिंहवाहिनी मां दुर्गा जैसा ही है। यह इस बात का ऐतिहासिक साक्ष्य है कि मानव सभ्यता के शुरुआती दौर में भी शक्ति को एक योद्धा और रक्षक के रूप में ही देखा गया।

भारतीय उपमहाद्वीप को शक्ति पूजा का वैश्विक उद्गम केंद्र माना जा सकता है। यहां 'शाक्त संप्रदाय' के अंतर्गत शक्ति को ही सर्वोच्च सत्ता के रूप में पूजा जाता है। भारत में मां दुर्गा, काली, लक्ष्मी और सरस्वती के रूपों में शक्ति का त्रिविध स्वरूप आकर्षण, ऐश्वर्य और ज्ञान पूजनीय है। वर्ष में दो बार आने वाले 'नवरात्रि' के पावन अवसर पर नौ दिनों तक आदिशक्ति के नौ अलग-अलग रूपों (शैलपुत्री से लेकर सिद्धिदात्री तक) की पूजा की जाती है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, तिब्बत और श्रीलंका में फैले 51 शक्तिपीठ शक्ति पूजा के भौगोलिक और आध्यात्मिक विस्तार का सबसे बड़ा प्रमाण हैं। शक्ति पूजा की व्यापकता पूरी दुनिया में प्राचीन काल से आज भी विद्यमान है।

प्राचीन मिस्र में 'आइसिस' और 'सेखमेट' की आराधना: यदि हम प्राचीन वैश्विक सभ्यताओं की ओर रुख करें, तो नील नदी की घाटी (मिस्र) में


मिस्र सभ्यता की देवी 'आइसिस'

शक्ति पूजा का एक बेहद समृद्ध इतिहास मिलता है। मिस्र की सभ्यता में देवी 'आइसिस' को मातृत्व, जादू और जीवन के पुनर्जन्म की परम देवी माना जाता था, जिसकी तुलना भारतीय संस्कृति की मां पार्वती से की जा सकती है। वहीं दूसरी ओर, युद्ध और विनाश की उग्र देवी 'सेखमेट' का स्वरूप भारतीय परंपरा की मां काली से हूबहू मेल खाता है। सिंह के मुख वाली देवी सेखमेट को न्याय और संहार की शक्ति माना जाता था, जो बुरी ताकतों से ब्रह्मांड की रक्षा करती थीं।

ग्रीक (यूनानी) सभ्यता में देवियों का महातम्य: यूनान के प्राचीन दर्शन और पौराणिक कथाओं में भी स्त्री शक्ति को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था। ग्रीक पौराणिक कथाओं में देवी 'अथेना' को बुद्धि, ज्ञान और युद्ध की रणनीति की देवी माना गया है, जो मां सरस्वती और मां दुर्गा के मिले-जुले स्वरूप को दर्शाती हैं। इसी प्रकार, प्रकृति, जंगली जीवों और प्रसव की देवी 'आर्टेमिस' और पृथ्वी माता के रूप में पूजी जाने वाली देवी 'डेमेटर' (जिन्हें हम मां शाकंभरी या अन्नपूर्णा कह सकते हैं) की पूजा यूनानी समाज में अनिवार्य रूप से की जाती थी। ओलंपिक खेलों की शुरुआत भी कहीं न कहीं इन शक्तियों के सम्मान से जुड़ी थी।

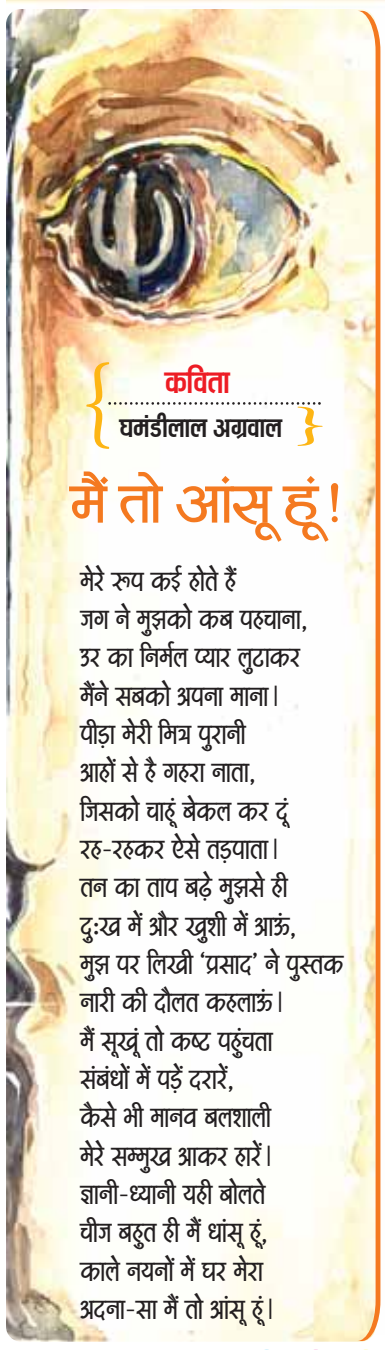
मेसोपोटामिया सभ्यता में प्रेम-युद्ध की देवी इश्तार: दजला और फरात नदियों के किनारे विकसित हुई मेसोपोटामिया (आधुनिक इराक और सीरिया) की प्राचीन सुमेरियन और बेबीलोनियन सभ्यताओं में देवी 'इन्नाना' या 'इश्तार' की पूजा का व्यापक प्रचलन था। इश्तार को प्रेम, सौंदर्य, उर्वरता के साथ-साथ युद्ध की भी देवी माना जाता था। शेर की सवारी करने वाली देवी इश्तार का यह हिंसक और ममतामयी दोहरा स्वरूप बिल्कुल भारतीय सिंहवाहिनी मां दुर्गा जैसा ही है। यह इस बात का ऐतिहासिक साक्ष्य है कि मानव सभ्यता के शुरुआती दौर में भी शक्ति को एक योद्धा और रक्षक के रूप में ही देखा गया।

चीन-जापान में गुआन यिन और अमातेरासु: पूर्वी एशिया की बौद्ध और शिंतो परंपराओं में भी शक्ति पूजा ने अपना स्वरूप बदला लेकिन अपनी मूल भावना को बनाए रखा। चीन में 'गुआन यिन' को करुणा, दया और मातृत्व की देवी के रूप में पूजा जाता है। यद्यपि वे बौद्ध परंपरा से जुड़ी हैं, लेकिन आम जनमानस में उनका स्थान एक रक्षक माता का ही है। वहीं जापान की पारंपरिक शिंतो संस्कृति में


चीन में बौद्ध परंपरा की देवी गुआन यिन

'अमातेरासु' को सूर्य की देवी और संपूर्ण ब्रह्मांड की निर्मात्री माना गया है। जापानी शाही राजवंश स्वयं को सूर्य देवी अमातेरासु का वंशज मानता है, जो यह साबित करता है कि वहां राजसत्ता की शक्ति का स्रोत भी एक महिला देवी ही हैं।

अमेरिका में माया और एज्टेक की प्रकृति पूजा: कोलंबस के अमेरिका पहुंचने से बहुत पहले, वहां की समृद्ध माया और एज्टेक सभ्यताओं में प्रकृति को ही शक्ति का जीवंत रूप मानकर पूजा जाता था। एज्टेक सभ्यता में 'कोटलीक्यू' को जीवन और मृत्यु की देवी, यानी 'धरती माता' के रूप में पूजा जाता था। उनका स्वरूप भी स्कंदमाता और काली के समान उग्र और सृजनात्मक था। वहीं माया सभ्यता में 'इशचेल' को चंद्रमा, चिकित्सा और बुनाई की देवी माना जाता था। इन संस्कृतियों में फसल कटाई के समय मातृ शक्ति को धन्यवाद देने के लिए बड़े उत्सव मनाए जाते थे, जो हमारे यहां की 'नवान्न' या 'लोहड़ी', 'पोंगल' परंपरा जैसी ही है। k



कविता
घमंडीलाल अग्रवाल

मैं तो आंसू हूं!

मेरे रूप कई होते हैं
जग ने मुझको कब पहचाना,
उर का निर्मल प्यार लुटाकर
मैंने सबको अपना माना।
पीड़ा मेरी मित्र पुरानी
आहों से है गहरा नाता,
जिसको चाहूं बेकल कर दूं
रह-रहकर ऐसे तड़पाता।
तन का ताप बढ़े मुझसे ही
दुःख में और खुशी में आऊं,
मुझ पर लिखी 'प्रसाद' ने पुस्तक
नारी की दौलत कहलाऊं।
मैं सूखूं तो कष्ट पहुंचता
संबंधों में पड़ें दरारें,
कैसे भी मानव बलशाली
मेरे सम्मुख आकर हारें।
ज्ञानी-ध्यानी यही बोलते
चीज बहुत ही मैं धांसू हूं,
काले नयनों में घर मेरा
अदना-सा मैं तो आंसू हूं।

व्यंग्य / डॉ. यशोधरा भटनागर

दोस्ती का डेटा पैक



हम बड़े भाग्यशाली समय में जी रहे हैं, जब हमारे पास दोस्तों की कोई कमी नहीं हैं। हमारे इतने दोस्त हैं कि हम खुद भूल जाते हैं कि आखिर हम किसके दोस्त हैं और कौन हमारा? भाग्यशाली समय की हर सुबह अपने दोस्तों से मिलने के साथ शुरुआत होती है और वो भी घर बैठे। मोबाइल उठाया अंगुली से स्क्रीन पर हल्का-सा स्पर्श किया, दोस्ती की दुनिया खुल जाती है। हजारों दोस्त एक साथ कतार में खड़े मिलते हैं। अब पुराने जमाने की तरह चाय पिलाने, हाल-चाल पूछने, या दुःख-सुख बांटने की कोई झंझट नहीं। यहां सब काम लाइक और इमोजी से चल जाता है।

पहले दोस्ती का मतलब था, आप बीमार पड़ें तो कोई दवा ला दे। अब दोस्ती का मतलब है, आप बीमार पड़ें तो सौ लोग लिख दें 'गेट वेल सून।' लिखने वाला इस परम विश्वास से संदेश भेजता है कि यह वाक्य दवा और दुआ से भी ज्यादा प्रभावी तरीके से काम करेगा। लिखने वाले भी निश्चिंत हो जाते हैं कि उसने दोस्ती का फर्ज अदा किया। मोबाइल में इतने 'गेट वेल' बरसते हैं कि बीमारी भी ठिठककर सोचती है। यहां दर्द असली है, या महज रस्म अदायगी है?

अब यह नई संवेदना है, जिसमें आदमी घर से नहीं निकलता, पर भावनाएं पूरी तरह आउटसोर्स कर देता है। भावनाएं डाक से नहीं, डेटा से जाती हैं और कभी-कभी 'डिलीवर' भी नहीं होतीं। इतनी फर्ज अदायगी के बाद अगर मरीज स्वस्थ हो जाए तो ठीक, नहीं तो अगली पोस्ट 'ओम शांति' की तैयारी है। सोशल मीडिया ने दोस्ती को बहुत लोकतांत्रिक बना दिया है। अब आप किसी को जानते हों या न जानते हों, दोस्ती हो सकती है। मेरे एक परिचित हैं, जो हर सुबह कई सौ लोगों को 'गुड मॉर्निंग' भेजते हैं। मैंने पूछा, 'भैया क्या आप इन सबको जानते हैं?' वे बोले, 'नहीं, पर ये सब मेरे फ्रेंड्स हैं।' मैंने सोचा, अगर यही दोस्ती है तो मोहल्ले का किराना दुकानदार मेरा आत्मीय मित्र हुआ। कम से कम वह हर महीने उधार का हिसाब पूछते समय मेरा चेहरा तो पहचान लेता है। इन ऑनलाइन दोस्तों की तरह सिर्फ डी.पी. वाला चेहरा ही नहीं पहचानता। अब आदमी के जीवन में दोस्ती का नए पैमाने, नए मापदंड बन गए हैं-लाइक्स। जिसकी पोस्ट पर ज्यादा लाइक, वह ज्यादा लोकप्रिय। लोग फोटो डालते हैं। कभी कॉफी के कप के साथ, कभी जिम में पसीना बहाते हुए, कभी पहाड़ों में मुस्कुराते हुए और नीचे सैकड़ों लोग लिख देते हैं। 'वाह!' या फिर 'कमाल है!'

हमें तो कभी-कभी लगता है कि अगर न्यूटन आज होते तो वे गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत नहीं खोजते, बल्कि यह खोजते कि पोस्ट पर लाइक किस तरह और किस गति से गिरते हैं? ऑनलाइन दोस्ती की एक और खूबी है। यहां हर आदमी बहुत खुश दिखाई देता है। कोई लिख रहा है, 'लाइफ इज ब्यूटीफुल।' कोई लिख रहा है, 'फीलिंग ब्लेस्ड।' जबकि उसी आदमी की असली जिंदगी में बिजली का बिल, बच्चों की फीस और बॉस की डांट उसकी प्रतीक्षा कर रही होती है। पर इन सब चिंताओं के बीच फुर्सत पाते ही वह एक नई फोटो डाल देता है, मानो हर समस्या हल हो गई। एक दिन हमने अपने मोहल्ले के गुड्डू से यूं ही पूछ लिया, 'भैया तुम्हारे कितने दोस्त हैं?'

'पूरे चार हजार आठ सौ। पांच हजार में दो सौ कम।' उसने बड़े गर्व के साथ मुस्कुराते हुए जवाब दिया। हमने कहा, 'अच्छा है, फिर तो तुम्हें कभी अकेलापन नहीं लगता होगा।''नहीं! नहीं! ऐसा कुछ नहीं। अकेलापन अपनी जगह है। रात को मोबाइल बंद होता है, तो दोस्ती भी 'स्लीप मोड' में चली जाती है। छत की ओर एकटक देखते हुए सोचता हूं, 'इतने सारे दोस्त हैं, पर बात किससे करूं?' उसकी बात सुनकर हम सोचने लगे। इतने दोस्तों के होते हुए भी अकेलापन?' क्योंकि दोस्ती में अब मेहनत नहीं है। मित्रों, दोस्ती का नया ज्ञान और विज्ञान यह है कि डिजिटल की दोस्ती भी बड़ी प्रगतिशील हो गई है। न इंतजार है, न रूठना है, न मनाना है। बस अंगूठा चलाना है। और दोस्त पसंद न आए तो ब्लॉक कर अंगूठा दिखाना है। संवेदनाएं शब्दों की मोहताज हो गईं हैं और भावनाओं ने इमोजी की शक्ल अख्तियार कर ली है। k

लघुकथा / सूर्यदीप कुशवाहा

कच्ची दीवार

अनन्या एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत थी। उसकी कार्यक्षमता, अनुशासन और टीम के नेतृत्व करने की काबिलियत का हर कोई कायल था। इस वर्ष ऑपरेशंस हेड का पद खाली होने वाला था और अनन्या अपनी योग्यता के आधार पर इसकी सबसे प्रबल दावेदार थी। उसी विभाग में राहुल भी मैनेजर था। राहुल काम में औसत था, लेकिन उसकी नेटवर्किंग और ऑफिस के पुरुष सहयोगियों के साथ शाम की पार्टियों में उपस्थिति उसे मैनेजमेंट की नजरों में बनाए रखती थी।

पदोन्नति के इंटरव्यू का दिन आया। अनन्या ने पिछले तीन वर्षों के अपने शानदार रिकॉर्ड, कंपनी के बढ़ते हुए प्रॉफिट और टीम की सफलता का पूरा डेटा प्रस्तुत किया। दूसरी ओर, राहुल का प्रस्तुतीकरण सामान्य था। इंटरव्यू बोर्ड के मुख्य सदस्य मिस्टर खन्ना ने अनन्या से एक ऐसा सवाल पूछा, जो शायद ही किसी पुरुष उम्मीदवार से पूछा जाता। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अनन्या, आपका काम तो बेहतरीन है, लेकिन पता चला है कि आप फैमिली प्लानिंग के बारे में सोच रही हैं। यह पोस्ट तो बहुत जिम्मेदारी वाला है, ऐसे में क्या आप फैमिली के साथ ऑफिस की नई जिम्मेदारियां संभाल पाएंगी?' यह सवाल सुनकर अनन्या सन्न रह गई। उसकी योग्यता पर उसकी व्यक्तिगत जीवन को भारी माना जा रहा था। कुछ दिनों बाद घोषणा की गई कि राहुल को ऑपरेशंस हेड बना दिया गया। कारण बताया गया कि राहुल ज्यादा फ्लेक्सिबल है और जरूरत के समय उपलब्ध रह सकता है। यह अधिकतर कार्यालयों में व्याप्त उस ग्लास सीलिंग का जीवंत उदाहरण था, जहां महिलाओं को उनकी क्षमता के बजाय उनकी सामाजिक भूमिकाओं के तराजू में तौला जाता है। लेकिन अनन्या ने हार नहीं मानी। उसने एचआर विभाग में निष्पक्ष समीक्षा की मांग की और अपनी परफॉर्मेंस के आंकड़ों के साथ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।



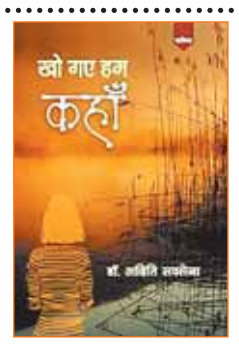
उसने साफ शब्दों में कहा, 'प्रतिबद्धता और काबिलियत का पैमाना जेंडर नहीं, बल्कि रिजल्ट होना चाहिए।' अनन्या के साहस ने दबे स्वर में बात कर रही अन्य महिला सहकर्मियों को भी प्रेरित किया। मामला मुख्यालय तक पहुंचा और जांच में पाया गया कि राहुल का चयन पक्षपातपूर्ण था।

अंततः प्रबंधन को अपनी गलती सुधारनी पड़ी। अनन्या को न केवल वह पद मिला, बल्कि कंपनी ने नई नीतियां लागू कीं ताकि भविष्य में किसी भी महिला की योग्यता को उसके घरेलू भविष्य के अनुमानों से न आंका जाए। अब असमानता की कच्ची दीवार टूट गई थी। k

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी कविताएं

पेशे से फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर अदिति सक्सेना के भीतर एक कवि मन भी है। इसको प्रमाणित करता है हाल में छपकर आया उनका पहला कविता संग्रह-खो गए हम कहां। इसमें अपने आस-पास की दुनिया के साथ ही देश और पूरी मनुष्यता के प्रति उनकी संवेदनशीलता प्रकट होती है। इस लिहाज से 'बंटवारा' कविता को पढ़ा जा सकता है। कुछ ऐसे ही भाव 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना' कविता में भी प्रकट हुए



हैं तो कवयित्री को अपने देश के जांबाज सैनिकों पर भी गर्व है। इसे उन्होंने ओजस्वी शब्दों में 'हमारे वीर वायु योद्धा' में व्यक्त किया है। इन सबके साथ पुरुष प्रधान समाज में एक स्त्री को किस तरह हमेशा डरे-सहमे रहने को विवश होना पड़ता है, इस त्रासदी को बहुत मार्मिकता के साथ अदिति ने 'बलात्कार' कविता में शब्दबद्ध किया है। इसी तरह संग्रह की अनेक कविताओं में जीवन और समाज की तमाम विसंगतियों, विडंबनाओं के काव्यात्मक चित्र देखे जा सकते हैं। k

पुस्तक: आ गए हम कहां (कविता संग्रह), **लेखिका:** डॉ. अदिति सक्सेना, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली



हरिभूमि

जबलपुर
रविवार, 11 अक्टूबर 2026
आश्विन मास शुक्ल पक्ष-1
वर्ष : 21, अंक : 159
पृष्ठ : 2+6+6=14 मूल्य : 3.00

मौसम
अधि. 34
न्यून. 22

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



घटस्थापना मुहूर्त
- शुभ समय : सुबह 5:31 बजे से 9:26 बजे तक
- शुभ समय अभिजित मुहूर्त : सुबह 11:00 बजे से 11:47 बजे तक
(मां चामुंडा दरबार के पुजारी गुरू पंडित रामजीवन दुबे के अनुसार)

haribhoomi.com

प्रदेश के चार प्रमुख देवी मंदिरों में शारदीय नवरात्रि की क्या तैयारियां हैं, हर बार की तरह 'हरिभूमि' के पाठकों के लिए यह काम की जानकारी

1 मां शारदा देवी, मैहर

130 ट्रेनें रुकेंगी, सुबह 6 बजे से रात 10.30 बजे तक चलेगा रोपवे


आठ एलईडी स्क्रीन पर होंगे लाइव दर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सतना/मैहर

त्रिकूट पर्वत स्थित मां शारदा देवी धाम में रविवार से 10 दिवसीय शारदीय नवरात्रि मेले का शुभारंभ होगा। लाखों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा और दर्शन व्यवस्था पूरी कर ली है। कलेक्टर विदिशा मुखर्जी और पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह के अनुसार, मेले में 650 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

2 मां पीतांबरा देवी, दतिया

पहले दिन 50 हजार से ज्यादा भक्तों के पहुंचने का अनुमान


साधकों और श्रद्धालुओं के लिए खुलेंगे 100 कमरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ दतिया

विश्व प्रसिद्ध तांत्रिक शक्तिपीठ मां पीतांबरा मंदिर में रविवार से शुरू हो रहे शारदीय नवरात्रि पर्व की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंदिर के चारों मुख्य द्वार आकर्षक सजावट के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। पहले दिन करीब 50 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। करीब 190 पुलिस जवान तैनात रहेंगे।

3 मां बगलामुखी देवी, नलखेड़ा

सुबह 5 से रात 11 बजे तक होंगे दर्शन, सीसीटीवी से निगरानी


मां बगलामुखी मंदिर में वीआईपी दर्शन व्यवस्था खत्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ नलखेड़ा

प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर में शारदीय नवरात्रि के दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन और मंदिर समिति ने सुरक्षा व दर्शन के व्यापक इंतजाम किए हैं। मंदिर परिसर, मार्गों और पार्किंग स्थलों पर 300 से अधिक पुलिस जवान तैनात रहेंगे। थाना प्रभारी और एसडीओपी भी व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे।

4 मां विजयासन देवी, सलकनपुर

नौ दिन में पांच लाख से ज्यादा भक्तों के पहुंचने का अनुमान


भारी व व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

प्रसिद्ध देवीधाम सलकनपुर में रविवार से नौ दिवसीय शारदीय नवरात्रि महोत्सव शुरू होगा। मंदिर ट्रस्ट और जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। नौ दिनों में पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं के मां विजयासन के दर्शन करने पहुंचने का अनुमान है। पदयात्रियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मेला अवधि में और व्यावसायिक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा।

दिन भर दिल्ली की सड़कों पर 38 हजार सुरक्षा कर्मी तैनात रहे, सीजेपी का कोई समर्थक जंतर मंतर नहीं पहुंच सका, 10 फीट ऊंचे लगाए बैरिकेड्स, कीलें भी बिछाईं, दूसरे इलाकों से करीब 3500 लोगों को हिरासत में लिया गया, इनमें विपक्ष के कई 'दिग्गज नेता'

विफल किया 'विरोध'

विश्लेषक मानते हैं कि केंद्र सरकार ने भले ही यह विरोध रोक लिया हो पर देश में इसकी गूंज नहीं रोकी जा सकी

भाजपा ने बताया इसे फ्लॉप शो, ममता बेनर्जी बोली- अब इमरजेंसी से भी बदतर हालात

- भाजपा के मुताबिक दिल्ली को अराजक समूहों का बंधक होने से बचा लिया। दिल्लीवालों ने विकास व शांति का साथ दिया। लोकतंत्र की जीत हुई। भीड़तंत्र की हार हुई
- सीजेपी समेत सभी विपक्षी दलों का आरोप था कि पुलिस ने दिल्ली को बंधक बना लिया। लोकतंत्र को बंधक बना लिया। संविधान को बंधक बना लिया। दिल्ली में विरोध प्रदर्शन और आंदोलनों की जगह को बंधक बना लिया
- राहुल गांधी ने चेन्नई में 'छात्रों की गूंज' में कहा कि कुछ भी हो अब चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को जाना ही होगा
- विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन इस मुद्दे पर 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगा


प्रदर्शनकारियों ने जमकर की नारेबाजी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की इस्तीफे को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन दिल्ली पुलिस ने विफल कर दिया। करीब 38 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती ने दिल्ली को खाकी व पैरामिलिट्री फोर्स की वर्दी के रंग से रंग दिया। सीसीटीवी, बॉडी स्कैनर कैमरा, कई बसों का बेड़ा, वज्र वाहन, टीयर गैस गन, रास्तों पर बिछाई गईं कीलें, 37 जगहों पर कड़ी नाकेबंदी ने, भाजपा के मुताबिक दिल्ली को अराजक समूहों का बंधक होने से बचा लिया। जबकि, सीजेपी समेत सभी विपक्षी दलों का आरोप था कि पुलिस ने दिल्ली को बंधक बना लिया।

ममता ने मुंह पर लगाया बैंडेज, क्रांतिकारी गीत गाया


ममता बेनर्जी

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी का विरोध का अलग अंदाज देखने को मिला। उन्होंने पहले मुंह पर बैंडेज लगाकर विरोध जताया और फिर पुलिस हिरासत में लिए जाने के दौरान बस में बंगाली क्रांतिकारी गीत गाया। ममता दक्षिण एवेन्यू स्थित एक बस स्टैंड पर धरने पर बैठी थीं। इसी दौरान दिल्ली पुलिस ने उन्हें तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन, डोला सेन और पार्टी के अन्य सदस्यों के साथ हिरासत में ले लिया। इसके बाद थाने में भी ममता ने अनशन शुरु कर दिया।

राष्ट्रपति पर राहुल का बयान 'नालायक नेता' की तरह


संबित पात्रा

भाजपा ने दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को फ्लॉप शो बताते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जंतर-मंतर पर दिखाई दे रही तस्वीर भारत की कहानी नहीं है। देश शांत है और सुशासन के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अराजक तत्व राजधानी में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन लोकतंत्र की जीत हुई है।

अभिजीत दीपके की दादी का निधन

सीजेपी नेता अभिजीत दीपके की दादी सावित्रीबाई शंकर दीपके का शनिवार को 85 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव बोले- अराजकता फैला रहे राहुल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को बिहार के गया प्रवास के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक रूप से जब जनता किसी दल को साल के लिए जनादेश देती है, तो विपक्ष की जिम्मेदारी होती है कि वह अपनी भूमिका का निर्वहन करे, संगठन को मजबूत बनाए और यह आत्ममंथन करे कि जनता उससे दूर क्यों हो रही है।

घड़ाघड़ लिए हिरासत में


सीजेपी प्रमुख दीपके को विमान से उतारा

टांगकर ले गई पुलिस


पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल हिरासत में

केरल भवन से उठाया


केरल के पूर्व सीएम विजयन को हिरासत में लिया

माता-पिता से मिलने आए थे


गुरुग्राम में यूट्यूबर ध्रुव राठी को घर से उठाया

नेम बोरा


प्रदर्शन करने पहुंची नेहा बोरा को घसीटा गया

सतर्क सुरक्षाकर्मी


सुरक्षाकर्मी बेहद सतर्क दिखे



प्रथम दिवसः मां शैलपुत्री



वन्दे वांछित लाभाय चंद्रार्धकृतशेखराम् ।
वृषारूढ़ां शूलधरां शैलपुत्री यशस्विनीम ॥

वैन की टक्कर से कांग्रेस जिला महामंत्री की मौत



नीमच। मालाखेड़ा-जावी मार्ग पर शुक्रवार रात सड़क हादसा हुआ। नीमच से सरवानिया महाराज लौट रहे कांग्रेस जिला महामंत्री नेता अभिषेक मालू (40) की मारुति वैन की टक्कर से मौत हो गई।

10 हजार से अधिक बी 2 बी मीटिंग्स ने पर्यटन संभावना को दी वैश्विक पहचान

ट्रैवल मार्ट में 3,729 करोड़ का आया निवेश



34 देशों के 100 से अधिक और देश के 15 राज्यों के 180 टूर ट्रैवल ऑपरेटर और होटलियर सहित 600 से अधिक स्टेकहोल्डर्स हुए शामिल

भोपाल। मप्र ट्रैवल मार्ट में निजी क्षेत्र से लगभग 3,729 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। पर्यटन क्षेत्र के प्रस्ताव लक्जरी होटलों, वेलनेस रिसॉर्ट्स, गोल्फ कोर्स, वाटरफ्रंट रिट्रीट्स और वन्यजीव लॉज के विकास से जुड़े हैं। इन पूंजीगत निवेशों से न केवल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन केंद्रों की आतिथ्य क्षमता में विश्वस्तरीय वृद्धि होगी, बल्कि राज्य के दूरदराज और अनछुए अंचलों में आधुनिक अधोसंरचना का विस्तार होगा तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के हजारों नए अवसर सृजित होंगे।

पिछले वर्ष की तुलना में 14% की वृद्धि

ट्रैवल मार्ट में व्यावसायिक नेटवर्किंग के दौरान 10,263 बी2बी बैठकों का ऐतिहासिक कीर्तिमान बना है। पिछले वर्ष की तुलना में 14 % की वृद्धि दर्ज की गई है। 2025 के पिछले संस्करण के दौरान लगभग 9,000 बैठकें हुई थीं।

दमकल वाहन बुलाए गए

स्क्रैप गोडाउन में लगी भीषण आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ पीथमपुर


■ आग लगने के कारणों का पता नहीं चला

औद्योगिक नगर पीथमपुर के सेक्टर-3 स्थित एक स्क्रैप यार्ड में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई है। आग इतनी विकराल है कि धुएं का गुबार दूर-दूर देखा जा रहा है।

आज होगा मैच

इंदौर पहुंचीं भारत वेस्टइंडीज की टीमें

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर


■ कोच गौतम गंभीर ने देखी पिच

होलकर स्टेडियम में आज रविवार को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबले को लेकर इंदौर में क्रिकेट का रंग चढ़ने लगा है।

विधायक थे सवार

वाहन से टकरा गई बाइक, एक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरावर


■ हादसे में राघवेंद्र के सिर पर गंभीर चोट आई

छोटी महाकाल होटल के सामने हाईवे पर फॉर्च्यूनर और बाइक की टक्कर में पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें इलाज के दौरान पिता की मौत हो गई।

भाजपा कार्यकर्ता से थाने में मारपीट

थाना प्रभारी समेत सात पुलिसकर्मी लाइन अटैच


विधायक गोलू शुक्ला के समर्थकों ने थाने का घेराव किया

इंदौर। एयरोड्रम थाना क्षेत्र में कार पार्किंग को लेकर शुरू हुआ विवाद थाने तक पहुंच गया। मारपीट की शिकायत दर्ज कराने पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता जयदीप दुबे और उनके साथ आए भाजपा पदाधिकारी के साथ पर अभद्रता और मारपीट करने के आरोप लगे हैं। मामला सामने आने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह कुशवाह, सब इंस्पेक्टर संजय विश्नोई सहित सात पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच कर दिया।

लोगों ने चक्काजाम के बाद किया पथराव

दमोह में बस की टक्कर से दो छात्राओं की मौत


तीसरी छात्रा की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

दमोह-जबलपुर स्टेट हाईवे पर नोहटा थाना क्षेत्र के अभाना गांव के पास एक यात्री बस की टक्कर से दो छात्राओं की जान चली गई। तीसरी छात्रा की हालत गंभीर बताई जा रही है। छात्राएं स्कूल जा रही थीं।



राहुल पर भड़के नितिन नवीन- वे अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल कर रहे

विदेशी ताकतों के साथ देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे, उनके मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे,जनता जवाब देगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि दिल्ली के प्रदर्शन पर कहा कि राहुल गांधी जो कर रहे हैं, भारत का युवा उन्हें देख रहा है। वे देश के सांविधानिक ढांचे को चुनौती दे रहे हैं और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसका जवाब जनता देगी। जिन विदेशी ताकतों के दम पर आप राजनीति कर रहे हैं और भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं, उनके मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। भारत सरकार कड़ाई से निपटेगी और आपके मंसूबों को रोकेगी। हम देश के प्रति प्रतिबद्ध हैं। विकसित भारत के सपने को आगे बढ़ाएंगे और देशविरोधी ताकतों से सख्ती से निपटेंगे। आप समर्थित सीजेपी देश में अशांति फैलाने की कोशिश कर रही है।

हम देश के प्रति प्रतिबद्ध हैं। विकसित भारत के सपने को आगे बढ़ाएंगे और देशविरोधी ताकतों से सख्ती से निपटेंगे। आप समर्थित सीजेपी देश में अशांति फैलाने पर उतारू

देश के आंतरिक मामलों में विदेशी ताकतों को शामिल कर रहे



नवीन ने एलन मस्क के भारत में स्टारलिंक को लाइसेंस मिलने में देरी को लेकर दिए गए बयान पर राहुल के समर्थन को लेकर निशाना साधा है। मस्क ने उद्योगपति मुकेश अंबानी का जिक्र करते हुए भारत में एकाधिकार को लेकर सवाल उठाए थे। राहुल ने कहा था कि भारत में आपका स्वागत है एलन, दूसरे व्यक्ति के बारे में जानेंगे तो और हैरानी होगी। राहुल के इस रुख पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि कांग्रेस नेता देश के आंतरिक मामलों में विदेशी ताकतों को शामिल कर रहे हैं।

रविशंकर ने बोला विपक्ष पर हमला

राहुल इमरजेंसी की बात न कहें, आपकी दादी की बात जगजाहिर हो चुकी



भाजपा ने विपक्ष पर हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि क्या घुसपैठियों को वोटर बनाना चाहिए? हम प्रदर्शन के नहीं, बल्कि अराजकता के खिलाफ हैं। रविशंकर ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे इमरजेंसी की बात न करें, क्योंकि उनकी दादी के बारे में पूरी दुनिया जानती है।

अराजकता फैलाने की कोशिश हो रही

उन्होंने कहा कि दो बातें साफ हो गई हैं। पहली, भारतीय लोकतंत्र ने अराजकता फैलाने की कोशिशों को नाकाम कर दिया है। दूसरी, देश संसद से चलेगा, सड़कों से नहीं। कल के नतीजे देख लीजिए।

भारत में लोकतंत्र नहीं बचा: प्रियंका



पुलिस द्वारा रोके जाने पर प्रियंका गांधी संविधान की प्रति हाथ में लेकर सड़क पर बैठ गईं और विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने बाद में उन्हें हिरासत में लेकर छत्रसाल स्टेडियम पुलिस स्टेशन पहुंचाया। प्रियंका ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, भारत में अब लोकतंत्र नहीं बचा है। उन्होंने विपक्षी सांसदों के साथ बदसलूकी और बल प्रयोग करने का आरोप लगाया।

24 घंटे में सीजेपी नेताओं की रिहाई नहीं हुई तो करूंगा अनशन: सोनम वांगचुक



सीजदेपी के प्रदर्शन से जुड़े नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर लद्दाख के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने केंद्र और प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने भारत को अघोषित आपातकाल की स्थिति में बताते हुए कहा कि अगर हिरासत में लिए गए नेताओं को कल तक रिहा नहीं किया गया, तो वह अनशन या पदयात्रा शुरू करने पर विचार करने के लिए मजबूर होंगे।

आयोग के समर्थन में 124 पूर्व अधिकारी

जीतते हैं तो व्यवस्था ईमानदार हारने पर वहां धांधली कैसी?

सीईसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बीच देश के 124 पूर्व अधिकारियों ने एसआईआर का पुरजोर समर्थन किया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा और संबद्ध सेवाओं के 124 पूर्व अधिकारियों ने देश के नागरिकों के नाम खुला पत्र जारी कर ये बात कही है। अधिकारियों ने खुले पत्र में चुनाव आयोग और एसआईआर का समर्थन करते हुए कहा है कि विश्वसनीय सुबूतों के बिना चुनाव में धांधली के आरोप लगाए जाने पर सवाल उठाए हैं।



अधिकारियों ने कहा कि भारत की चुनावी व्यवस्था बूथ कैप्चरिंग, मतपेटियों में फर्जी वोट डालने और चुनावी हिंसा के दौर से काफी आगे बढ़ चुकी है। जब आप चुनाव जीतते हैं तो व्यवस्था ईमानदार और हारने पर धांधली वाली नहीं हो सकती।

जो भारत के नहीं उन्हीं का नाम कट रहा: मांझी

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी जंतर-मंतर के प्रदर्शन को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी पर हमला किया है। मांझी ने कहा कि सीजेपी के लोग अभी नए-नए आए हैं। वे फील्ड तलाश रहे हैं। मांझी ने कहा कि जहां तक चुनाव आयोग का सवाल है तो वह अपना काम कर रहा है। निर्णय सीईसी का होता है। जो भारत के नागरिक नहीं हैं उसी का नाम कट रहा है।



विपक्ष ने कहा

जनता की आवाज दबा नहीं सकते: राउत



शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि यह जनता का विरोध है और वे जनता की आवाज को दबा नहीं सकते। इस देश में क्या हो रहा है? अगर कोई विरोध करने के लिए देश की राजधानी पहुंचना चाहता है, तो क्या यहां ब्रिटिश शासन लागू है? क्या रॉलेट एक्ट लागू कर दिया गया है?

हम देश की युवा ऊर्जा के साथ: अखिलेश



सपा प्रमुख और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री, अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा, किसी के रोके नहीं रुकेगा, अब दिल्ली में देश जुटेगा! हम देश की युवा ऊर्जा के साथ हैं। भाजपा सरकार अगर समझ रही है कि वो ताकत के बल पर जनता को रोक लेगी तो ये उसकी और भी बड़ी भूल साबित होगी। अगर सरकार ने आंदोलनकारियों को रोका तो देश में हर जगह जंतर-मंतर बन जाएगा।

दिल्ली में जैसे युद्ध के हालात हों: थरूर



सीजेपी प्रोटेस्ट के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक्स पर लिखा कि पुलिसकर्मियों और अर्धसैनिक बलों की तैनाती ऐसे की गई है, जैसे युद्ध के हालात हों। उन्होंने कहा कि मैं रात 2 बजे के बाद राष्ट्रीय राजधानी लौटा और मैंने दिल्ली में जो हालात देखे हैं, वैसे हालात पहले कभी नहीं देखे।

लोगों को अधिकार मांगने से रोक नहीं सकते: खरगे



कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई पर कहा है कि सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार 'डरे हुए' हैं। जो लोग डरते हैं वो आज नहीं तो कल मरते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस की कायरता सामने आ गई है। हिरासत, जेल, लाठीचार्ज और पैलेट गन भी लोगों को अधिकार मांगने से नहीं रोक सकते।

राहुल ने चेन्नई में विद्यार्थियों संग किया 'छात्रों की गूंज'

केंद्र सरकार पर हिंदी भाषा थोपने का लगाया आरोप

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में उन्होंने तमिल संस्कृति, भाषा, इतिहास, लोकतंत्र और शिक्षा जैसे मुद्दों पर बात की। राहुल ने कहा कि वे जब भी तमिलनाडु आते हैं, कुछ नया सीखकर लौटते हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की समस्याओं को सुनना और उनके विचारों को समझना है। उन्होंने सवाल पूछने, अपनी भाषा और इतिहास को समझने तथा बिना सोचे-समझे किसी बात को स्वीकार नहीं करने पर जोर दिया।

विद्यार्थियों की समस्याओं को सुना, शाह को भी घेरा



अन्य भाषाओं पर हमले किए जा रहे

राहुल ने आरोप लगाया कि तमिल संस्कृति, भाषा और इतिहास पर हमले हो रहे हैं। सरकार के लिए तमिल संस्कृति और इतिहास को दूसरे दर्जे पर रखा जा रहा है। राहुल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने तमिलनाडु में हिंदी थोपने की बात कही है। समाज की भाषा, संस्कृति और इतिहास उसकी पहचान का आधार हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी जड़ों को समझना चाहिए। हालांकि, हिंदी को लेकर राहुल की यह टिप्पणी उनका राजनीतिक आरोप है।

लोकतंत्र में मिला सवाल पूछने का अधिकार

राहुल ने कहा कि लोकतंत्र लोगों को सवाल पूछने का अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में नागरिक अपने वोट के जरिए तय करते हैं कि सत्ता किसके हाथ में रहेगी? आज लोगों के वोट, संस्कृति और सवाल पूछने की जिज्ञासा पर हमला हो रहा है।

राहुल और विजय ने की सियासी चर्चा



शनिवार को चेन्नई में राहुल और तमिलनाडु के सीएम सी. जोसेफ विजय ने कुछ अच्छा समय बिताया। चेन्नई के बाहरी इलाके नीलांकरई में अपने घर के बाहर विजय मुस्कराते हुए राहुल का स्वागत करने के लिए मौजूद थे। राहुल एक मीटिंग के लिए वहां पहुंचे थे जो एक घंटे तक चली। दोनों ने राजनीतिक चर्चा की।



समुद्री निगरानी और सुरक्षा क्षमता होगी मजबूत

अत्याधुनिक गश्ती पोत 'श्रेयस' लॉन्च समुद्री लूट और घुसपैठ करेगा नाकाम

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

भारतीय नौसेना की समुद्री निगरानी और सुरक्षा क्षमता को मजबूती देने की दिशा में कोलकाता स्थित गार्डनरीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने शनिवार को अगली पीढ़ी के अपतटीय गश्ती पोत 'श्रेयस' का जलावतरण किया। यह भारतीय नौसेना के लिए जीआरएसई द्वारा निर्मित चार पोतों की श्रृंखला का तीसरा युद्धपोत है।

- अगली पीढ़ी का अपतटीय गश्ती पोत (एनजीओपीवी)
- 'संघमित्रा' और 'श्रुति' के बाद यह तीसरा गश्ती पोत
- पांच महीने से कम समय में तीन गश्ती पोत जलावतरण
- गार्डनरीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने निर्माण किया
- अभी पोत समुद्र में विभिन्न परीक्षण के दौर से गुजरेगा
- परीक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद नौसेना को सौंपा जाएगा
- पोत में अत्याधुनिक सेंसर और अन्य उपकरण लगाए गए
- गश्ती पोत 113 मीटर लंबा और 14.6 मीटर चौड़ा
- वजन 3000 टन और अधिकतम गति 23 नाट समुद्री मील

समुद्री डकैती विरोधी, घुसपैठ और संदिग्ध जहाज रोकेगा

खोज एवं बचाव, मानवीय सहायता में कारगर



भारतीय नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल अजय कोचर और उनकी पत्नी रेयमान कोचर ने पारंपरिक रूप से युद्धपोत का जलावतरण व इसका नामकरण किया

यूक्रेन को सहायता देने वाले अमेरिका ने रूस से मिलाया हाथ

मॉस्को से डीजल खरीदने की डील, यूएस सीनेटर बोले- यह शर्मनाक, कानून विरोधी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

रूस-यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन को हथियारों की मदद करने और रूस से कच्चा तेल खरीदने पर भारत-चीन सहित अन्य कई देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से डीजल खरीदने के समझौते को लेकर अपने ही घर में आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। रूस पर प्रतिबंध लगाने से जुड़े कानून के सह-लेखक और अमेरिकी सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने इस फैसले को शर्मनाक बताते हुए कहा कि इससे यूक्रेन के खिलाफ रूस की जंग को अप्रत्यक्ष रूप से मदद मिल सकती है। ब्लूमेंथल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में ट्रंप से रूस के साथ हुए समझौते को तुरंत रद्द करने की मांग की। उन्होंने उन अमेरिकी तेल कंपनियों को भी चेतावनी दी, जो रूस के साथ इस समझौते के तहत कारोबार करने पर विचार कर रही हैं।



ब्लूमेंथल ने अपने बयान में ईरान में ट्रंप की सैन्य नीति की भी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस के साथ डीजल समझौता ईरान में युद्ध के कारण पैदा हुई समस्याओं को कम करने का प्रयास है, लेकिन इससे चीन और रूस की अर्थव्यवस्थाओं को फायदा हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस समझौते से यूक्रेन में और लोगों की जान जाने का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि, इस फैसले पर ब्लूमेंथल ने सवाल उठाए। उनका कहना है कि रूस पर प्रतिबंधों में ढील देने से यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को लेकर अमेरिका की नीति कमजोर पड़ सकती है।

> रूस पर प्रतिबंध लगाने से जुड़े कानून के सह-लेखक और अमेरिकी सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने इस फैसले को शर्मनाक बताते हुए कहा कि इससे यूक्रेन के खिलाफ रूस की जंग को अप्रत्यक्ष रूप से मदद मिल सकती है

- यूएस ईंधन की कीमतों को नियंत्रित करना चाहता
- रूस से 48 लाख टन डीजल खरीदेगा अमेरिका
- रूस तुरंत 3 लाख टन डीजल की आपूर्ति करेगा



व्लादिमीर पुतिन और डोनाल्ड ट्रंप फाइल फोटो

ट्रंप-पुतिन बातचीत के बाद हुआ समझौता

ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ फोन पर बातचीत में यह डील की। इसका उद्देश्य बढ़ती ईंधन कीमतों को नियंत्रित करने के लिए अमेरिकी और वैश्विक बाजारों में डीजल की उपलब्धता बढ़ाना बताया गया।

यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के लिए मियामी में बातचीत

अमेरिका, यूक्रेन और यूरोपीय देशों के वार्ताकारों ने शुक्रवार को मियामी में छह घंटे तक बातचीत की। इसका मकसद यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए एक साझा प्रस्ताव तैयार करना है। आने वाले कुछ हफ्तों में इस प्रस्ताव पर सहमति बनाने की कोशिश है और इसे रूस के सामने रखा जा सकता है। बातचीत में अमेरिका की ओर से ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर शामिल हुए। उनके साथ यूक्रेन, यूरोपीय देशों और नाटो के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। बैठक में युद्ध के बाद यूक्रेन की सुरक्षा के लिए अमेरिका और यूरोप की गारंटी, उसकी अर्थव्यवस्था को दोबारा खड़ा करने की योजना और यूरोपीय संघ में शामिल होने की राह पर चर्चा हुई। इसके अलावा, क्षेत्रीय विवाद और यूरोप-रूस के बीच भविष्य की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दे भी उठे।

रूसी हवाई हमले में 11 की मौत: *यूक्रेन के जापोरिज्जिया इलाके में रूसी हमलों में कम से कम 11 लोग मारे गए हैं। क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख मिखाइलो सेमिकिन ने शनिवार को बताया कि जापोरिज्जिया में रिहायशी इमारतों पर रूसी हवाई बम गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई।*

सारा पैसा युद्ध में इस्तेमाल होगा



यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने ट्रंप के इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि यह सारा पैसा लोगों के खिलाफ, यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में जाता है। मेरा मानना है कि हमारी टीम का इस्तेमाल सिर्फ ध्यान भटकाने के लिए किया जा रहा है। यह निश्चित रूप से उचित नहीं है।

भारत का यूएन में कड़ा संदेश, परमाणु धमकी के आगे नहीं झुकेंगे, आतंकियों को मारेंगे

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि भारत परमाणु धमकी के आगे नहीं झुकेगा। संयुक्त राष्ट्र महासभा की निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी प्रथम समिति की बैठक में भारत ने पाकिस्तान के जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने के बाद जवाब दिया। जिनेवा में निरस्त्रीकरण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार अनमोल शेर सिंह बेदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा शांति के पक्ष में रहा है। उसकी सैन्य क्षमताएं रक्षात्मक हैं और देश की सुरक्षा जरूरतों के हिसाब से तय की गई हैं। ये किसी दूसरे देश के खिलाफ नहीं हैं। बेदी ने कहा कि परमाणु हथियारों को सामान्य राजनीतिक हथकंडे की तरह इस्तेमाल करना खतरनाक है।



नेशनल रैंकिंग के साथ 2.50 करोड़ के कैश प्राइज एवं एलन फीस में 90 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप

एलन टैलेंटेक्स रजिस्ट्रेशन अब 14 अक्टूबर तक

कोटा। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्रा.लि. की ओर से आयोजित की जाने वाली एलन टैलेंटेक्स-2027 परीक्षा में रजिस्ट्रेशन के लिए देशभर के स्टूडेंट्स को एक और मौका दिया जा रहा है। स्टूडेंट्स के उत्साह को देखते हुए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 11 से बढ़ाकर 14 अक्टूबर तक कर दी गई है। इच्छुक स्टूडेंट्स वेबसाइट पर विजिट कर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। आफलाइन व आनलाइन दोनों मोड में होने वाली टैलेंटेक्स-2027 के लिए आफलाइन एग्जाम 25 अक्टूबर को जबकि आनलाइन एग्जाम 25, 28 एवं 31 अक्टूबर को आयोजित होगा।

एलन वाइस प्रसीडेंट पंकज अग्रवाल ने बताया कि शुरुआत से अब तक एलन टैलेंटेक्स में 21 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स शामिल हो चुके हैं। इस परीक्षा में कक्षा 5 से 10 तक के स्टूडेंट्स शामिल हो सकते हैं। एग्जाम के बाद नेशनल व



स्टेट रैंक के साथ ही 2.50 करोड़ के कैश प्राइज तथा एलन कोर्सेज में एडमिशन पर 90 प्रतिशत तक स्कालरशिप दी जाएगी।

परीक्षा परिणाम के अतिरिक्त प्रत्येक प्रतिभागी को कम्पीटिटिव सक्सेस इंडेक्स भी प्रदान किया जाएगा। यह एक विशिष्ट परफॉर्मेंस इंडिकेटर है, जो विद्यार्थियों को अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का आकलन करने में मदद करेगा। इस इंडेक्स के माध्यम से स्टूडेंट्स यह पता कर सकता है कि यदि वह जेईई, नीट व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होता तो उसकी क्या नेशनल रैंकिंग रहती। जो विद्यार्थी पहले से एलन के क्लासरूम कोर्स में अध्ययनरत हैं, वे भी इस परीक्षा में शामिल होने के पात्र होंगे। विद्यार्थी https://allen.in/tallentex. पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के बाद उन्हें पोर्टल पर उपलब्ध प्रैक्टिस टेस्ट पेपर्स का भी लाभ मिलेगा। परीक्षा का सिलेबस एनसीईआरटी आधारित होगा, जबकि परीक्षा पैटर्न एवं विस्तृत सिलेबस की जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी एवं नियम - शर्तों के लिए वेबसाइट पर विजिट करें।

परीक्षा दो घंटे की होगी, जिसमें बहुविकल्पी व इन्टिजर टाइप प्रश्न होंगे, जिसमें फिजिक्स, कैमेस्ट्री, मैथ्स, बॉयोलॉजी एवं लॉजिकल मेंटल एबिलिटी के प्रश्न पूछे जाएंगे। पेपर एनसीईआरटी के सिलेबस पर आधारित होगा।

निहार शान्ति आंवला ने शुरू की 'शान्ति से पूछो' एआई पहल

मंबई। निहार शान्ति आंवला ने महिलाओं को जीवन से जुड़े फैसले लेने में मदद के लिए 'शान्ति से पूछो' नामक एआई आधारित पहल शुरू की है। इसके तहत 'शान्ति' नाम का डिजिटल साथी पेश किया गया है, जो शिक्षा, उद्यमिता और बालों की देखभाल सहित विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन देगा। इस पहल के तहत इंदौर के एक मॉल में विशेष अनुभव तैयार किया गया, जहां महिलाएं शान्ति से बातचीत कर अपनी समस्याओं और उलझनों पर चर्चा कर सकती हैं। व्हाट्सऐप बॉट के जरिए भी इस सुविधा का लाभ लिया जा सकता है। इसके लिए गूगल पर 'शान्ति से पूछो' खोजकर व्हाट्सऐप से जुड़ सकते हैं। मैरिको लिमिटेड के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर विक्रम करवाल ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य ब्रांड को बालों की देखभाल से आगे बढ़ाकर महिलाओं का भरोसेमंद साथी बनाना है। एआई और ग्राहकों की जरूरतों की समझ के माध्यम से महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ सही विकल्प चुनने में मदद मिलेगी। अभियान की फिल्म 'निहार शान्ति आंवला प्रस्तुत करता हैः शान्ति से पूछो' नाम से जारी की गई है।

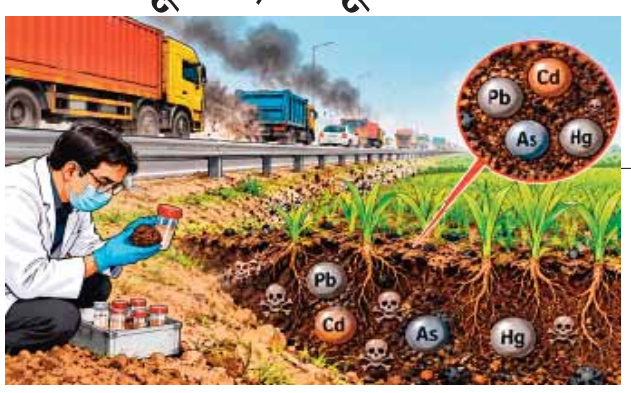


पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर
इंजीनियरिंग विभाग, खुली निविदा
निविदा रद्द करने की सूचना
निम्नलिखित निविदाएँ बिडिंग सिस्टम में बदलाव के कारण निरस्त कर दी गई है। **निविदा सूचना क्रमांक** : डी.आर.एम. डब्ल्यू–जे.वी.पी.–194–2026 दिनांक 29.09.2026 **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : सहायक मंडल इंजीनियर व्योहारी सब–डिविजन के अंतर्गत व्योहारी डिपो पर, रेलवे के ट्रैक बैलास्ट स्पेसिफिकेशन IS/RDSO-GE/0001:2023 के अनुसार 65mm मशीन क्रश्ड, कठोर और टिकाऊ ट्रैक स्टोन बैलास्ट की सप्लाई, स्टैकिंग और लोडिंग; जिसमें सभी लीड, लिफ्ट, टैक्स, रॉयल्टी, ड्यूटी आदि शामिल हैं। **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये** : 5,72,68,500/– **निविदा खुलने की तिथि** : 23.10.2026 (हस्ता.) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर
यांत्रिक शाखा
ओपन टेंडर सिंगल पैकेट सिस्टम
टेन्डर नोटिस संख्या. जबल–यॉंत्रिक–टेन्डर–32–2026 दिनांक 07.10.2026
निम्नलिखित कार्य के लिये ई–निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल यॉंत्रिक इंजीनियर (कोचिंग), मंडल रेल प्रबंधक (यॉंत्रिक), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना क्रमांक** : JBP-M -Tender-32 -2026 dated 07.10.2026 **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : नई सिक लाइन/जबलपुर में सिक कोचों के लिए कारपेंट्री, प्लंबिंग, पेंटिंग और डेटा एंट्री के काम (नॉन–सेफ्टी आइटम्स) के लिए मैनपावर की आउटसोर्सिंग। **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये में** : Rs. 20,41,242.00, **बयाना राशी रुपये में** : Rs. 40,800.00, **समापन अवधि** : 150 days, **निविदा भरने की अंतिम तिथि एवं समय** : 29.10.2026 Upto 15:00 hrs. **निविदा खुलने की तिथि एवं समय** : 29.10.2026 Upto 15:30 hrs. उपरोक्त ई–निविदा की संपूर्ण जानकारी वेब साइट **"https://ireps.gov.in"** पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है। ई–निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिये कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जावेगी।
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

छह कृषि स्थलों की मिट्टी में 14 तत्वों की जांच

हाईवे के किनारे खेतों की मिट्टी में भारी धातुओं का प्रदूषण, नमूनों की जांच में सामने आया सच



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर-बिलासपुर मार्ग स्थित नेशनल हाईवे-130 के किनारे प्रदूषण का हाल ये है कि वहां मौजूद खेतों की मिट्टी में अत्यंत हानिकारक भारी धातुओं का प्रदूषण फैल गया है। यह तथ्य गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर समेत छत्तीसगढ़ और गुजरात के विभिन्न संस्थानों के शोधकर्ताओं के अध्ययन से सामने आया है। साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित इस अध्ययन में छह बड़े कृषि प्लॉटों से मिट्टी के नमूने लेकर 14 तत्वों की जांच की गई। अलग-अलग प्रदूषण सूचकांकों के आकलन में 4.8 प्रतिशत मिट्टी स्थल अत्यधिक प्रदूषित और 54 प्रतिशत मध्यम प्रदूषित पाए गए।

14 तत्वों की हुई जांच

शोधकर्ताओं ने मिट्टी में बोरॉन, एल्युमिनियम, वैनेडियम, क्रोमियम, मैंगनीज, आयरन, कोबाल्ट, निकेल, कॉपर, जिंक, आर्सेनिक, मोलिब्डेनम, कैडमियम और सीसे की मात्रा का परीक्षण किया। इनमें सीसा, जिंक और निकेल को लेकर कुछ स्थानों पर प्रदूषण का स्तर खास तौर पर महत्वपूर्ण पाया गया। अध्ययन में साइट-1 पर सीसा और जिंक का संदूषण कारक बहुत अधिक था। शोधकर्ताओं के अनुसार इस साइट का प्रदूषण भार सूचकांक भी सबसे अधिक था और इसे मिट्टी के प्रदूषण से सबसे अधिक प्रभावित स्थलों में रखा गया।

इस दल ने किया ये शोध

इसके प्रमुख शोधकर्ता गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग से जुड़े हैं। शोध टीम में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, शासकीय बिलासा गर्ल्स पीजी ऑटोनॉमस कॉलेज बिलासपुर, शासकीय नवीन कॉलेज जशपुर, शासकीय संत रामेश्वर गहिरा गुरुजी महाविद्यालय जशपुर, पं. लालबहादुर शास्त्री कॉलेज रायगढ़ और फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी अहमदाबाद के शोधकर्ता शामिल हैं।

समुद्री लुटेरों के खजाने की रक्षा करते हैं जहरीले सांप

ब्रासीलिया। ब्राजील के तट के पास एक छोटा सा द्वीप है। इसका नाम इल्हा दा क्विमाडा ग्रांडे है लेकिन यह दुनियाभर में स्नेक आइलैंड (सांपों का द्वीप) के नाम से मशहूर है। यह द्वीप वर्षों से एडवेंचर पसंद करने वालों और वैज्ञानिकों को आकर्षित कर रहा है। हालांकि इस द्वीप पर जाना बिल्कुल आसान नहीं है। यह ऐसी जगह है, जहां बिना किसी सुरक्षा और तैयारी के जाने पर शायद कोई एक घंटा भी जिंदा नहीं रह सकेगा। इसकी वजह इस द्वीप पर पाए जाने वाले सांप हैं। ऐसे में इसे 'नो गो जोन' बनाया गया है। साओ पाउलो से 20 मील दूर 43 हेक्टेयर के आकार वाले इस द्वीप पर दुनिया में सबसे ज्यादा जहरीले सांपों में से एक प्रजाति पाई जाती है। इल्हा दा क्विमाडा ग्रांडे पर वाइपर की बोथ्रोप्स इंसुलारिस प्रजाति बड़ी संख्या में है जो दुनिया में कहीं और नहीं मिलती। इसे गोल्डन लांसहेड वाइपर कहा जाता है। इस सांप का जहर बहुत ज्यादा जानलेवा है। गोल्डन लांसहेड का जहर दक्षिण अमेरिका के दूसरे हिस्सों में पाए जाने वाले इस तरह के वाइपर के जहर से पांच गुना ज्यादा जानलेवा होता है।



आइलैंड जाने पर रोक

इल्हा दा क्विमाडा ग्रांडे पर सांपों और खतरनाक जीवों की मौजूदगी की वजह से ब्राजील सरकार ने द्वीप पर जाने पर रोक लगा रखी है। अगर किसी को यहां जाना है तो उसे परमिट लेना पड़ता है। यहां खासतौर से सांपों और खतरनाक जानवरों पर रिसर्च करने वाले लोग जाना चाहते हैं। स्नेक आइलैंड पर जाने की इजाजत उन सशस्त्र बलों को है, जो द्वीप पर बनी एकमात्र इमारत (लाइटहाउस) की देखभाल करते हैं। इस द्वीप को लेकर ब्राजील में कई तरह की कहानियां हैं। इनमें सबसे लोकप्रिय यह है कि द्वीप पर सांपों की भरमार के नीचे समुद्री लुटेरों का छिपाया हुआ खजाना दबा है और सांप इसकी रक्षा करते हैं।

पश्चिम रेल
खुली निविदा
मुख्य अभियंता/ प्रोक्योरमेंट, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर द्वारा तथा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निविदा सूचना संख्या CPCWCR-07-2026, CPCWCR-08-2026, CPCWCR-10-2026, CPCWCR-11-2026 दिनांक 06.10.2026 के विरुद्ध ई–निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा बंद होने की तिथि 02.11.2026 को 15:00 बजे होगी। निविदाकर्ता केवल निर्धारित अंतिम तिथि एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ प्रस्तुत कर सकेंगे। उपर्युक्त निविदा के विरुद्ध मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किए जाएंगे तथा प्राप्त होने वाला कोई भी मैनुअल ऑफर अनदेखा कर दिया जाएगा। निविदा निर्धारित तिथि एवं समय पर खोली जाएगी। **(1) निविदा क्रमांक:** CPCWCR-07-2026, **दिनांक:** 06.10.2026 **कार्य का नाम एवं स्थान:** वेस्ट सेंट्रल रेलवे के कोटा डिवीज़न की रामगंजमंडी–भोपाल नई BG रेल लाइन परियोजना के तहत, राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्यों में घाटोली स्टेशन और बियावरा स्टेशन के बीच बचे हुए काम (जैसे ड्रेन और टो वॉल बनाना), कटिंग एरिया की सुरक्षा के काम और अन्य विविध सिविल इंजीनियरिंग के काम पूरे करना। **अनुमानित लागत:** ₹26,55,30,328.81/– **बयाना राशि:** ₹ 53,10,700/– **पूर्णता अवधि:** 06 माह मानसून सहित **(2) निविदा क्रमांक:** CPCWCR-08-2026, **दिनांक:** 06.10.2026 **कार्य का नाम एवं स्थान:** सिधी–सिंगरौली नई BG रेल लाइन प्रोजेक्ट के तहत सिधी–गोंडावली सेक्शन में स्टाफ क्वार्टर (गजराही, बाहरी, देवसर और गोंडावली स्टेशन पर) का निर्माण; ओवरहेड और अंडरग्राउंड पानी की टंकी, पानी की सप्लाई और डिस्ट्रीब्यूशन पाइपलाइन (प्लंबिंग, बोरवेल, हैंड पंप, ड्रेनेज, सीवरेज और सेप्टिक टैंक के साथ सैनिटरी काम सहित); बाउंड्री वॉल, सड़क का काम और अन्य विविध काम; साथ ही बड़े / छोटे पुलों, ऊंचे तटबंध ढलान की सुरक्षा, और उन जगहों पर RCC टो वॉल/गैबियन वॉल जैसे सुरक्षा कार्य जहां पानी अलाइनमेंट के समानांतर बहता है (रामपुर नाइकेन से सिधी के बीच)। **अनुमानित लागत :** ₹85,57,49,295.24/– **बयाना राशि:** ₹ 1,71,15,000/– **पूर्णता अवधि:** 18 माह मानसून सहित **(3) निविदा क्रमांक:** CPCWCR-10-2026, **दिनांक:** 06.10.2026 **कार्य का नाम एवं स्थान :** सागर नेहरू कॉलोनी में 28–यूनिट (टाइप–II–24 यूनिट, टाइप–III–4 यूनिट) क्वार्टरों की भारी मरम्मत का कार्य। **अनुमानित लागत:** ₹3,12,91,194.34/– **बयाना राशि:** ₹ 6,25,900/– **पूर्णता अवधि:** 08 माह मानसून **(4) निविदा क्रमांक:** CPCWCR-11-2026, **दिनांक:** 06.10.2026 **कार्य का नाम एवं स्थान:** WCR के निर्माण प्रोजेक्ट्स में ट्रैक–बेस्ड रेल गेज फेस लुब्रिकेटर (इलेक्ट्रॉनिक प्रकार) की सप्लाई, इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग–105 नग। **अनुमानित लागत:** ₹10,92,57,325.20/– **बयाना राशि:** ₹ 21,85,200/– **पूर्णता अवधि:** 60 माह मानसून **ई–निविदा बंद एवं खोलने की तिथि/समय:** टेंडर नं. 1, 2, 3 व 4 के लिए – दिनांक 02/11/2026 को 15.00 बजे बंद एवं 15.00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदाकर्ताओं को अपनी बोली IREPS वेबसाइट के माध्यम से https://ireps.gov.in पर ऑनलाइन प्रस्तुत करना आवश्यक है। निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे किसी भी परिवर्तन शुद्धिपत्र की जानकारी प्राप्त करने के लिए IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in को नियमित रूप से देखते रहें। इस निविदा के लिए निविदा प्रपत्र के अनुसार न्यूनतम पात्रता मानदंड लागू होगें।
(हस्ता.)
उप मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट), मुख्या/निर्माण, प.म.रे., जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

इटली में जलमग्न शहर से मिली 3 हजार साल प्राचीन कांसे की तलवार

रोम। इटली के मेजनो झील की जलमग्न बस्ती से ईसा पूर्व 13वीं शताब्दी की कांस्य युग की एक तलवार खोजी गई है। इसे इटली के इतिहास के बड़े पुरातात्विक खोजों में से एक माना जा रहा है। यह तलवार झील के दक्षिणी किनारे पर चलाए गए नए शोध अभियान दौरान बरामद की गई है। कांसे का बना यह हथियार 3000 साल बाद भी अच्छी स्थिति में है और इसकी धार बरकरार है। इतिहासकारों का मानना है कि यह बस्ती संभवत किसी ज्वालामुखी विस्फोट या भीषण आग के कारण नष्ट हो गई थी और बाद में झील के जलस्तर में बदलाव के कारण पूरी तरह जलमग्न हो गई।



सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख–शान्ति रहेगी। घर–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख–रखाव एवं साज–सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेगे।

वृष आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती

मिथुन मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन–सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग–दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन–सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर–परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद–विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद–परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

कुंभ मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती

संचालनालय आयुष, म.प्र.
www.ayush.mp.gov.in (भू-तल "डी" विंग, सतपुडा भवन, भोपाल - 462004) Office (0755) 2990500
E-mail:jdayush@mp.gov.in (0755) 2571643

विज्ञप्ति दिनांक : 09/10 /2026

स्नातक तृतीय चरण काउंसिलिंग कार्यक्रम (स्टेट कोटा) सत्र 2026-27
बी ए एम एस / बी एच एम एस / बी यू एम एस / बी एन वाय एस

म.प्र. आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं यूनानी स्नातक पाठ्यक्रम प्रवेश नियम - 2026 तथा म.प्र. प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग स्नातक पाठ्यक्रम प्रवेश नियम-2026 के अनुक्रम में भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग/म.प्र. शासन, आयुष विभाग से प्रवेशानुमति प्राप्त शासकीय स्वशासी एवं निजी आयुर्वेद/होम्योपैथी/यूनानी/प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान महाविद्यालयों में प्रवेश की कार्यवाही एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से संपन्न कराई जायेगी।

प्रवेश काउंसिलिंग के अंतर्गत तृतीय चरण का कार्यक्रम निम्नानुसार है:-

क्र.	विवरण	दिनांक एवं समय
1	NEET UG -2026 के पात्र उम्मीदवारो के द्वारा ऑनलाइन पंजीयन	दिनांक 14/10/2026 से 16/10/2026 रात्रि 11:59 बजे तक
2	पंजीयन फार्म में ऐडिट करने की सुविधा (Only For the newly registered candidates of the Third round.)	दिनांक 14/10/2026 से 17/10/2026 सांय 05 बजे तक
3	हेल्प सेन्टर्स पर अभिलेख सत्यापन (Please note that once the candidate's details have been verified, they will not be able to make any further changes to their registration information.)	दिनांक 15/10/2026 से 17/10/2026 सांय 05 बजे तक
4	रिक्त सीटो की स्थिति	दिनांक 21/10/2026
5	मैरिट सूची का प्रकाशन	दिनांक 21/10/2026
6	अभ्यर्थी द्वारा महाविद्यालयों की प्राथमिकता क्रम का निर्धारण (च्वाईस फीलिंग, लॉकिंग)	दिनांक 28/10/2026 से 30/10/2026 रात्रि 11:59 बजे तक
7	च्वाईस फीलिंग, लॉकिंग तथा ऐडिट करने की सुविधा	दिनांक 28/10/2026 से 30/10/2026 रात्रि 11:59 बजे तक
8	सीट आवंटन	दिनांक 03/11/2026
9	महाविद्यालय में औपचारिकताएं पूर्ण कर अस्थाई प्रवेश प्राप्त करने की तिथि	दिनांक 04/11/2026 से 06/11/2026 सांय 06 बजे तक
10	प्रवेश निरस्तीकरण	दिनांक 04/11/2026 से 06/11/2026 सांय 07 बजे तक

नोट :- 1- प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी उक्त प्रकाशित ऑनलाइन काउंसिलिंग कार्यक्रम अनुसार आनलाइन प्रवेश का अवसर प्राप्त कर सकते है 2- पंजीयन उपरान्त अभ्यर्थियों को प्रदेश के शासकीय स्वशासी आयुर्वेद/होम्योपैथी/यूनानी महाविद्यालय में अपने अभिलेखों का सत्यापन कराना अनिवार्य होगा। 3- उपरोक्त काउंसिलिंग प्रक्रिया अंतर्गत भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, नई दिल्ली/म.प्र. शासन, आयुष विभाग से प्रवेशानुमति प्राप्त शासकीय स्वशासी एवं निजी आयुर्वेद/होम्योपैथी/यूनानी/प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान महाविद्यालयों को सम्मिलित किया जायेगा 4- भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, नई दिल्ली/म.प्र. शासन, आयुष विभाग से प्रवेशानुमति हेतु लंबित शासकीय स्वशासी/निजी आयुष महाविद्यालयों को प्रवेशानुमति प्राप्त होने के उपरान्त ही प्रवेश काउंसिलिंग प्रक्रिया में सम्मिलित किया जायेगा । 5- नियम/निदेर्शों एवं अपडेट हेतु विभागीय वेबसाईट https://ayush.mp.gov.in एवं एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल https://ayush.mponline.gov.in का सतत् अवलोकन करते रहें।

आयुक्त द्वारा निर्देशित (डॉ. पंकज गुप्ता)
G-19758/26 "स्वच्छता ही सेवा" प्र. उप संचालक संचालनालय आयुष म.प्र.

केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान (सिपेट)
सिपेट CIPET
(रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार)
जी-सेक्टर, गोविन्दपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जे.के. रोड, भोपाल - 462023 (म.प्र.)
दूरभाषः- 0755-4028627/636, ई-मेलः bhopal@cipet.gov.in

पेट्रोकेमिकल्स के क्षेत्र में आवासीय रोजगारोन्मुखी कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

निःशुल्क प्रशिक्षण — **प्रायोजक** — निःशुल्क प्रशिक्षण
एनटीपीसी लिमिटेड, गाडरवारा द्वारा शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियों हेतु
संस्थान

केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान (सिपेट) रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत पेट्रोकेमिकल्स के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान है। यह संस्थान कौशल विकास कार्यक्रम, तकनीकी सहयोग सेवाएं, शैक्षणिक और अनुसंधान को पूरी तरह समर्पित है, और सम्पूर्ण भारत में 47 स्थानों में संचालित है। यह निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम एनटीपीसी लिमिटेड, गाडरवारा द्वारा प्रायोजित है। सिपेटः सी.एस.टी.एस., भोपाल, मध्यप्रदेश राज्य के नरसिंहपुर जिले में स्थित एनटीपीसी, गाडरवारा परियोजना से प्रभावित गांवों एवं आसपास के संबंधित क्षेत्रों के सभी वर्गों (अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/सामान्य वर्ग/समाज) के आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग के शिक्षित बेरोजगारों उम्मीदवारों से निम्न पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित करता हैः–

क्र.	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता	अवधि	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
1	**मशीन ऑपरेटर - इंजेक्शन मोल्डिंग** QG-3.5-CP-04117-2025-V2-CIPET	• 11 वीं कक्षा • 1.5 वर्ष के प्रासंगिक अनुभव के साथ 10 वीं या समकक्ष • 4.5 वर्ष के प्रासंगिक अनुभव के साथ 8 वीं कक्षा • 1.5 वर्ष के प्रासंगिक अनुभव के साथ एनएसक्यूएफ स्तर 3 का पूर्व प्रासंगिक अनुभव	600 घंटे	30 सीट

आयु सीमाः न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 28 वर्ष
(आयु सीमा मे शिथिलता अ.जा./अ.ज.जा. हेतु 05 वर्ष एवं अन्य पिछडा वर्ग हेतु 03 वर्ष)

- प्रशिक्षण, छात्रावास, भोजन, सेफ्टी शूज, यूनिफार्म, पाठ्यक्रम सामग्री निःशुल्क एवं अन्य सुविधाऐं नियमानुसार।

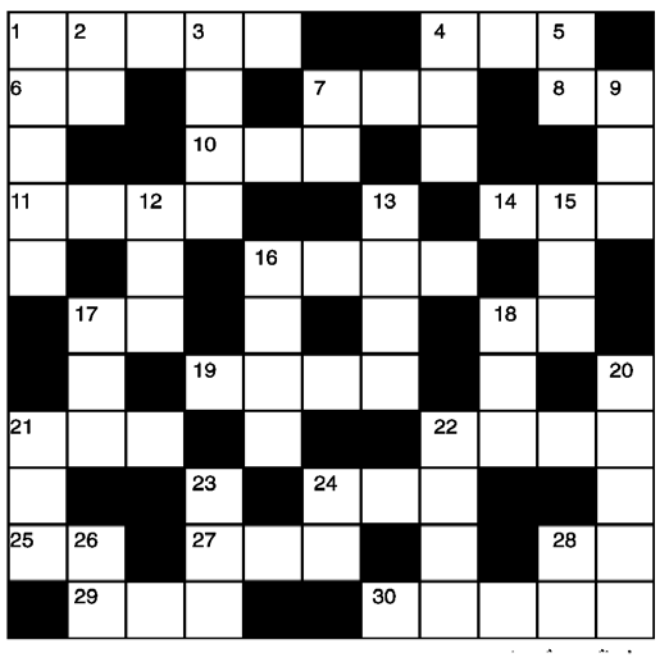
आवेदन के लिए मूल दस्तावेज
- शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो (05) एवं अन्य सम्बंधित दस्तावेज

आवेदन करने की प्रक्रिया
- सभी इच्छुक उम्मीदवार कोर्स में प्रवेश हेतु सभी दस्तावेज ई–मेलः– **sdcipetbhopal@gmail.com** पर भेज सकते है।
- सभी इच्छुक उम्मीदवार इस प्री–रजिस्ट्रेशन लिंकः– **https://forms.gle/R45YYPY2fwLJ51nF9** पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।
- साक्षात्कार एवं दस्तावेज सत्यापन सारणीः
- कृपया ध्यान दें, सिपेट भोपाल द्वारा उपरोक्त पाठ्यक्रम के साक्षात्कार हेतु अपने मूल प्रमाण पत्रों के साथ निर्धारित तिथियों को **सुबह 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे** तक नीचे दिए गए केंद्रों पर उपस्थित होवें:
  1. मनकवारा पंचायत भवनः दिनांक 13.10.2026 (मंगलवार),
  2. कुडारी पंचायत भवनः दिनांक 14.10.2026 (बुधवार),
  3. चोरबरहटा पंचायत भवनः दिनांक 15.10.2026 (गुरुवार),
  4. गांगई पंचायत भवनः दिनांक 16.10.2026 (शुक्रवार)

नोटः 1. उपस्थित होते समय अपने मूल प्रमाण पत्रों के साथ उपस्थित होना अनिवार्य है।
2. इस प्रशिक्षण कोर्स के प्रारंभ होने की संभावित तिथि 26.10.2026 (सोमवार)है।
3. यह संपूर्ण प्रशिक्षण सिपेट (CIPET) भोपाल परिसर में ही आयोजित किया जाएगा।

विज्ञापन क्रमांकः CIPET/BPL/ADV/VTC/26-27/16 प्रधान निदेशक एवं प्रमुख
प्रवेश लेने हेतु संपर्क करें: अभिषेक कौरव 8982461098, प्रशांत मिश्रा 9806819049, महेश यादव 9111209015, अभिषेक ओझा 9713039030, राहुल अहिरवार 9399898514, प्रदीप गुप्ता 8770115714.

शब्द पहेली - 6374



बाएँ से दाए
1. असह्य, नागवार-5
4. कली-3
6. पराया, पंख-2
7. समुद्र-3
8. पिता की बहन-2
10. चौकसी, सुरक्षा-3
11. कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14. छल, धोखा-3
16. पक्षी, उड़ने वाला-4
17. उम्मीद-2
18. दौरा, पहरेदारी-2
19. धारण करना-4
21. आफत, मुसीबत-3
22. विदिर्ण-2,2
24. प्रकाशित-3
25. बल, जान-2
27. रसदार-3
28. जगत, दुनिया-2
29. नग, मूल्यवान पत्थर-3
30. तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे
1. जबरन उठा ले जाना-5
2. महोदय (अंग्रेजी-2)
3. नीलिमा-4
4. कुंती पुत्र, राधेय-3
5. वश, अधीन-2
7. संपूर्ण, पूर्ण-2
9. शिकार-3
12. असली, शुद्ध-3
13. हठ करना, रोना -4
15. हारा हुआ, पराजित-3
16. मशवरा, सलाह-4
17. विश्राम-3
18. अभिमान-3
20. भयभीत होना-2,3
21. संभवतः-3
22. टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23. तरना, स्वीमिंग-3
24. इसे मकड़ी बुनती है-2
26. जी, चित-2
28. संपत्ति-2

शब्द पहेली - 6373 का हल

	अ	ह	म	क		जा	य	दा	द	
ल		क	म	र		न	म	न		अ
ब	स		ता	त		का	ज		हा	र
कु	ली	न		ल	ह	र		रा	ज	मा
श	ब	न	म		म		आ	स	मा	न
			सा	फ	स	फा	ई			
अ	ब	र	ज		फ		ना	ला	य	क
ब	म	न		ह	र	म		ल	की



चाइना ओपन : मीरा की वर्ल्ड नंबर 3 रैंकिंग पक्की, फाइनल में पहुंचीं

सेमीफाइनल में बार्टुनकोवा को 6-2, 6-2 से हराया

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

रूसी टेनिस स्टार मीरा एंड्रीवा ने शनिवार को चाइना ओपन के सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की निकोला बार्टुनकोवा के खिलाफ 6-2, 6-2 से जीत दर्ज की। इसी के साथ एंड्रीवा ने पहली बार चाइना ओपन के फाइनल में प्रवेश किया।

एंड्रीवा ने निकोला बार्टुनकोवा के विरुद्ध 1 घंटे 14 मिनट में जीत हासिल करते हुए अपने चौथे डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल और बीजिंग में अपने पहले फाइनल का रास्ता सुनिश्चित किया। इस जीत के बाद सोमवार को होने वाली रैंकिंग अपडेट में वर्ल्ड नंबर 5 एंड्रीवा दो पायदान की छलांग लगाने को तैयार हैं।

निकोला बहुत मुश्किल प्रतिद्वंद्वी : एंड्रीवा

जीत के बाद एंड्रीवा ने कहा, मैं फाइनल में पहुंचकर बहुत खुश और उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मैंने आज बहुत अच्छा खेला। मैं जिस तरह से खेल रही थी, उससे बहुत खुश हूं। बेशक, निकोला एक बहुत मुश्किल प्रतिद्वंद्वी हैं। यूएस ओपन में हमारा कड़ा मुकाबला हुआ था, लेकिन मैं बहुत खुश हूं कि आज मैं जीत गई।

एंड्रीवा की सीजन की 50वीं जीत

मीरा एंड्रीवा रविवार को फाइनल खेलने के लिए तैयार हैं। यह सीजन में उनका पांचवां फाइनल होगा। डब्ल्यूटीए टूर पर 2026 में सबसे ज्यादा बार फाइनल में पहुंचने के मामले में वह अब एलेना रयबाकिना, आर्यना सबालेंका और जेसिका पेगुला के बराबर पहुंच गई हैं। यह एंड्रीवा की इस सीजन की 50वीं जीत भी थी, जिससे वह 2026 में टूर पर सर्वाधिक मैच जीतने के मामले में पेगुला के बराबर पहुंच गई हैं।



मेदवेदेव की हार्ड कोर्ट पर 31वीं जीत
1 घंटे 52 मिनट में स्ट्रफ को दी मात

शंघाई। डेनियल मेदवेदेव ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स के दूसरे राउंड के मुकाबले में जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 4-6, 6-4, 6-3 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। मेदवेदेव ने 1 घंटे 52 मिनट के मुकाबले में स्ट्रफ को हराया। मेदवेदेव की अब 2026 में हार्ड कोर्ट पर 31 जीत हो गई हैं, साथ ही इस सरफेस पर उनके दुबई, ब्रिस्बेन और हांग्जो टाइटल भी हैं। वह शंघाई में 2019 के चैंपियन हैं और राउंड ऑफ 32 में उनका मुकाबला टॉमस मार्टिन एचेवेरी या डालिबोर स्वर्सिना से होगा। मेदवेदेव अभी पीआईएफ एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में आठवें स्थान पर हैं और पिछले साल कट से चूकने के बाद सातवीं बार साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट के लिए क्वालीफाई करने का लक्ष्य बना रहे हैं।

खबर संक्षेप



टी20 में पाकिस्तान ने श्रीलंका को हराया

रावलपिंडी। साहिबजादा फरहान ने कप्तान पद संभालने का जश्न शानदार तरीके से मनाते हुए 52 गेंदों पर 89 रन की पारी खेली, जिससे पाकिस्तान ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 4 विकेट से हराया। पाकिस्तान के सामने 183 रन का लक्ष्य था और उसने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 187 रन बनाकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। फरहान ने 10 चौकों और चार छक्कों की मदद से शानदार पारी खेली। उन्हें माज़ सदाकत का अच्छा सहयोग मिला, जिन्होंने महज 29 गेंदों में 50 रन बनाए। इससे पहले श्रीलंका ने सलामी बल्लेबाज लाहिरू उदारा के 91 रन की मदद से पाकिस्तान के नए तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने 8 विकेट पर 182 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया था।

भारत दौरा: जिम्बाब्वे की कप्तानी करेगी नकोमो



बुलावायो। ऑलराउंडर जोसेफिन नकोमो 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले भारत के पहले दौरे में जिम्बाब्वे की 15 सदस्यीय महिला टीम की कप्तानी करेंगी। जिम्बाब्वे ने सितंबर-अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलने वाली टीम का ही चयन किया है। भारतीय दौरे के लिए चुनी गई 15 सदस्यीय टीम में न्याशा ग्वांजुरा और मिशेल मावुंगा भी शामिल हैं। भारत और जिम्बाब्वे के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 16, 18 और 20 अक्टूबर को रायपुर में खेले जाएंगे। इसके बाद 23, 25 और 28 अक्टूबर को बड़ौदा में वनडे मैच होंगे। वनडे मैच आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा होंगे।

लोग होप को कम करके आंकते हैं: चेज



रांची। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोस्टन चेज़ का मानना है कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उनके कप्तान शाई होप को कम करके आंका जाता है। होप ने वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपनी पिछली चार पारियों में तीन शतक बनाकर आईपीएल की दिसंबर में होने वाली मिनी नीलामी के लिए अपना दावा मजबूत कर दिया है। चेज़ ने कहा, 'मुझे लगता है कि लोग शाई होप को बहुत कम करके आंकते हैं।' उन्होंने कहा, 'वह एक ऐसा खिलाड़ी है, जो पूरी तरह से अपना ध्यान अपने काम पर केंद्रित कर सकता है। मुझे लगता है कि यही उसकी खास खूबी है क्योंकि जब सब कुछ गलत होता दिख रहा होता है, तब भी वह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है और टीम के लिए खेलता है। मुझे लगता है कि यही उसकी पहचान है।'

तीसरा टी20 : होलकर स्टेडियम में भारत-वेस्टइंडीज में कांटे की टक्कर

इंदौर में फिर बरसेगा रनों का तूफान! बल्लेबाजों की आज होगी अग्निपरीक्षा

एजेंसी ▶▶| इंदौर

भारत और वेस्टइंडीज के बीच अभी तक बल्लेबाजों का दबदबा देखने को मिला है तथा रविवार को होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी यह बरकरार रहने की पूरी उम्मीद है, जिससे कि गेंदबाजों पर काफी दबाव रहेगा। इंदौर का होलकर स्टेडियम छोटी बाउंड्री और सपाट पिच के लिए जाना जाता है। इसलिए अगर यहां फिर से रनों का अंबार देखने को मिले तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। निश्चित तौर पर मुकाबला दोनों टीम के बल्लेबाजों के बीच होगा लेकिन सभी विभागों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम ही जीत हासिल करेगी।

मजबूत क्षेत्ररक्षण वाली टीम का पलड़ा रहेगा भारी

विशेषकर क्षेत्ररक्षण में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम का पलड़ा भारी रहेगा। दोनों टीम ने अभी तक महत्वपूर्ण अवसरों पर कुछ कैच छोड़े हैं, जो महंगे साबित हुए हैं। पिछले मैच में मयंक यादव ने शेरफेन रदरफोर्ड का आसान कैच छोड़ दिया था, जो एक तरह से निर्णायक साबित हुआ। रदरफोर्ड ने इसका पूरा फायदा उठाकर कप्तान शाई होप के साथ मिलकर 54 गेंदों में 120 रन की साझेदारी की। भारत को होप की शानदार फॉर्म को लेकर भी सतर्क रहना होगा। वेस्टइंडीज के कप्तान ने इस दौरे पर दो शतक जड़े हैं और वह फिर से बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।



भारत के लिए गेंदबाजी चिंता का विषय

भारत के लिए गेंदबाजी अब भी चिंता का विषय बना हुआ है और वह इस मैच में इसका हल ढूंढने की कोशिश करेगा। इस मैच में ओस की भी अहम भूमिका रहने की उम्मीद है। मयंक ने पिछले मैच में तीन विकेट लेकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन बाकी गेंदबाज रनों पर अंकुश नहीं लगा पाए और वेस्टइंडीज ने शुरुआती झटकों के बावजूद जोरदार वापसी करके रिकार्ड लक्ष्य हासिल कर दिया।

अय्यर का फॉर्म में लौटना सकारात्मक

भारत के लिए इस श्रृंखला का सकारात्मक पहलू कप्तान श्रेयस अय्यर का फॉर्म में लौटना है। उन्होंने पहले मैच में नाबाद 102 रन बनाए और दूसरे मैच में 18 गेंद पर 40 रन की तूफानी पारी खेली। संजू सैमसन ने 41 गेंदों में 82 रन बनाकर अंतिम एकादश में अपनी जगह फिर से पक्की कर दी। इसका मतलब है कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को फिर से बाहर बैठना पड़ सकता है। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने भी रांची में दूसरे मैच के बाद कहा था कि मध्यक्रम में बदलाव किया जा सकता है लेकिन शीर्ष क्रम में नहीं। मुख्य कोच ने यह भी स्वीकार किया कि शिवम दुबे के अय्यर से पहले चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बाद भारत अपने टीम संयोजनों के साथ प्रयोग करना जारी रखेगा।

अर्शदीप से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

भारत अपने मुख्य गेंदबाज अर्शदीप सिंह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा, जिन्होंने दो मैचों में 79 रन देकर एक विकेट लिया है। भारत मयंक से भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की उम्मीद करेगा। होप के शानदार प्रदर्शन और रदरफोर्ड के फॉर्म में वापस आने से वेस्टइंडीज की टीम खुश होगी। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों में रोस्टन चेज ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पिछले मैच में 24 रन देकर 4 विकेट लिए। वेस्टइंडीज हालांकि शमर स्प्रिंगर को बदलने पर विचार कर सकता है, जिन्होंने अपने चार ओवरों में 64 रन देकर दो विकेट लिए। **मैच का समय: शाम 7 बजे**

टेस्ट क्रिकेट

9 साल का सूखा खत्म, रेनशॉ ने लगाया शानदार शतक



एजेंसी ▶▶| डरबन

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मैट रेनशॉ ने जबरदस्त शतक जड़ा और 9 साल का सूखा खत्म किया।

रेनशॉ के टेस्ट करियर का यह दूसरा शतक था। उन्होंने पहला शतक जनवरी 2017 में जड़ा था। इसके बाद उन्होंने 18 पारियों में शतक नहीं लगाया। रेनशॉ ने 204 गेंद पर एनरिक नॉर्खिया को चौका जड़कर शतक पूरा किया। रेनशॉ का शतक 2014 के बाद दक्षिण अफ्रीकी सरजमीं और 2009 के बाद किंग्समीड में ऑस्ट्रेलिया का पहला शतक है। बाएं हाथ के बल्लेबाज की शतकीय पारी से ऑस्ट्रेलिया 250 के करीब पहुंचा। 124 रन पर उसका 6 विकेट गिर गया था। रेनशॉ को कप्तान पैट कमिंस से अच्छा साथ मिला। दोनों के बीच 191 गेंद पर 86 रनों की साझेदारी हुई।

ऑस्ट्रेलिया सम्मानजनक स्थिति में

डरबन टेस्ट के दूसरे दिन पहले सत्र का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने 96 ओवर में 8 विकेट पर 277 रन बना लिए। मैट रेनशॉ 218 गेंद पर 10 चौके की मदद से 102 रन बनाए। नाथन लियोन 7 रन बनाकर क्रीज पर है। दोनों के बीच 87 गेंद पर 47 रनों की साझेदारी हो गई है।

वियान मुल्डर ने 4 विकेट लिए

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी की बात करें तो पैट कमिंस ने 43, मार्नस लाबुशेन ने 37, स्टीव स्मिथ ने 25, एलेक्स कैरी ने 14, ट्रेविस हेड ने 9, मिचेल स्टार्क 6 और ब्यू वेबस्टर ने 4 और निक मैडिन्सन बगैर खाता खोले आउट हुए। साउथ अफ्रीका के लिए वियान मुल्डर ने 4 विकेट लिए, मार्को यानसेन और एनरिक नॉर्खिया ने 2-2 विकेट लिए।

रणजी ट्रॉफी : आज से 92वें सीजन की शुरुआत, 38 टीमें लेंगी हिस्सा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रणजी ट्रॉफी के 92वें सीजन की शुरुआत रविवार से होने जा रही है। भारत के इस सबसे बड़े घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट में कुल 38 टीमें नजर आएंगी। पहले राउंड में कुछ बड़े भारतीय इंटरनेशनल खिलाड़ी दिखेंगे, जो बाद में न्यूजीलैंड के रेड-बॉल दौरे के लिए 'इंडिया ए' टीम में शामिल होंगे।

इस बार देखना दिलचस्प होगा कि क्या जम्मू-कश्मीर अपनी खिताबी जीत को दोहरा पाता है या नहीं? ईरानी कप में 'रेस्ट ऑफ इंडिया' से हारने के बाद, पारस डोगरा की कप्तानी वाली टीम श्रीनगर में मध्य प्रदेश के खिलाफ वापसी करने की कोशिश करेगी।



सीजन का पहला राउंड होगा जबरदस्त

2026/27 सीजन का पहला राउंड जबरदस्त होने वाला है। केएल राहुल (कर्नाटक), यशस्वी जायसवाल (मुंबई), रवींद्र जडेजा (सौराष्ट्र), मोहम्मद सिराज (हैदराबाद), मानव सुथार (राजस्थान), वाशिंगटन सुंदर (तमिलनाडु), मुकेश कुमार और आकाश दीप (बंगाल) जैसे खिलाड़ी पहले राउंड में अपनी-अपनी टीमों के लिए खेलते नजर आएंगे।

शमी की मैदान पर वापसी

पिछले सीजन में 37 विकेट हासिल करने वाले अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी मैदान पर वापसी कर रहे हैं, जो बंगाल की टीम का हिस्सा हैं। वहीं, दिल्ली की टीम के लिए नए सपोर्ट स्टाफ के साथ रेड-बॉल क्रिकेट में सफलता की दौड़ फिर से शुरू कर रही है। टीम ने भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को हेड कोच और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा को टीम का मेंटॉर नियुक्त किया है।

न्यूजीलैंड को बड़ा झटका, स्टार गेंदबाज चोट के कारण हुआ बाहर

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ होने वाली आगामी श्रृंखला से पहले एक और करारा झटका लगा है और उसके तेज गेंदबाज विल ओरूर्के बाएं पांव की मांसपेशियों में खिंचाव और पिंडली की चोट के कारण इससे बाहर हो गए हैं। खेल के सभी प्रारुप में खेलने वाले इस 25 वर्षीय तेज गेंदबाज ने पीठ में चोट के कारण सात महीने तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के अंतिम दिन हालांकि उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और इसके बाद अभ्यास के दौरान उनकी पिंडली में चोट लग गई थी।



22 अक्टूबर को टी20 मैच

न्यूजीलैंड के कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि ओरूर्के को भारत के खिलाफ श्रृंखला से बाहर रखने का फैसला खिलाड़ी और मेडिकल टीम से परामर्श के बाद लिया गया। उनकी निगाहें अब दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली चार टेस्ट मैच की श्रृंखला में वापसी करने पर टिकी हैं। न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच, पांच वनडे मैच और दो टेस्ट मैच खेलने हैं। इस श्रृंखला की शुरुआत 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से होगी।

सऊदी प्रो लीग में दिरियाह पर दागा जीत का गोल

रोनाल्डो की क्लब फुटबॉल में वापसी

एजेंसी ▶▶| रियाद

अपनी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम पुर्तगाल से विवादास्पद तरीके से बाहर होने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने क्लब फुटबॉल में वापसी की और सऊदी प्रो लीग में अल नासर की दिरियाह पर 3-0 से जीत में पहला गोल किया। इस जीत से मौजूदा चैंपियन अल नासर आठवें दौर के बाद अंकों के आधार पर शीर्ष पर काबिज अल-क़दसियाह की बराबरी पर आ गया है। अल नासर गोल अंतर के कारण दूसरे स्थान पर है।

रोनाल्डो अंतरराष्ट्रीय अवकाश के दौरान पुर्तगाल की टीम से बाहर हो गए थे, जिसके लिए उन्होंने 234 मैचों में 146 गोल किए हैं। इस 41 वर्षीय खिलाड़ी ने जारी बयान में कहा कि नवनियुक्त कोच जॉर्ज जीसस ने नेशंस लीग में उन्हें खिलाने के अपने वादे का पालन नहीं किया।



एनफील्ड स्टेडियम में मैच खेलना खास : हालैंड

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी के स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड को भरोसा है कि क्लब के फैंस एनफील्ड स्टेडियम में मैच का आनंद लेंगे। प्रीमियर लीग में सबसे आगे चल रही टीम रविवार को अपने कड़े प्रतिद्वंद्वी लिवरपूल का सामना करने की तैयारी कर रही है। नॉर्वेजियन खिलाड़ी ने अपने साथियों से इस बड़े मुकाबले से पहले सकारात्मक और एकजुट रहने का आग्रह किया है। हालैंड ने कहा, मुझे पूरा यकीन है कि जब हम एनफील्ड जाएंगे तो मैनचेस्टर सिटी के फैंस अच्छा समय बिताएंगे। उन्होंने कहा, एनफील्ड में मैच खेलना हमेशा खास होता है। मैंने वहां जीत हासिल की है, ड्रॉ खेला है और हार भी झेली है, इसलिए यह हमेशा खास होता है। हर प्रीमियर लीग मैच अलग होता है, और लिवरपूल के खिलाफ हर मैच हमेशा खास होता है।" नॉर्वे के इस खिलाड़ी ने सिटी और यूनाइटेड किंगडम के साथ अपने भावनात्मक जुड़ाव के बारे में भी बात की।





हाईकोर्ट ने कहा-
आठ वर्षीय पीड़िता ने ट्रायल कोर्ट में लगाए हैं आरोप

दो नाबालिग बच्चियों से जुड़े मामले में दूसरी जमानत अर्जी भी निरस्त

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने दो नाबालिग बच्चियों से जुड़े मामले में आरोपित रामकृष्ण उर्फ बद्दू की दूसरी जमानत अर्जी निरस्त कर दी है। जस्टिस अमित लाहोटी की सिंगल बेंच ने कहा कि मामले के महत्वपूर्ण गवाहों के पक्षद्रोही होने के बावजूद आठ वर्षीय पीड़िता ने विचारण न्यायालय में आरोपित के विरुद्ध आरोप लगाए हैं। पीड़िता की कम उम्र, कथित अपराध की प्रकृति और गंभीरता को देखते हुए जमानत देने का आधार नहीं बनता।

अभियोजन के अनुसार, 30 नवंबर 2025 को छह और आठ वर्ष की दो बहनें गांव की महिलाओं के साथ मंदिर जा रही थीं। आरोप है कि रास्ते में आरोपी दोनों बच्चियों को मोटरसाइकिल पर बैठाकर नदी की ओर ले गया और झाड़ियों के पास ले जाकर एक बच्ची का हाथ पकड़कर उसे रोक लिया। बाद में बच्चियों ने घर पहुंचकर घटना की जानकारी दी। शिकायत के आधार पर रायसेन जिले के बरेली थाने में अपराध दर्ज किया गया था। आरोपी की ओर से



अधिवक्ता नरेंद्र निखारे ने दलील दी कि पीड़ित पक्ष के परिवार के महत्वपूर्ण गवाह विचारण न्यायालय में अभियोजन का समर्थन नहीं कर रहे हैं। आरोपी दो दिसंबर 2025 से जेल में है और विचारण पूरा होने में समय लग सकता है। वहीं, शासन की ओर से शासकीय अधिवक्ता प्रियंका मिश्रा ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आठ वर्षीय पीड़िता ने आरोपी के विरुद्ध स्पष्ट आरोप लगाए हैं।

शिकायत में देरी से दहेज प्रताड़ना के आरोप खारिज नहीं किए जा सकते

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवाद से जुड़े एक मामले में पति की एफआइआर निरस्त करने की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शिकायत दर्ज कराने में देरी मात्र से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि आरोप झूठे हैं या एफआइआर जवाबी कार्रवाई के तहत दर्ज कराई गई है। आरोपों की वास्तविकता का परीक्षण मुकदमे के दौरान साक्ष्यों के आधार पर होगा। जबलपुर निवासी पति राजेश कुमार की ओर से दलील दी गई कि शिकायत दर्ज कराने में काफी विलंब हुआ है। विवाह के खर्च संबंधी बिल भी प्रस्तुत किए गए और चार पहिया वाहन की मांग से इनकार किया गया। पति पक्ष के अनुसार, पत्नी मनीषा का स्त्रीधन और विवाह में दिया गया सामान उसके पास ही है। वहीं, पत्नी ने आरोप लगाया कि विवाह के बाद से उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। उसके अनुसार, मायके पक्ष ने विवाह में 60 से 70 लाख रुपये खर्च किए तथा 15 लाख रुपये नकद सहित अन्य सामान दिया। हनीमून के दौरान भी पति द्वारा पैसे मांगने का आरोप लगाया गया। पत्नी ने कहा कि वैवाहिक संबंध बचाने की उम्मीद में उसने तत्काल शिकायत नहीं की। सुप्रीम कोर्ट के सुप्रिया जैन बनाम हरियाणा राज्य प्रकरण का उल्लेख करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि जांच में जुटाए गए साक्ष्यों का विस्तृत मूल्यांकन विचारण न्यायालय में होना चाहिए। कोर्ट ने एफआइआर और आपराधिक कार्यवाही निरस्त करने का आधार नहीं पाया तथा पति की याचिका खारिज कर दी। आरोपों की अंतिम सत्यता का निर्धारण साक्ष्यों के परीक्षण के बाद होगा।

▶ अंत्येष्टि व अनुग्रह सहायता योजना के तहत आर्थिक सहायता का मामला
▶ 90 दिन में नए सिरे से निर्णय के निर्देश

हाईकोर्ट ने निरस्त किया नगर निगम का आदेश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अंत्येष्टि व अनुग्रह सहायता योजना के तहत आर्थिक सहायता का दावा खारिज करने संबंधी नगर निगम का आदेश निरस्त कर दिया है। जस्टिस मनिंदर सिंह भट्टी की सिंगल बेंच ने संबंधित प्रकरण में सभी पक्षों को सुनवाई का अवसर देकर 90 दिनों के भीतर नए सिरे से निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी अजीत सिंह ने याचिका में बताया कि उसकी सास धुरिया बाई के पास श्रमिक कार्ड था। 20 अप्रैल 2021 को सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई थी। योजना के तहत मृत्यु की तारीख से छह महीने के भीतर सहायता का दावा प्रस्तुत किया गया था। इस संबंध में नगर निगम के संभागीय कार्यालय क्रमांक छह ने एक सितंबर 2021 को पत्र भी जारी किया था। इसके बावजूद समय-सीमा का हवाला देकर दावा खारिज कर दिया गया। नगर निगम की ओर से समय-सीमा संबंधी प्रविधानों का उल्लेख किया गया। हाईकोर्ट ने 16 मार्च 2026 का विवादित आदेश निरस्त करते हुए निर्देश दिया कि प्रमाणित आदेश की प्रति मिलने के 90 दिनों के भीतर मृतका के पुत्रों राजकुमार चौधरी, नारायण चौधरी सहित सभी संबंधित वैध उत्तराधिकारियों को सुनवाई का अवसर दिया जाए। इसके बाद नियमानुसार नया निर्णय लिया जाए। याचिकाकर्ता ने स्वयं अपना पक्ष रखा।

जाति प्रमाण-पत्र निरस्त करने का एसडीएम का आदेश खारिज

जाति पर संदेह हो तो राज्य स्तरीय जांच समिति करे परीक्षण

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अनुसूचित जाति का जाति प्रमाण-पत्र निरस्त करने के रांझी के एसडीएम के आदेश को खारिज कर दिया है। जस्टिस मनिंदर सिंह भट्टी की सिंगल बेंच ने मामले को राज्य स्तरीय जाति जांच समिति के समक्ष प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता दी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि समिति जाति प्रमाण-पत्र की जांच करती है, तो याचिकाकर्ता को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर दिया जाए।

यह याचिका रांझी, जबलपुर निवासी भारती बागरी की ओर से दायर की गई थी। याचिका में कहा गया कि रांझी तहसील के एसडीएम ने 25 अगस्त 2026 को उनका अनुसूचित जाति का प्रमाण-पत्र निरस्त कर दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए कहा गया कि जाति संबंधी स्थिति पर संदेह होने की दशा में निर्धारित प्रक्रिया का पालन आवश्यक है।

याचिकाकर्ता की ओर से सुप्रीम कोर्ट के माधुरी पाटिल प्रकरण में दिए गए न्याय दृष्टांत का हवाला देते हुए तर्क दिया गया कि जाति संबंधी दावे की जांच राज्य स्तरीय जाति जांच समिति के माध्यम से की जानी चाहिए। एसडीएम ने मामले को निर्धारित समिति के समक्ष भेजे बिना ही प्रमाण-पत्र निरस्त कर दिया। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने एसडीएम के आदेश को खारिज कर दिया। साथ ही, जाति प्रमाण-पत्र की जांच के लिए मामला राज्य स्तरीय जाति जांच समिति के समक्ष प्रस्तुत करने और याचिकाकर्ता को सुनवाई का अवसर देने के संबंध में निर्देशात्मक व्यवस्था स्पष्ट की।

दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पर पमरे चलाएगा स्पेशल ट्रेन

जबलपुर। दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ महापर्व पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पश्चिम मध्य रेल ने 100 स्पेशल ट्रेन सेवाएं चलाने की तैयारी की है। इन ट्रेनों से यात्रियों को प्रमुख शहरों के बीच आवागमन में सुविधा मिलेगी और नियमित ट्रेनों में भीड़ का दबाव कम होगा। रेलवे द्वारा रानी कमलापति-दानापुर, सोगरिया-दानापुर, जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन, जबलपुर-हरिद्वार, रीवा-रानी कमलापति, कटनी-सतना और रीवा-डॉ. अंबेडकर नगर सहित विभिन्न मार्गों पर स्पेशल ट्रेनें संचालित की जा रही हैं।

बिहार, दिल्ली और हरिद्वार के लिए विशेष सुविधा- रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल ट्रेन 12 अक्टूबर से 16 नवंबर तक सोमवार और शुक्रवार को चलेगी, जबकि वापसी में दानापुर से 13 अक्टूबर से 17 नवंबर तक मंगलवार और शनिवार को संचालन होगा। सोगरिया-दानापुर स्पेशल ट्रेन भी अक्टूबर और नवंबर में निर्धारित दिनों पर चलाई जाएगी। जबलपुर से हजरत निजामुद्दीन के लिए स्पेशल ट्रेन 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को तथा जबलपुर-हरिद्वार स्पेशल ट्रेन 22 अक्टूबर से 19 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को चलेगी। इन ट्रेनों से त्योहारों पर दिल्ली और उत्तराखंड जाने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी।

रीवा, कटनी और सतना के यात्रियों को भी राहत- रीवा-रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन 17 और 24 अक्टूबर तथा 7 और 14 नवंबर को संचालित होगी। वहीं, कटनी-सतना के बीच 10 से 22 अक्टूबर तक प्रतिदिन अनारक्षित स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। इसके अतिरिक्त रीवा-डॉ. अंबेडकर नगर के बीच भी पूजा स्पेशल ट्रेन का संचालन निर्धारित किया गया है। इन स्पेशल ट्रेनों में यात्रियों की सुविधा के लिए वातानुकूलित, शयनयान और सामान्य श्रेणी के कोच उपलब्ध रहेंगे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जबलपुर की चारों विधानसभाओं में विद्यार्थियों को वितरित की शिक्षण सामग्री

विद्यार्थियों से निर्धारित होता है देश का भविष्य : जगदीश देवड़ा

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत जिले की चारों विधानसभाओं में जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्कूल बैग एवं शिक्षण सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर उनके उज्ज्वल भविष्य की राह आसान बनाना है।

उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है और शिक्षित समाज ही विकसित राष्ट्र की नींव है। समाज के सक्षम लोगों को जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग करना चाहिए, ताकि आर्थिक अभाव उनकी प्रतिभा और सपनों में बाधा न बने। विद्यार्थियों से ही देश का भविष्य निर्धारित होता है।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और जनकल्याण की भावना को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान इसी विचार को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। बच्चों को शिक्षण सामग्री



उपलब्ध कराना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने बताया कि पश्चिम विधानसभा में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय, पोलीपाथर, गौरीघाट में विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री वितरित की। पूर्व विधानसभा में गोपाल होटल के पास स्थित सिंधी फुलवाड़ी स्कूल में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा की उपस्थिति में विद्यार्थियों को स्कूल बैग एवं शिक्षण सामग्री दी गई। कैंट विधानसभा में रांझी स्थित शासकीय विद्यालय में विधायक अशोक रोहाणी के संयोजन में तथा उत्तर विधानसभा में छोटा फुहारा स्थित सूजीपुरा स्कूल में विधायक अभिलाष पांडे के संयोजन में सामग्री वितरित की गई।

रत्नेश सोनकर ने कहा कि बच्चों की पढ़ाई, रुचियों और सपनों को समझते हुए उन्हें आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में सार्थक पहल है। कार्यक्रम में जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, श्रीकांत साहू, जिला महामंत्री पंकज दुबे, अमित सोनू बचवानी, अभय सिंह ठाकुर, शंकर श्रीवास्तव, अंजू भार्गव, कौशल सूरी, राहुल दुबे, दामोदर सोनी, संतोष यादव, पुष्पराज सेंगर सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मूर्तिकार को गोली मारने वाला फरार रेलवे कर्मी गिरफ्तार

जबलपुर। हनुमानताल थाना क्षेत्र में मूर्तिकार मनोज सोनकर उर्फ बाबा की हत्या के मामले में पुलिस ने करीब एक माह से फरार आरोपी सुब्बाराव को गिरफ्तार किया है। आरोपी रेलवे में कार्यरत बताया जा रहा है। मामले में पुलिस पहले ही स्वाती राव उर्फ शीनू और सुमित चौधरी को गिरफ्तार कर चुकी है। घटना 4 और 5 सितंबर की दरमियानी रात भंतलैया सिंधी कैंप में हुई थी। मनोज सोनकर गणेश प्रतिमा बनाने में जुटे थे, तभी बाइक सवार हमलावरों ने उन पर गोली चला दी। गंभीर रूप से घायल मनोज को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

वन विभाग की 18 से 20 कर्मचारियों की टीम तैनात

रहवासी इलाकों में तेंदुए की दस्तक से दहशत



सिहोरा। नगर के रहवासी क्षेत्रों में तेंदुए की मौजूदगी से लोगों में दहशत का माहौल है। वार्ड क्रमांक 16, 17, 18 और वार्ड क्रमांक 1 में तेंदुए की गतिविधियां सामने आने के बाद लोग भयभीत हैं। बीते तीन दिनों से क्षेत्र में डर का माहौल बना हुआ है। हालात ऐसे हैं कि लोग रात में घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं और बच्चों को भी घरों के भीतर रहने की हिदायत दी जा रही है। वहीं, तेंदुए की तलाश और लोगों की सुरक्षा को लेकर वन विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वन परिक्षेत्र सिहोरा की सरदा बीट से लगे नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 16, 17 और 18 में शासकीय महाविद्यालय के पीछे स्थित पहाड़ी पर तेंदुए की गतिविधियां देखी गई थीं। स्थानीय लोगों ने तेंदुए के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित कर वन विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला सक्रिय हुआ और तेंदुए की तलाश के साथ ही लोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने शुरू कर दिए।

मादा तेंदुआ दो शावकों के साथ दिखने से बढ़ी चिंता

इसी बीच बीती रात कुर्रे रोड से लगे वार्ड क्रमांक 1 में पशु विभाग के पुराने भवन के सामने मादा तेंदुए को दो शावकों के साथ देखे जाने की सूचना सामने आई। यह क्षेत्र पुराने बस स्टैंड और नए बस स्टैंड के बीच स्थित प्रमुख रहवासी इलाकों में शामिल है। रिहायशी क्षेत्र में मादा तेंदुए और उसके दो शावकों की मौजूदगी की खबर से नगर में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों द्वारा तेंदुए के फोटो और वीडियो भी प्रसारित किए जा रहे हैं, जिनमें मादा तेंदुए के साथ दो शावक दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, वन विभाग को अब तक तेंदुए की सटीक लोकेशन नहीं मिल सकी है। यही वजह है कि क्षेत्र के लोगों में चिंता बनी हुई है। कई लोग रात में घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं, जबकि कुछ स्थानीय लोग तेंदुए की तलाश में लाठी-डंडे लेकर घूम रहे हैं।

18 से 20 कर्मचारियों की टीम तैनात, ड्रोन और पिंजरे की व्यवस्था

वन विभाग ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए निगरानी बढ़ा दी है। विभाग की टीम अलग-अलग स्थानों पर तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रख रही है। तेंदुए को सुरक्षित तरीके से पकड़ने के लिए आवश्यक संसाधन जुटाए जा रहे हैं।

इनका कहना है

"रहवासी क्षेत्र में तेंदुए की गतिविधि संवेदनशील मामला है। वन विभाग के 18 से 20 कर्मचारियों की टीम अलग-अलग क्षेत्रों में तैनात होकर लगातार निगरानी कर रही है। विभाग से ड्रोन की मांग की गई है और पिंजरा भी मंगाया गया है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे घरों में रहें और रात के समय अकेले बाहर न निकलें।"

-अजय कुमार मिश्रा
रेंजर, वन परिक्षेत्र सिहोरा

जबलपुर चेंबर ऑफ कॉमर्स की 30वीं वर्षगांठ पर उद्योगपति-व्यापारी सम्मानित

जबलपुर। जबलपुर चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की 30वीं वर्षगांठ पर 9 अक्टूबर को सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सांसद आशीष दुबे, दैनिक भास्कर के डायरेक्टर कैलाश अग्रवाल, पी.के. अग्रवाल सहित व्यापार एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। समारोह में शहर के आर्थिक विकास में योगदान देने वाले उद्योगपतियों एवं व्यापारियों को सम्मानित किया गया।

चेंबर अध्यक्ष प्रेम दुबे ने बताया कि संस्था ने 30 वर्षों में 200 से अधिक आयोजन किए हैं। स्वरोजगार मेलों, रेडीमेड गारमेंट क्लस्टर और आईटी पार्क जैसी पहलों के माध्यम से शहर के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में योगदान दिया है। कैलाश अग्रवाल ने कहा कि जबलपुर ने पिछले तीन दशकों में प्रगति की है, लेकिन शहर के आर्थिक विकास की संभावनाएं और व्यापक हैं। सांसद आशीष दुबे ने कहा कि व्यापारी एवं उद्योगपति शहर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। चेंबर स्थानीय उद्योगों को आत्मनिर्भर बनाने और युवाओं को स्वरोजगार



से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इनका हुआ सम्मानः कृष्ण मालपाणी, अर्जुन पुरुसवानी, हर्ष पटेरिया, रवि गुप्ता, कैलाश गुप्ता, राजीव बड़ेरिया (बड़ेरिया मेट्रो ग्रुप), संदीप विजन (विजन ग्रुप), पवन समदड़िया, डी.सी. जैन, आर.के. करसोलिया, सुनील जसूजा, बसंत घोडावत, राजा सराफ, चंद्रेश वीरा, ज्ञानेंद्र सिंह, ओम प्रकाश अग्रवाल, नितेन नेगांधी, किशोर नंदवानी, नरेश कुमार माधवानी, राजेश माहेश्वरी, नरेश ग्रोवर और श्याम सुहाने को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रेम दुबे, राधेश्याम अग्रवाल, अजय बख्तावर, अजय अग्रवाल, पंकज माहेश्वरी, नरिन्दर सिंह पांधे, बलदीप मैनी, वीरेन्द्र केशरवानी, रजनीश त्रिवेदी, मनोज सेठ, मुकेश अग्रवाल, राकेश श्रीवास्तव, अभिषेक ध्यानी, अनिल अग्रवाल, भीमलाल गुप्ता, कुलदीप सिंह लाम्बा, सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बिना डिग्री इलाज और एक्सपायरी इंजेक्शन लगाने के आरोप में मामला दर्ज, युवक की मौत

जबलपुर। बिना चिकित्सकीय डिग्री और प्रशिक्षण के इलाज करने तथा एक्सपायरी डेट की दवा एवं इंजेक्शन लगाने के आरोप में कटंगी पुलिस ने अश्वनी अस्पताल में इलाज करने वाले सतीश साहू (28) के खिलाफ धारा 105 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है। मामला 18 वर्षीय शेखर चौधरी की उपचार के दौरान हुई मौत से जुड़ा है। परिजनों ने गलत इलाज और एक्सपायरी दवाओं के इस्तेमाल को युवक की मौत का कारण बताते हुए संदेह जताया है। पुलिस के अनुसार, पुरानी बेलखाड़ू के भट्ठा मोहल्ला निवासी समीर चौधरी (19) ने 3 अक्टूबर 2026 को थाना कटंगी में सूचना दी थी कि 2 अक्टूबर की रात करीब 11:30 बजे उसके छोटे भाई शेखर चौधरी के पेट में अचानक दर्द होने लगा। परिजन उसे मालबाबा मंदिर, ग्राम खैरी के सामने स्थित अश्वनी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां इलाज के दौरान सतीश साहू ने शेखर के हाथ और कमर के पीछे कुल नौ इंजेक्शन लगाए तथा दवाइयां दीं। सुबह करीब 4:30 बजे कुछ आराम मिलने पर परिजन उसे घर ले आए। कुछ देर बाद शेखर के हाथ-पैर में जलन होने लगी और पेट दर्द की शिकायत भी बनी रही। इस पर परिजन 3 अक्टूबर की सुबह करीब 8 बजे उसे दोबारा अश्वनी अस्पताल लेकर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक, वहां सतीश साहू ने इंजेक्शन और ड्रिप लगाकर उपचार किया। इसी दौरान करीब आधे घंटे बाद सुबह 9:45 बजे शेखर की मौत हो गई। शेखर की मौत के बाद परिजनों ने उपचार में लापरवाही की आशंका जताई। उनका आरोप है कि इलाज के दौरान लगाई गई ड्रिप की बोतल पर एक्सपायरी डेट नवंबर 2025 अंकित थी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240

- अक्टूबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य, पांच पैकेजों में निर्माण,
- शहर के भीतर घटेगा भारी वाहनों का दबाव
- 14 बड़े पुल, 3 फ्लाईओवर और 332 कल्वर्ट बनेंगे, उत्तर प्रदेश-छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र की कनेक्टिविटी होगी मजबूत

3,540 करोड़ से बदलेगी जबलपुर की तस्वीर, आकार ले रही 114 किमी लंबी आउटर रिंग रोड

हरिभूमि, जबलपुर।

जबलपुर की यातायात व्यवस्था को नई दिशा देने और महाकौशल के विकास को गति देने वाली आउटर रिंग रोड परियोजना आकार ले रही है। करीब 3,540 करोड़ रुपए की लागत से 114 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अक्टूबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। रिंग रोड तैयार होने के बाद लंबी दूरी के भारी वाहनों को शहर के भीतर प्रवेश किए बिना गुजरने का वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। इससे शहर की सड़कों पर यातायात का दबाव कम होने के साथ परिवहन, व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है।

एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर पीआईयू पीयूष रंजन यदुवंशी के अनुसार, अगस्त 2025 से जुलाई 2026 के बीच परियोजना पर 756.84 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। पांच पैकेजों में बन रही यह सड़क जबलपुर को प्रमुख राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों से जोड़ेगी। परियोजना पूरी होने पर शहर के बाहरी हिस्सों से गुजरने वाले वाहनों को सुगम आवागमन का विकल्प मिलेगा और लंबी दूरी के सफर में लगने वाला समय भी कम हो सकेगा।



चार प्रमुख मार्गों को जोड़ेगा कॉरिडोर

आउटर रिंग रोड के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्ग-45, एनएच-34, एनएच-30 और राज्य राजमार्ग-37ए को जोड़ने की योजना है। इससे उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की ओर जाने वाले यातायात को बेहतर सड़क संपर्क मिलेगा। जबलपुर के आसपास के क्षेत्रों के बीच आवागमन भी आसान होगा। इसका लाभ केवल शहर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि महाकौशल के विभिन्न जिलों के परिवहन नेटवर्क को भी मजबूती मिलने की संभावना है।

पुल, फ्लाईओवर और अंडरपास से आसान होगा सफर

परियोजना में सड़क के साथ बड़े पैमाने पर पुल और अन्य यातायात संरचनाएं बनाई जा रही हैं। इसमें 14 प्रमुख पुल, 37 छोटे पुल, तीन फ्लाईओवर, तीन रेलवे ओवरब्रिज, 12 व्हीकुलर अंडरपास, 23 लाइट व्हीकुलर अंडरपास, दो एलिवेटेड संरचनाएं, तीन ओवरपास और करीब 332 कल्वर्ट शामिल हैं। नर्मदा नदी पर बनने वाला आधुनिक पुल भी इस परियोजना का अहम हिस्सा है। इन संरचनाओं से अलग-अलग मार्गों पर यातायात का सुचारु संचालन करने और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

किसानों से लेकर कारोबारियों तक को मिलेगा लाभ

रिंग रोड का फायदा बरेला, मानेगांव, कुशनेर, अमझर, पाटन, सिहोरा, शाहपुरा और आसपास के क्षेत्रों को मिलने की उम्मीद है। किसानों को अपनी उपज मंडियों और अन्य बाजारों तक पहुंचाने में सुविधा मिल सकती है। वहीं, माल परिवहन में समय और लागत घटने से व्यापारियों, परिवहन कारोबारियों तथा लघु उद्योगों को लाभ होने की संभावना है। मंडला, डिंडोरी, नरसिंहपुर और कटनी जैसे जिलों के लिए बेहतर सड़क संपर्क क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दे सकता है।

पर्यटन और रोजगार के खुलेंगे नए अवसर

बेहतर सड़क संपर्क से भेड़ाघाट, धुआंधार जलप्रपात और नर्मदा तट जैसे पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान होने की संभावना है। परिवहन और लॉजिस्टिक्स के साथ होटल, रेस्तरां तथा अन्य सेवा क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं। रिंग रोड के आसपास औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों के विस्तार की संभावनाएं भी मजबूत होंगी।

40 लाख मीट्रिक टन फ्लाई ऐश का होगा उपयोग

परियोजना में करीब 40 लाख मीट्रिक टन फ्लाई ऐश के उपयोग की जानकारी दी गई है। इसके अलावा वृक्षारोपण, हरित पट्टी विकसित करने और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। अब परियोजना के सामने निर्धारित समय-सीमा में निर्माण पूरा करने की चुनौती है। यदि आउटर रिंग रोड तय लक्ष्य के अनुसार तैयार होती है, तो यह जबलपुर की यातायात व्यवस्था को राहत देने के साथ महाकौशल में व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण आधार बन सकती है।



लाडली लक्ष्मी पथ पर रहवासी क्षेत्र से शराब दुकान हटाने की मांग, कांग्रेस नेता समर्थ अवस्थी ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

नवरात्रि से पहले शराब दुकान-अहाते पर कार्रवाई की मांग, कांग्रेस का धरना

हरिभूमि, जबलपुर।

मदन महल क्षेत्र के लाडली लक्ष्मी पथ लिंक रोड पर रहवासी क्षेत्र से लगी शराब दुकान और उसके आसपास संचालित कथित अवैध अहाते के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी के कस्तूरबा गांधी ब्लॉक अध्यक्ष समर्थ अवस्थी के नेतृत्व में एक दिवसीय धरना दिया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय नागरिकों ने अहाते की जांच कर उसे बंद कराने तथा शराब दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग उठाई। चेतावनी दी गई कि नवरात्रि शुरू होने से पहले समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। धरने में वक्ताओं ने कहा कि रहवासी क्षेत्र में शराब दुकान और अहाते के संचालन से महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और विद्यार्थियों को परेशानी होने की आशंका रहती है। शराब पीने वालों की आवाजाही और सार्वजनिक स्थानों पर अव्यवस्था की आशंका से क्षेत्रवासियों की चिंता बढ़ रही है। उन्होंने प्रशासन से नागरिकों की सुरक्षा और शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने की मांग की।

एसडीएम और थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

धरना प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने अनुविभागीय अधिकारी और मदन महल थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। इसमें कथित अवैध अहाते की वैधानिकता की जांच कर नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई करने तथा शराब दुकान को आवासीय क्षेत्र से हटाकर अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की गई।

नवरात्रि से पहले समाधान की मांग

समर्थ अवस्थी ने कहा कि क्षेत्रवासियों की सुरक्षा, सम्मान और शांति से समझौता नहीं किया जा सकता। नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं, महिलाओं और बच्चों की आवाजाही बढ़ने के मद्देनजर प्रशासन को समय रहते उचित कदम उठाने चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होने पर कांग्रेस क्षेत्रवासियों के साथ व्यापक आंदोलन करेगी।

यह रहे उपस्थित

धरने में शिशिर नन्होरिया, अमित मिश्रा, राहुल यादव, यश गुप्ता, शिवम गुप्ता, अनुज यादव, मो. अली, कौशल यादव, संकेत श्रीवास्तव, मयंक श्रीवास्तव, प्रतीक शुक्ला, पवन चौकसे सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक एवं कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।



भारतीय महिला हॉकी टीम की सहायक कोच रैना यादव का नागरिक अभिनंदन

जबलपुर। भारतीय महिला हॉकी टीम द्वारा एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने पर टीम की सहायक कोच एवं मैनेजर रहीं रेलवे की राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी रैना यादव का ग्वारीघाट स्थित महर्षि बामरा स्कूल में नागरिक अभिनंदन किया गया। रेलवे के राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं कोच हसन अली ने बताया कि रैना यादव के मार्गदर्शन में भारतीय महिला हॉकी टीम ने यह उपलब्धि हासिल की, जो संस्कारधानी के लिए गौरव का विषय है। विद्यालय प्रबंधन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि परम पूज्य मैत्री दीदी की उपस्थिति में रैना यादव को पुष्पगुच्छ, शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। मैत्री दीदी ने उन्हें भविष्य में भी सफलता प्राप्त करने का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य, छात्रा सुरभि, नमोह, हॉकी खिलाड़ी गजेंद्र सिंह, गणेश श्रीवास्तव एवं हसन अली सहित अन्य उपस्थित रहे।

जबलपुर में तीन राजस्व अधिकारियों की नवीन पदस्थापना

जबलपुर। जिले में प्रशासनिक कसावट लाने और राजस्व कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने तीन राजस्व अधिकारियों की नवीन पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार तहसीलदार रविंद्र पटेल को कुण्डम से कार्यपालिक मजिस्ट्रेट मझौली पदस्थ किया गया है। वहीं तहसीलदार सुमित गुप्ता को सिहोरा से स्थानांतरित कर तहसीलदार कुण्डम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार नायब तहसीलदार रिपुदमन सिंह को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट मझौली से स्थानांतरित कर नायब तहसीलदार, भू-संसाधन प्रबंधन, कलेक्ट्रेट जबलपुर पदस्थ किया गया है। प्रशासन को उम्मीद है कि इन बदलावों से राजस्व कार्यों के निष्पादन में गति आएगी।

मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य बने सार्थक सेठी

जबलपुर। जबलपुर के आदर्श नगर निवासी सार्थक सेठी को पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मंडल की मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। समिति का कार्यकाल दो वर्ष का होगा। इसका उद्देश्य रेल प्रशासन और यात्रियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। सार्थक सेठी ने कहा कि वे समिति के माध्यम से रेल यात्रियों की समस्याओं, स्वच्छता, सुरक्षा, ट्रेनों की समयबद्धता, स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को रेल प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और रेल सेवाओं को अधिक उपयोगी एवं सुविधाजनक बनाने के लिए वे अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।



अमावस्या पर हुई माता महाकाली की महा आरती

जबलपुर। चेरीताल स्थित प्राचीन खेरमाई मंदिर में अमावस्या के पावन अवसर पर महाआरती का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। इस अवसर पर मंदिर में बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित हुए और पूरे उत्साह के साथ महाआरती में हिस्सा लिया। आरती के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने माता खेरमाई, और माता महाकाली की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। महा आरती के संबंध में मंदिर के रामस्वरूप रजक ने बतलाया कि महाआरती में शामिल भक्तों ने सामूहिक रूप से माता की आराधना की। प्राचीन मंदिर में धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। अमावस्या के अवसर पर आयोजित इस महाआरती में स्थानीय भक्तों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की और धार्मिक परंपराओं के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। महाआरती में रामस्वरूप रजक, रमेश रजक, दिनेश पटेल, लालू नामदेव, आनंद पटैल, प्रिंस ठाकुर, अजय रजक, प्रदीप रजक, राज मिस्त्री, भरत रजक, विवेक रजक, पवन रजक, सचिन पटेल और अरुणेश अग्रवाल सहित अन्य भक्तजन उपस्थित रहे।



शालेय राज्य स्तरीय स्पर्धा जूड़ो में जबलपुर बना उप विजेता

जबलपुर। 70वीं राज्य शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित जूडो प्रतियोगिता का शानदार समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में प्रदेश भर से आए 9 संभागों के खिलाड़ियों ने अपना स्थान बनाने के लिए कड़ी टक्कर दी। प्रतियोगिता के दौरान जबलपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जबलपुर को उप-विजेता बनाया। सभी मेडल विजेता खिलाड़ी वरिष्ठ जूडो कोच आबिद हुसैन खान के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सभी विजेता खिलाड़ी राष्ट्रीय शालेय जूडो प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। विजेता सभी खिलाड़ियों की उपलब्धि पर कृष्ण मालपाणी, अर्पिता मालपाणी, श्रद्धा मालपाणी, रवि गुप्ता, राजकुमार मिश्रा, शायदा अली, सत्येन्द्र गुरु, रत्नेश सोनकर, गौरी शंकर सार, विवेक व्यास ने शुभकामनाएँ दी है।

दशहरा जुलूस मार्गों का निगमायुक्त ने किया निरीक्षण, सुरक्षा और सफाई के निर्देश

जबलपुर। विजयादशमी पर्व की तैयारियों को लेकर नगर निगम सक्रिय हो गया है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने अधिकारियों के साथ शहर के प्रमुख दशहरा जुलूस मार्गों और पंडालों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तीन पत्ती, मालवीय चौक, सुपर मार्केट, लार्डगंज, फुहारा, सुनरहाई, हनुमानताल, घमापुर, शीतला माई और कांचघर मार्ग का जायजा लिया गया। निगमायुक्त ने सड़कों के गड्ढों की मरम्मत, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, विशेष साफ-सफाई और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही पंडाल संचालकों से अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता और विद्युत सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की। उन्होंने अधिकारियों को पर्व के दौरान मुस्तैदी से कार्य करने और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, सौरभ मिश्रा, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।



बीसा में सम्मानित हुए जेएनकेविवि के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय सिंह

जबलपुर। बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया (बीसा) का 15 वां स्थापना दिवस जबलपुर स्थित मानेगांव मे मनाया गया। डॉ रोहित नामदेव स्टेशन मैनेजर बीसा के 15 वर्ष की उपलब्धियों कार्यों पर प्रकाश डाला। इस उपलक्ष्य में कृषि में अग्रणी किसान अलग-अलग क्षेत्र में अपनी पारंगता रखने वाले वैज्ञानिक गण एवं कृषि में निवेश करने वाले पब्लिक एवं प्राइवेट सेक्टर के अनेक लोग सम्मिलित हुए। इस समारोह में देश के जाने-माने संस्थान केंद्र के निदेशक डॉ जे एस मिश्रा डायरेक्टर, खरपतवार अनुसंधान संस्थान, जबलपुर, एवं डॉ नवीन शर्मा ब्रांड एंबेसडर ऑफ वीसा जबलपुर डॉ संजय कुमार सिंह कृषि वरिष्ठ वैज्ञानिक जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर ,डॉ के एस नेताम संयुक्त संचालक कृषि जबलपुर सम्मिलित हुए। डॉ संजय सिंह ने कृषि में आने आने वाले समय में हो रहे परिवर्तनों को किस प्रकार के वैज्ञानिक तरीके से समाधान किया जा सके पर बल देते हुए कहा कि कृषि अनुसंधान के बिना किसान का हित संभव नहीं हो सकता तथा युवाओं को कृषि को व्यवसाय के रूप में ग्रहण करने के बारे में जोर दिया और इस विषय को युवाओं के बीच में प्रमुखता से रखते हुए उन्होंने कहा कि जब तक कृषि को व्यवसाय के रूप में नहीं देखा जाएगा तब तक एग्रीकल्चरल सेक्टर कभी भी लाभगत उन्नत कृषि व्यवसाय नहीं हो सकती। कृषि का आधुनिक तंत्र किसी भी देश की आधारशिला है जिस देश का कृषि आधारित तंत्र मजबूत है वह देश भी मजबूत होगा।

गुरुद्वारा बंगला साहिब में पुलिस के प्रवेश पर कांग्रेस नेता नरिंदर सिंह ने जताया विरोध

जबलपुर। दिल्ली स्थित पवित्र गुरुद्वारा बंगला साहिब में पुलिसकर्मियों के कथित तौर पर नंगे सिर और हाथों में डंडे लेकर प्रवेश करने की घटना पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रतिनिधि एवं पूर्व पार्षद नरिंदर सिंह पांधे ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि इस घटना के लिए सिख संगत से माफी मांगी जाए और मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। पांधे ने कहा कि धार्मिक स्थलों की मर्यादा और सिख संगत की भावनाओं का सम्मान सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

गुरुद्वारा प्रेमनगर में चतुर्थ वार्षिक कीर्तन दरबार आज

गुरुद्वारा प्रेमनगर, मदनमहल में रविवार को शाम 7 बजे से रात 11 बजे तक चतुर्थ वार्षिक कीर्तन दरबार का आयोजन किया जाएगा। सिमरन सेवक जत्था के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में चंडीगढ़, पंजाब के सुविख्यात रागी जत्था भाई कुलविंदर सिंह खरड़ सहित विभिन्न जत्थे गुरुवाणी शबद कीर्तन एवं कथा प्रवाह प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम के पश्चात गुरु का लंगर वितरित किया जाएगा। आयोजकों ने साध संगत से शामिल होने की अपील की है। इसके अलावा 12 अक्टूबर को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक दूसरे कीर्तन दरबार का आयोजन होगा। इसमें भी भाई कुलविंदर सिंह खरड़ सहित अन्य रागी जत्थे शिरकत करेंगे। इसके बाद गुरु का लंगर वितरित किया जाएगा।

स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनीं कुंडम की दीपिका गोटिया, पशु आहार दुकान से भी कमा रहीं आय

डेढ़ लाख के ऋण से खड़ा किया पोल्ट्री व्यवसाय, अब 500 चूजों का फार्म

जबलपुर। आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह से जुड़कर ग्राम पड़रिया, विकासखंड कुंडम की दीपिका गोटिया आत्मनिर्भर बनी हैं। समूह से डेढ़ लाख रुपये का ऋण लेकर उन्होंने मुर्गी पालन शुरू किया। 100 चूजों से शुरू हुआ उनका व्यवसाय अब 500 मुर्गियों और चूजों तक पहुंच गया है। दीपिका वर्ष 2019 में सत्यसाईं स्व-सहायता समूह से जुड़ी थीं। वर्ष 2024 में उन्होंने मुर्गी पालन शुरू करने के लिए करीब ढाई लाख रुपये की लागत से पोल्ट्री शेड तैयार किया। उनके फार्म में देशी, हाइब्रिड और सोनाली नस्ल के मुर्गे-मुर्गियां व चूजे उपलब्ध हैं। सीजन में अंडों की आपूर्ति जबलपुर में भी की जाती है। व्यवसाय का विस्तार करते हुए दीपिका ने वर्ष 2025 में पशु आहार की दुकान शुरू की। यहां मुर्गी पालकों को दाना, फीड और जरूरी दवाइयां उपलब्ध कराने के साथ पालन-पोषण संबंधी मार्गदर्शन भी दिया जाता है। वर्तमान में वे आसपास के करीब 40 ग्राहकों को सामग्री उपलब्ध करा रही हैं। दीपिका को इस व्यवसाय से हर महीने लगभग 10 से 12 हजार रुपये की आय हो रही है। स्व-सहायता समूह से मिले सहयोग और अपनी मेहनत से उन्होंने स्वरोजगार स्थापित किया है। उनकी सफलता ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तीकरण की प्रेरक मिसाल है।

रानीताल में महापौर कप राष्ट्रीय फ्लाइंग किक प्रतियोगिता का शुभारंभ

जबलपुर। रानीताल खेल परिसर स्थित बैडमिंटन इंडोर हॉल में शनिवार को महापौर कप 10वीं राष्ट्रीय फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स प्रतियोगिता-2026 का शुभारंभ हुआ। महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' मुख्य अतिथि तथा नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज अध्यक्ष के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स एसोसिएशन इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव मास्टर नीरज कुमार, प्रतियोगिता समन्वयक रश्मि चौधरी, अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष एडवोकेट सत्येंद्र ज्योतिषी, सचिव एडवोकेट असीम त्रिवेदी, उपाध्यक्ष एडवोकेट अनुराधा चौबे तथा क्रीड़ा भारती के भीष्म सिंह राजपूत एवं अनंत डीके उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत महासचिव राजकुमार यादव ने किया।

आठ राज्यों के 250 खिलाड़ी ले रहे हिस्सा



महापौर ने कहा कि खेल युवाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज ने भी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पुडुचेरी और तेलंगाना के लगभग 250 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। आयोजन फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश द्वारा नगर निगम के सहयोग एवं क्रीड़ा भारती के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। मुकाबले 10 एवं 11 अक्टूबर को आयोजित होंगे। पुरस्कार वितरण समारोह 11 अक्टूबर को शाम 4 बजे होगा, जिसमें विजेता खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। आयोजन समिति में अध्यक्ष एडवोकेट सत्येंद्र ज्योतिषी, उपाध्यक्ष विवेक रंजन शुक्ला, महासचिव राजकुमार यादव और आयोजक सचिव एडवोकेट जयराज चौधरी सहित अन्य सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।



शिव धनुष टूटते ही गूंजा 'जय श्रीराम' सीता स्वयंवर में राममय हुआ गढ़ा

लक्ष्मण–परशुराम के तीखे संवाद ने बांधा समां, राम-सीता के मिलन पर झूम उठे श्रद्धालु

जबलपुर।

श्री रामलीला समिति गढ़ा, जबालीपुरम् के सिद्ध मंच पर आयोजित रामलीला में सीता स्वयंवर, शिव धनुष भंग, राम-सीता विवाह प्रसंग की भावपूर्ण प्रस्तुति के साथ लक्ष्मण–परशुराम संवाद ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भगवान श्रीराम द्वारा शिव धनुष भंग करते ही संपूर्ण रामलीला मैदान 'जय श्रीराम' के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालु भक्ति और उल्लास में झूम उठे तथा पूरा वातावरण राममय हो गया।

राजा जनक के दरबार में आयोजित माता सीता के स्वयंवर में रावण, बाणासुर, मगध नरेश, वैशाली नरेश सहित हजारों राजा उपस्थित हुए। सभी वीर और पराक्रमी राजा भगवान शिव के विशाल धनुष को उठाने और उसकी प्रत्यंचा चढ़ाने में असफल रहे। स्वयंवर में उपस्थित राजाओं की विफलता से राजा जनक चिंतित हो उठे। इसी बीच गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम सहज भाव से आगे बढ़े और शिव धनुष को भंग कर दिया।

धनुष भंग होते ही गूंजा जयघोष, माता सीता ने पहनाई वरमाला

भगवान श्रीराम के हाथों शिव धनुष टूटते ही आकाश मंडल में जोरदार गर्जना हुई। धनुष भंग होने की गूंज से पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा। माता सीता ने प्रभु श्रीराम के गले में वरमाला पहनाई तो श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयकारों के साथ प्रसन्नता व्यक्त की। इस दिव्य प्रसंग ने दर्शकों को त्रेतायुग की पावन स्मृतियों से जोड़ दिया।

लक्ष्मण–परशुराम संवाद ने जगाया वीर रस

शिव धनुष भंग की गर्जना सुनकर भगवान परशुराम क्रोधित होकर जनक दरबार पहुंचे। इसके बाद लक्ष्मण और परशुराम के बीच तीखे वाक-युद्ध की प्रभावशाली प्रस्तुति हुई। लक्ष्मण के ओजस्वी प्रत्युत्तर और परशुराम के क्रोधपूर्ण संवादों ने मंच पर वीर रस का अद्भुत संचार किया। कलाकारों के सशक्त अभिनय, संवाद अदायगी और भाव-भंगिमाओं ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इसके पश्चात रावण–बाणासुर संवाद की लीला का भी मंचन किया गया।

लक्ष्मण की भूमिका में नमन त्रिपाठी, परशुराम की भूमिका में प्रतीक मनोध्याय, रावण के रूप में मुकेश मिश्रा तथा बाणासुर की भूमिका में निक्की पटेल के अभिनय की दर्शकों ने मुक्तकंठ से सराहना की। रामलीला के विभिन्न प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को धर्म, मर्यादा, शौर्य और भक्ति का संदेश दिया।

11 अक्टूबर को निकलेगी भव्य श्रीराम बारात

श्री रामलीला समिति के अनुसार, रविवार, 11 अक्टूबर 2026 को शाम 6 बजे रामलीला मैदान से भव्य श्रीराम बारात निकाली जाएगी। बारात गढ़ा बाजार, आनंद कुंज, बीटी तिराहा, गुलौआ चौक, गौतम मढ़िया, संजीवनी नगर, शाही नाका और पंडा की मढ़िया होते हुए पुनः गढ़ा बाजार से रामलीला मैदान पहुंचेगी, जहां इसका समापन होगा।

समिति के संचालक अशोक मनोध्याय एवं रौनक मनोध्याय, अध्यक्ष एवं निर्देशक राजेश मिश्रा, महामंत्री एडवोकेट अरुण दीक्षित सहित समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने समस्त रामभक्तों से श्रीराम बारात का भव्य स्वागत करने की अपील की है। समिति ने श्रद्धालुओं से अपने घरों के सामने स्वागत-वंदन द्वार सजाने, भगवान श्रीराम की आरती उतारने तथा बारात के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

इस अवसर पर लोकराम कोरी, रमाशंकर कटारे, राजेंद्र प्यासी, हरीश मनोध्याय, राजेश परोहा, गनपत कोष्टा, विनायक तिवारी, हनुमंत सिंह, कैलाश नेमा, संजय तिवारी (चेरीताल), देवेंद्र मनोध्याय, नीरज दुबे, राजेश नेमा, अशोक बघेल, दीपक कोष्टा, विद्या केवट, सम्राट पांडे, इंदुलता प्यासी, डॉ. नीना उपाध्याय, भोलाराम खत्री, प्रहलाद बिलथरे, विजय नेमा, मदन गोपाल पटेल, पंकज अवस्थी, पंचम सोनी, व्यास माधव दुबे, राकेश मिश्रा एवं नरेश मिश्रा सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठकी पर आज सिहोरा-खितौला में स्थापित होंगी दुर्गा प्रतिमाएं



सिहोरा। शारदीय नवरात्र की शुरुआत के साथ आज बैठकी पर सिहोरा और खितौला में जगह-जगह मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। देवी मंदिरों में भी नौ दिनों तक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। इसके लिए कंकाली मंदिर, दुर्गा मंदिर, बूढ़ी माई, मां ज्वाला देवी और पर्वतवासिनी खेरमाई सहित अन्य मंदिरों में आकर्षक सजावट की गई है।
श्रद्धालु ढोल-बैंड और बाजे के साथ माता की प्रतिमाएं पंडालों तक लेकर पहुंचेंगे। इस वर्ष भी आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर मां महाकाली की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। मूर्तिकार प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं, वहीं समितियों द्वारा पंडालों को सजाया जा रहा है। नवरात्र के नौ दिनों तक श्रद्धालु घरों में उपवास रखकर मां दुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना और उपासना करेंगे। सिहोरा-खितौला क्षेत्र में एक सैकड़ा से अधिक दुर्गा प्रतिमाएं आकर्षक झांकियों के साथ स्थापित की जाएंगी। नवरात्र को लेकर क्षेत्र में उत्साह और भक्तिमय माहौल बना हुआ है।

बहोरा बाग में आज सजेगी शायरी की महफिल

जबलपुर। बहोरा बाग विकास समिति के तत्वावधान में आज रविवार को बहोरा बाग में अखिल भारतीय मुशायरे का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर के मशहूर शायरों के साथ स्थानीय शायर भी अपना कलाम पेश करेंगे। समिति अध्यक्ष मुस्तफा अंसारी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू करेंगे। विधायक लखन घनघोरिया प्रमुख वक्ता, कदीर सोनी अध्यक्षता करेंगे तथा पूर्व विधायक विनय सक्सेना मुख्य अतिथि होंगे। मुशायरे में नईम अख्तर खादमी, डॉ. सबा बलरामपुरी, तरन्नुम नाज़ फतेहपुरी, डॉ. मेहताब आलम, डॉ. जलीलुर्रहमान बुरहानपुर, पैकर पानीपत, शाद बिलासपुर और सरवर कमाल झांसी सहित अनेक शायर शिरकत करेंगे। वहीं स्थानीय शायर उस्ताद बाबू अनवर निजामी, दानिश जैगमी, हाजी शेख निजामी, मुख्तार नादिर और अनीस जबलपुरी भी अपनी शायरी प्रस्तुत करेंगे। आयोजन की तैयारियों में शेख निजामी, मुख्तार नादिर, सगीर बमबया, सगीर अंसारी, वकील मंसूरी और लाला मिस्त्री सहित समिति के सदस्य जुटे हैं। समिति ने शहरवासियों से कार्यक्रम में शामिल होकर शायरों की हौसला अफजाई करने की अपील की है।

सपने में आईं मां शारदा, पीएफ के 70 हजार रुपये से बनवाया मंदिर

बरेला में 15 जून 1975 को हुआ था मंदिर निर्माण

बरेला।

बरेला की सुरम्य पहाड़ी पर स्थित प्राचीन मां शारदा देवी मंदिर आस्था और भक्ति का अनूठा केंद्र है। मंदिर के व्यवस्थापक पंडित आशीष शुक्ला के अनुसार, उनके पिता स्वर्गीय बाबा श्रावण कुमार शुक्ला राज्य परिवहन में बस चालक थे। मां शारदा के स्वप्न में दर्शन देने के बाद उन्होंने नौकरी छोड़कर अपने पीएफ के 70 हजार रुपये से मंदिर का निर्माण कराया। मंदिर का निर्माण 15 जून 1975 को हुआ था। बताया जाता है कि पहले पहाड़ी पर एक छोटी मढ़िया में मां की प्रतिमा स्थापित थी। श्रावण कुमार शुक्ला जबलपुर-मंडला मार्ग पर बस चलाते समय यहां



रुककर माता को प्रणाम करते थे। बाद में उन्होंने मंदिर निर्माण का संकल्प लिया। वर्ष 1994 में उनके निधन के बाद पत्नी अंजली देवी शुक्ला ने मंदिर की व्यवस्था संभाली। वर्तमान में उनके पुत्र पंडित आशीष शुक्ला और पंडित अभय शुक्ला व्यवस्था देख रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, पहाड़ी घाटी से गुजरने वाले वाहन चालक मंगलमय यात्रा की कामना से मंदिर में रुककर माता का आशीर्वाद लेते हैं। शारदीय नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, बिजली, सफाई, बैठने और छाया की व्यवस्था की गई है। मंदिर के पट सुबह 5 बजे से रात 12 बजे तक खुले रहेंगे। भीड़ को देखते हुए पहाड़ी पर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। श्रद्धालुओं के लिए नीचे पार्किंग की व्यवस्था की गई है और मंदिर तक पैदल जाना होगा।

सेवा संकल्प कार्यक्रम में स्काउट्स-गाइड्स ने बनाई श्रृंखला रंगोली

जबलपुर।



भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला संघ जबलपुर द्वारा सेवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत स्काउट्स एवं गाइड्स ने श्रृंखला रंगोली बनाकर सेवा, सहयोग और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह और सांसद आशीष दुबे सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का मार्गदर्शन नगर निगम अध्यक्ष एवं जिला संघ अध्यक्ष रिंकुंज विज, जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे, संरक्षक अजय तिवारी, जिला मुख्य आयुक्त डॉ. विजयकांत तिवारी तथा जिला सचिव व्ही.के. झारिया ने किया। जिले के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 180 स्काउट्स, गाइड्स एवं यूनिट लीडर्स ने भाग लिया। इनमें पीएम श्री शासकीय एमएलबी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चेरीताल, यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल, सेंट नॉरबर्ट हायर सेकेंडरी स्कूल और ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल के प्रतिभागी शामिल रहे। आयोजन में राहुल राजपूत, सीमा सिंह राजपूत, सारिका अग्रवाल, किरण येवले, रशिका द्विवेदी एवं मंजू राय का विशेष सहयोग रहा।

मूल्यांकन शिविर में 87 बच्चे सहायक उपकरणों के लिए चिह्नित

सिहोरा।

जनपद शिक्षा केंद्र सिहोरा में समावेशी शिक्षा के अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए मूल्यांकन शिविर आयोजित किया गया। इसमें मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बच्चों के स्वास्थ्य एवं दिव्यांगता संबंधी स्थिति का मूल्यांकन किया। शिविर में विकासखंड के बच्चों ने सहभागिता की। मूल्यांकन के बाद 87 बच्चों को एलिम्को जबलपुर द्वारा सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए चिह्नित किया गया। अब बच्चों की आवश्यकता के अनुसार उपकरण उपलब्ध कराने की आगामी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। शिविर के सफल आयोजन में जनपद शिक्षा केंद्र के अधिकारियों, बीएसी, एमआरसी एवं जनशिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी अशोक उपाध्याय, बीआरसी ब्रजेश श्रीवास्तव, बीएसी अश्विनी उपाध्याय, राकेश मिश्रा, रामशरण बागरी, विपिन कुररिया, संजय सिंह, विष्णु कुमार पटेल, विनोद पाटिल, लक्ष्मी तिवारी, रवि ठाकुर और रामगोपाल मिश्रा सहित समस्त जनशिक्षक, अतिथि एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

बहुजन नायक कांशीराम जी की 20वीं पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

जबलपुर।

अहिरवार समाज महापरिषद एवं अहिरवार विकास संस्था द्वारा आर.डी. चौधरी के निवास पर बहुजन नायक मान्यवर कांशीराम जी की 20वीं पुण्यतिथि मनाई गई।



इस अवसर पर उनके तेलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में पूर्व आईएएस के.पी. राही ने कांशीराम जी के संघर्ष और समाज के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए समाज को संगठित रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन संस्था के उपाध्यक्ष संजय अहिरवार ने किया। इस अवसर पर के.पी. राही, कैलाश नाथ अहिरवार, दास प्रसाद अहिरवार, आर.डी. चौधरी, मूलचंद मोरे, रोशन लाल चौधरी, एडवोकेट पवन रोहित, मुन्नीलाल अहिरवार, प्रकाश अहिरवार, संजय अहिरवार, सुशील अहिरवार, बी.एल. सुनरया, संदीप सूर्यवंशी, एडवोकेट प्रदीप अहिरवार, विनोद लड़िया, महेश अहिरवार, मुरली चौधरी, सूरज अहिरवार, रतन अहिरवार, दिनेश साकेत, चंदन अहिरवार एवं सूर्यभान अहिरवार सहित अनेक सामाजिकजन उपस्थित रहे।

गरीब नवाज कमेटी ने संतोष अहिरवार का कराया अंतिम संस्कार



जबलपुर। विक्टोरिया अस्पताल में उपचार के दौरान संतोष अहिरवार (65) का निधन हो गया। वे दामोदर अहिरवार के पुत्र थे और मस्जिद के पास, थाना हनुमानताल क्षेत्र के निवासी थे। संतोष अहिरवार को 24 सितंबर 2026 को विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके निधन की सूचना थाना हनुमानताल द्वारा गरीब नवाज कमेटी को दी गई। सूचना मिलने पर कमेटी के सदस्यों ने पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद तिलवारा मुक्तिधाम में सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार कराया। इस सेवा कार्य में गरीब नवाज कमेटी के रियाज अली, बाबू खान, बच्चू नानकानी, दीपक निगम, हाजी करीम एवं बबलू चौरसिया का सहयोग रहा। कमेटी के सदस्यों ने जरूरतमंदों की सहायता के लिए अपनी सामाजिक सेवा की प्रतिबद्धता निभाई।

वनमाली सप्रे स्मृति महोत्सव में पखावज और सितार की मधुर प्रस्तुतियों ने मोहा मन



जबलपुर। शनिवार, 10 अक्टूबर को शहीद स्मारक सभागृह में आयोजित वनमाली सप्रे स्मृति महोत्सव में पखावज और सितार वादन की शानदार प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ संगीत प्रेमी सुरेश तोफखानेवाले, असीम चौधरी और कृष्णा सालुंके ने दीप प्रज्वलित कर किया।

पहले चरण में पुणे से आए कृष्णा सालुंके ने चौताल, मत्त ताल और तीनताल में एकल पखावज वादन प्रस्तुत किया। हारमोनियम पर यशवंत थिटे ने संगत की। इसके बाद कोलकाता के सितार वादक असीम चौधरी ने राग बागेश्री, राग नंद और भैरवी में पारंपरिक ठुमरी प्रस्तुत कर श्रोताओं की सराहना प्राप्त की। तबले पर मुंबई के यशवंत वैष्णव ने प्रभावी संगत की। कार्यक्रम का संचालन विवेक करमहे ने किया। अंत में संयोजक प्रोफेसर अखिलेश सप्रे ने आभार व्यक्त किया। समारोह में प्रोफेसर सदानंद सप्रे, पद्मजा सप्रे, आदित्य सप्रे, माधवी गोरे, प्रज्ञा शिदोरे, माधुरी कानिटकर और संजय सोनी सहित अनेक संगीत प्रेमी उपस्थित रहे।

जिला बेंच प्रेस प्रतियोगिता में पूजा कुमारी बनीं बेस्ट लिफ्टर



जबलपुर। जबलपुर के खमरिया में 3 एवं 4 अक्टूबर को आयोजित जिला बेंच प्रेस प्रतियोगिता में लगभग 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया। मध्य प्रदेश जागरूक खेल संघ के अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि प्रतियोगिता में मिशन हेल्थ क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। महिला वर्ग में पूजा कुमारी ने मास्टर-1 वर्ग की 69 किलोग्राम श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतकर बेस्ट लिफ्टर का खिताब हासिल किया। धनुश्री ने सब-जूनियर वर्ग की 47 किलोग्राम श्रेणी में स्वर्ण पदक व चैंपियनशिप ट्रॉफी जीती। कांतिका सुनमोर्या ने जूनियर वर्ग में स्वर्ण तथा राखी करोसिया ने सीनियर वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में विक्रम विक्टर ने मास्टर वर्ग में रजत और सिवेन शर्मा ने जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। सभी खिलाड़ी कोच लॉरेंस मार्टिन के मार्गदर्शन में अभ्यासरत हैं। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर रॉबर्ट मार्टिन, लॉरेंस मार्टिन, महिधर पांडे, सुरेंद्र चौधरी, दीनू स्वामी, राजेश सहारिया, कुलदीप सिंह एवं तेज भान सिंह ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ब्राह्मण समाज सिहोरा के अध्यक्ष का चुनाव आज

सिहोरा। ब्राह्मण समाज सिहोरा के अध्यक्ष पद का निर्वाचन आज रविवार को आयोजित किया जाएगा। समाज के महामंत्री प्रवीण कुररिया ने बताया कि शुक्ल जी की बखरी के पास स्थित पंडित विशुद्धानंद पांडे ब्राह्मण समाज भवन में दोपहर 12 बजे से निर्वाचन प्रक्रिया शुरू होगी। निर्वाचन के दौरान मतदाता सूची का प्रकाशन, अध्यक्ष पद के लिए नाम निर्देशन, नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके बाद आवश्यकता पड़ने पर मतदान कराया जाएगा। चुनाव संपन्न कराने के लिए अधिवक्ता राज किशोर तिवारी को निर्वाचन अधिकारी तथा अनिरुद्ध त्रिवेदी को सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। निर्वाचन में समाज के आजीवन एवं साधारण सदस्य ही भाग ले सकेंगे। समाज की ओर से सभी पात्र सदस्यों से निर्धारित समय पर उपस्थित होने की अपील की गई है।

निधन

श्री कन्हैया लाल भिरानी- गुलमोहर रेसीडेंसी नागरथ चौक निवासी श्री कन्हैया लाल भिरानी (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गोपाल सिंह राजपूत- पांडे व्यास चौक गुप्तेश्वर निवासी श्री गोपाल सिंह राजपूत (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री कुंवर लाल सोनी- पचमठा गढ़ा निवासी एडवोकेट कुंवर लाल सोनी (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री अशोक यादव- महावीर कॉलोनी हाथीताल गोरखपुर रोड निवासी श्री अशोक यादव (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री रवींद्र नाथ ठाकुर- रावण पार्क रांझी निवासी श्री रवींद्र नाथ ठाकुर (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती जानकी देवी अगीचा- नारायण चौक द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री पोहूराम अगीचा की धर्मपत्नी श्रीमती जानकी देवी अगीचा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती ममता शर्मा- खुरखुर बावली बड़ी खेरमाई निवासी श्री शिव मूरत शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती ममता शर्मा (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री कृपा शंकर सेन- लाल कुआं पुरानी पीपी कॉलोनी पोलीपाथर निवासी श्री कृपा शंकर सेन (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शिव प्रसाद चौधरी- रद्दी चौकी अधारताल निवासी श्री शिव प्रसाद चौधरी (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती ज्योति मिश्रा- समदडिया काम्पलेक्स दूसरे पुल के पास निवासी श्री अनिल कुमार मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती ज्योति मिश्रा (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री किशोरी लाल अहिरवार- सिद्धनगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री किशोरी लाल अहिरवार (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री शिवचंद्र प्रसाद शाह- स्टार सिटी फेस 3 करमेता निवासी श्री शिवचंद्र प्रसाद शाह (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मालती रजक- सिंगल क्वार्टर्स लालमाटी निवासी श्री राजकुमार रजक की धर्मपत्नी श्रीमती मालती रजक (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राजेंद्र कुशवाहा- चेरीताल कांजी हाउस के पास निवासी श्री राजू कुशवाहा के पुत्र श्री राजेंद्र कुशवाहा (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कृष्णा बाई सोनकर- खेरमाई वार्ड अखाड़ा के पास निवासी श्री नरबद प्रसाद सोनकर की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा बाई सोनकर (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुधीर कुमार तिवारी- कृष्णा कॉलोनी शीतलामाई वार्ड निवासी श्री सुधीर कुमार तिवारी (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री निशांत डेहरिया- लार्डगंज पुलिस क्वार्टर्स निवासी श्री खेमकरण डेहरिया के पुत्र श्री निशांत डेहरिया (33) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शकुंतला बाई- गोपाल होटल सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री शारदा प्रसाद की धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला बाई (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शांति देवी शर्मा- सुभाष नगर गोहलपुर निवासी श्री अशोक शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती शांति देवी शर्मा (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सचिन गुप्ता- शाहीनाका गढ़ा निवासी एडवोकेट सचिन गुप्ता का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सुनयना शर्मा- शिवनगर गुलौआ गढ़ा निवासी श्री धन्जी शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती सुनयना शर्मा (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

नाम परिवर्तन सूचना

I, UTTAM KUMAR YADAV is legally Father of ARMY NO-15733670A, Rank HAV Name-DHARMPAL KUMAR presently residing at Vill- BIRAMPUR, POST- BIRAMPUR, Teh-KOILWAR, Distt - BHOJPUR, State- BIHAR, PIN- 802314 शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ कि मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम UTTAM KUMAR दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजो में मेरा नाम UTTAM KUMAR YADAV दर्ज है। जो कि सही है मेरे नाम को पढा व सुना एंव मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए। द्वारा शपथ पत्र नं. 38AA850459 दिनांक 10-10-26 नोटरी जबलपुर म. प्र.।

गलत नाम
UTTAM KUMAR
सही नाम
UTTAM KUMAR YADAV

एक पन्ने की वित्तीय योजना से बिखरे पैसे को दें सही दिशा

▶▶ कमाई आते ही तय करें किस हिस्से से खर्च, सुरक्षा, कर्ज और निवेश ▶▶ छोटी लेकिन स्पष्ट योजना लंबे समय में बना सकती है बड़ा कोष ▶▶ बीमा, आपातकालीन निधि, कर्ज और निवेश का तय करें क्रम ▶▶ हर महीने आय आते ही पैसा अपने लक्ष्य के अनुसार ही करें आवंटित

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

कमाई अच्छी होने के बावजूद कई लोगों की आर्थिक स्थिति इसलिए मजबूत नहीं हो पाती, क्योंकि उनका पैसा अलग-अलग जगह बिखरा रहता है। किसी बैंक खाते में कुछ रकम, कहीं बीमा पॉलिसी, क्रेडिट कार्ड का बकाया, किसी म्यूचुअल फंड में छोटी-सी राशि और थोड़ी बचत घर में... लेकिन यह स्पष्ट नहीं होता कि कुल संपत्ति कितनी है और किस लक्ष्य के लिए कितना पैसा जमा किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में जरूरत निवेश के नए विकल्प तलाशने की नहीं, बल्कि पहले से मौजूद पैसों को व्यवस्थित करने की होती है। इसके लिए जरूरी नहीं कि कोई जटिल वित्तीय योजना बनाई जाए। एक पन्ने पर आय, खर्च, कर्ज, सुरक्षा और निवेश की पूरी तस्वीर लिखना भी काफी मददगार हो सकता है। इस योजना का मकसद यह तय करना है कि कमाई खाते में आते ही पैसा कहां और कितना जाएगा, ताकि खर्च के बाद जो बचे उसी से निवेश करने की आदत न बने।

पहला कदम : आर्थिक सुरक्षा मजबूत करें

निवेश शुरू करने से पहले वित्तीय सुरक्षा की नींव मजबूत करना जरूरी है। यदि परिवार में आपकी आय पर दूसरे सदस्य निर्भर हैं तो पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा और जरूरत के अनुसार टर्म जीवन बीमा पर ध्यान देना चाहिए। बीमा का उद्देश्य निवेश से कमाई करना नहीं, बल्कि अचानक आने वाले बड़े आर्थिक संकट से परिवार को बचाना है। इसी तरह कम से कम तीन से छह महीने के जरूरी घरेलू खर्च के बराबर रकम आपातकालीन निधि के रूप में अलग रखना उपयोगी है। इसे ऐसे साधन में रखा जाना चाहिए, जहां जरूरत पड़ने पर रकम आसानी से उपलब्ध हो। इस पैसे को शेयर बाजार में लगाकर ज्यादा रिटर्न कमाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

दूसरा कदम : महंगे कर्ज से पहले छुटकारा

अगर क्रेडिट कार्ड, व्यक्तिगत ऋण या किसी तत्काल ऋण पर बहुत ज्यादा ब्याज दिया जा रहा है तो निवेश बढ़ाने से पहले ऐसे कर्ज को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। मसलन, क्रेडिट कार्ड का बकाया लंबे समय तक छोड़ने पर ब्याज तेजी से बढ़ सकता है। ऐसे कर्ज के रहते बाजार में निवेश करके ज्यादा रिटर्न कमाने की उम्मीद करना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए सभी कर्ज की सूची बनाएं। सामने बकाया रकम, ब्याज दर और हर महीने की किस्त लिखें। ज्यादा ब्याज वाले असुरक्षित कर्ज को पहले चुकाने की कोशिश करें।



हर महीने नहीं, समय समय पर करें समीक्षा

वित्तीय योजना का मतलब रोज शेयर बाजार देखना या बार-बार निवेश बदलना नहीं है। बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। लंबी अवधि के निवेशक के लिए अनुशासन और निरंतरता ज्यादा महत्वपूर्ण है। हां, आय बढ़ने, नौकरी बदलने, शादी, बच्चे होने, घर खरीदने या बड़े कर्ज जैसी परिस्थितियों में योजना की समीक्षा जरूर करनी चाहिए।

तीसरा कदम : लक्ष्यों के हिसाब से करें निवेश

सारी बचत को एक ही जगह लगाना सही रणनीति नहीं है। पहले यह तय करें कि पैसा कब चाहिए। पांच साल से कम अवधि वाले लक्ष्यों के लिए बहुत ज्यादा जोखिम वाले निवेश से बचना बेहतर है। वाहन खरीदना, घर की मरम्मत, बच्चों की निकट अवधि की फीस या अन्य जरूरी खर्च इसके उदाहरण हैं। ऐसे लक्ष्यों के लिए सुरक्षित बचत विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। वहीं 10 साल या उससे अधिक अवधि वाले लक्ष्यों के लिए बाजार आधारित निवेश पर विचार किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति, बच्चों की उच्च शिक्षा या लंबे समय में संपत्ति बनाने जैसे लक्ष्यों के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड या व्यापक बाजार सूचकांक आधारित फंड विकल्प हो सकते हैं। हालांकि निवेश का चुनाव व्यक्ति की जोखिम क्षमता, उम्र, आय और लक्ष्य के अनुसार होना चाहिए।

चौथा कदम : निवेश को अपने आप चलने दें

वित्तीय योजना तभी सफल होती है जब उसे नियमित रूप से लागू किया जाए। इसके लिए एसआईपी जैसी स्वचालित व्यवस्था उपयोगी हो सकती है। वेतन या आय खाते में आते ही निर्धारित रकम निवेश के लिए अलग हो जाए तो महीने के अंत में बची रकम निवेश करने की जरूरत नहीं पड़ती। मान लीजिए किसी व्यक्ति की मासिक आय 60 हजार रुपये है। वह जरूरी खर्च और सुरक्षा की रकम तय करने के बाद 10 हजार रुपये लंबे समय के लक्ष्य के लिए निवेश करना चाहता है। यदि हर महीने एक निश्चित तारीख को यह रकम स्वतः निवेश हो जाए तो बाजार की रोजाना की खबरों या मूड के आधार पर निवेश रोकने की संभावना कम होगी।

5वां कदम : लिखें पूरी तस्वीर

- मासिक आय : कितनी रकम हाथ में आती है।
- जरूरी खर्च : घर चलाने में कितना खर्च होता है।
- कर्ज : कितना बकाया है और ब्याज।
- आपातकालीन निधि : कितनी रकम अलग रखी।
- बीमा : स्वास्थ्य और जीवन बीमा कितना है।
- निवेश : हर महीने कितनी रकम और किस लक्ष्य के लिए निवेश होगी।
- लक्ष्य : अगले 3, 5, 10 और 20 साल में किन जरूरतों के लिए पैसा चाहिए।
- एक पन्ने से व्यक्ति को हर माह यह समझने में आसानी होगी कि उसकी आय कहां जा रही है व भविष्य के लिए कितना पैसा तैयार हो रहा है।

पुराने खातों और निवेश की भी करें सफाई

कई लोगों के पास जरूरत से ज्यादा बैंक खाते, क्रेडिट कार्ड और छोटे-छोटे निवेश होते हैं। समय-समय पर इनकी समीक्षा करनी चाहिए। जिन खातों या कार्ड का उपयोग नहीं हो रहा है, उनकी जरूरत और शुल्क की जांच करें। अलग-अलग निवेशों की सूची बनाकर देखें कि कहीं एक ही तरह के कई उत्पाद तो नहीं हैं। साथ ही बैंक खाते, बीमा, म्यूचुअल फंड, शेयर और अन्य वित्तीय निवेशों में नॉमिनी की जानकारी अपडेट रखें। परिवार में किसी अनहोनी की स्थिति में यह छोटी-सी सावधानी बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

पैसा बचाना ही पर्याप्त नहीं, उसे सही दिशा देना जरूरी

एक अच्छी वित्तीय योजना वह नहीं जिसमें सबसे ज्यादा निवेश उत्पाद हों, बल्कि वह है जिसमें हर रुपये की भूमिका स्पष्ट हो। पहले सुरक्षा, फिर महंगे कर्ज से मुक्ति और उसके बाद लक्ष्य आधारित निवेश—यह सरल क्रम आर्थिक अव्यवस्था को व्यवस्थित करने में मदद कर सकता है। योजना एक बार बनाकर भूलने के बजाय साल में कम से कम एक बार उसकी समीक्षा करें। धीरे-धीरे आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम बढ़ाते रहें। यही अनुशासन लंबे समय में छोटी बचत को बड़ा वित्तीय सहारा बना सकता है।

30 की उम्र में निवेश शुरू कर रहे हैं तो पहले साल ऐसे बनाएं मजबूत आधार

- पहले आपातकालीन निधि और महंगे कर्ज से निपटें
- लक्ष्य के हिसाब से बचत और निवेश करना शुरू करें
- लंबी अवधि के लिए एसआईपी और सूचकांक फंड बेहतर विकल्प

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगर आपकी उम्र 30 साल है और आपने अभी तक निवेश शुरू नहीं किया है तो घबराने की जरूरत नहीं है। इस उम्र में आपके पास लंबी अवधि का फायदा उठाने के लिए पर्याप्त समय है। हालांकि निवेश की शुरुआत किसी खास शेयर या म्यूचुअल फंड को चुनने से नहीं, बल्कि अपनी आर्थिक स्थिति समझने से होनी चाहिए। पहले साल का लक्ष्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि ऐसी वित्तीय व्यवस्था तैयार करना होना चाहिए जिसे आने वाले वर्षों में आसानी से जारी रखा जा सके। निवेश शुरू करने से पहले तीन सवालों के जवाब तलाशें-पैसा किस लक्ष्य के लिए चाहिए, कब चाहिए और बाजार में गिरावट आने पर आप कितना जोखिम उठा सकते हैं। इसके आधार पर ही निवेश की दिशा तय होगी।

सबसे पहले बनाएं आपातकालीन निधि

यदि आपके पास बचत नहीं है और क्रेडिट कार्ड या व्यक्तिगत ऋण जैसा महंगा कर्ज चल रहा है तो पहले साल का पूरा ध्यान निवेश बढ़ाने के बजाय वित्तीय आधार मजबूत करने पर होना चाहिए। कम से कम तीन से छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम आपातकालीन निधि में रखना उपयोगी है। नौकरी जाने, बीमारी, अचानक बड़े खर्च या किसी अन्य आपात स्थिति में यही रकम काम आएगी। इसे ऐसे विकल्प में रखना चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से निकाला जा सके। आपातकालीन निधि बनने के बाद ही लंबी अवधि के निवेश को धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए।



महंगे कर्ज को निवेश से पहले खत्म करें

क्रेडिट कार्ड का बकाया या ज्यादा ब्याज वाला व्यक्तिगत ऋण आपकी आर्थिक प्रगति को धीमा कर सकता है। इसलिए सभी कर्ज की सूची बनाएं और ब्याज दर देखें। ज्यादा ब्याज वाले कर्ज को पहले चुकाना बेहतर है। कर्ज खत्म होने के बाद उसकी मासिक किस्त के बराबर रकम को निवेश में लगाया जा सकता है। इस तरह कर्ज चुकाने की आदत सीधे निवेश की आदत में बदल सकती है।

हर लक्ष्य की तय करें समय सीमा

निवेश का तरीका इस बात पर निर्भर करता है कि पैसा कब चाहिए। तीन साल के भीतर जरूरत पड़ने वाली रकम को शेयर बाजार जैसे उतार-चढ़ाव वाले साधनों में लगाने से बचना चाहिए। कार खरीदना, शादी, घर की शुरुआती रकम या निकट अवधि की शिक्षा जैसे लक्ष्य इसके उदाहरण हैं। ऐसे लक्ष्यों के लिए बैंक सावधि जमा, आवर्ती जमा या अन्य अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। दूसरी ओर, यदि लक्ष्य 10, 15 या 20 साल दूर है तो बाजार आधारित निवेश पर विचार किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति या बच्चे की उच्च शिक्षा जैसे लंबे लक्ष्यों में महंगाई को ध्यान में रखना जरूरी है।

शुरुआती निवेशक के लिए सूचकांक फंड सरल विकल्प

लंबी अवधि के निवेश की शुरुआत करने वाले निवेशक के लिए व्यापक बाजार सूचकांक पर आधारित म्यूचुअल फंड एक सरल विकल्प हो सकता है। ऐसे फंड किसी प्रमुख सूचकांक की कंपनियों में निवेश करते हैं। इससे एक ही कंपनी पर निर्भरता कम होती है और निवेशक को अलग-अलग शेयर चुनने की जरूरत नहीं पड़ती। हालांकि इक्विटी आधारित निवेश में बाजार जोखिम रहता है। इसलिए इसका इस्तेमाल उन्हीं लक्ष्यों के लिए करना चाहिए जिनकी समय सीमा लंबी हो।

उदाहरण से समझें

मान लीजिए रोहन की उम्र 30 साल है और उसे हर महीने कर कटौती के बाद 80 हजार रुपये मिलते हैं। उसके पास पहले से आपातकालीन निधि है। वह दो साल बाद कार खरीदना चाहता है और साथ ही सेवानिवृत्ति के लिए भी निवेश शुरू करना चाहता है। ऐसी स्थिति में वह अपनी क्षमता के अनुसार, उदाहरण के तौर पर, हर महीने 15 हजार रुपये कार के लक्ष्य के लिए सुरक्षित बचत में और 15 हजार रुपये लंबी अवधि के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की एसआईपी में लगा सकता है। इस तरह दोनों लक्ष्यों का पैसा अलग रहेगा। कार के लिए रखा पैसा बाजार की गिरावट से प्रभावित नहीं होगा और सेवानिवृत्ति के लिए किया गया निवेश लंबे समय तक बढ़ने का अवसर पाएगा।

जोखिम क्षमता भी समझें

सिर्फ यह देखकर निवेश न करें कि कोई फंड या शेयर पिछले साल कितना बढ़ा। पहले यह समझें कि बाजार में 20-30 प्रतिशत गिरावट आने पर आपकी प्रतिक्रिया क्या होगी। मान लीजिए आपने 10 हजार रुपये निवेश किए और कुछ समय बाद उसकी कीमत घटकर 8 हजार रुपये रह गई। यदि इससे आप घबरा कर निवेश बेच देंगे तो इक्विटी निवेश आपके लिए कठिन हो सकता है। लेकिन अगर आप उतार-चढ़ाव को स्वीकार कर लंबे समय तक निवेश बनाए रख सकते हैं तो आपकी जोखिम क्षमता ज्यादा हो सकती है। यानी निवेश का चुनाव केवल रिटर्न देखकर नहीं, बल्कि लक्ष्य और जोखिम क्षमता देखकर करें।

बचत को हर माह की आदत बनाएं

- सबसे कम कमाई वाले महीने को आधार बनाएं
- वेतन आते ही बचत अलग खाते में डालें
- पहले तैयार करें अपने लिए आपातकालीन कोष
- लंबे समय में मजबूत आर्थिक सुरक्षा तैयार

कई लोगों की कमाई हर महीने एक जैसी नहीं होती। कभी बोनस मिल जाता है तो कभी अतिरिक्त आमदनी हो जाती है। ऐसे अच्छे महीने में बचत भी बढ़ जाती है, लेकिन अचानक आया बड़ा खर्च या कम आय वाला महीना पूरी बचत खत्म कर देता है। नतीजा यह होता है कि कई साल कमाने के बाद भी व्यक्ति के पास आपात स्थिति के लिए पर्याप्त रकम नहीं होती। समस्या हमेशा कम कमाई नहीं होती, बल्कि नियमित बचत के लिए तय व्यवस्था का अभाव भी इसका बड़ा कारण है। वित्तीय मजबूती के लिए बचत को महीने के अंत में बची रकम पर निर्भर करने के बजाय इसे कमाई का पहला काम बनाना जरूरी है। यानी पैसा आते ही बचत की रकम अलग और उसके बाद खर्च। यही छोटी आदत लंबे समय में मजबूत आर्थिक सुरक्षा तैयार कर सकती है।

पहले समझें, बचत क्यों नहीं हो रही

बचत शुरू करने से पहले यह पता लगाना जरूरी है कि पैसा बच क्यों नहीं रहा। कुछ लोगों की आय हर महीने बदलती है। स्वतंत्र काम करने वाले, कमीशन पर काम करने वाले या कारोबार से जुड़े लोगों के लिए एक महीने की आय दूसरे महीने से काफी अलग हो सकती है। दूसरी समस्या यह है कि बचत का इरादा तो होता है, लेकिन हर महीने कोई न कोई खर्च उसे पीछे धकेल देता है। कई लोग सोचते हैं कि महीने के अंत में जो रकम बचेगी, उसे बचा लेंगे। व्यवहार में अक्सर महीने के अंत तक बहुत कम रकम बचती है। इसलिए बचत के लिए इच्छा नहीं, व्यवस्था बनाना जरूरी है।

3 माह की आय से तय करें अपना बजट

सबसे पहले पिछले तीन महीनों की कुल आय देखें और उसका औसत निकालें। लेकिन यदि आय में काफी उतार-चढ़ाव रहता है तो औसत आय के बजाय सबसे कम आय वाले महीने को अपना बजट आधार बनाना ज्यादा सुरक्षित हो सकता है। उदाहरण के लिए किसी व्यक्ति को तीन महीनों में 40 हजार, 48 हजार और 35 हजार रुपये मिले। औसत आय करीब 41 हजार रुपये बैठती है, लेकिन बजट 35 हजार रुपये की सबसे कम आय को आधार मानकर बनाया जा सकता है। इससे कम आय वाले महीने में भी जरूरी खर्च पूरे करने में परेशानी नहीं होगी। अब इसमें से किराया, राशन, बिजली-पानी, आने-जाने और अन्य जरूरी खर्च अलग करें।

योजना
बिजनेस डेस्क



वेतन आते ही पहले बचत करें

नियमित वेतन पाने वालों के लिए सबसे आसान तरीका है—पहले खुद को भुगतान करें। मान लीजिए आपकी मासिक आय 40 हजार रुपये है और आप हर महीने 5 हजार रुपये बचाना चाहते हैं। वेतन खाते में आते ही 5 हजार रुपये दूसरे खाते में स्वतः स्थानांतरित करने की व्यवस्था कर दें। इसके बाद बचे पैसे से महीने का खर्च चलाएं। इसका फायदा यह है कि बचत की रकम खर्च करने वाले खाते में पड़ी ही नहीं रहेगी। बचत को इच्छाशक्ति के भरोसे रखने के बजाय स्वचालित व्यवस्था का हिस्सा बनाया जा सकता है।

आय तय नहीं तो प्रतिशत के हिसाब से बचाएं

यदि कमाई हर महीने अलग है तो निश्चित रकम बचाने के बजाय आय का एक तय प्रतिशत अलग करना बेहतर हो सकता है। उदाहरण के लिए हर भुगतान का 15 से 20 प्रतिशत बचत खाते में डालने का नियम बनाया जा सकता है। मान लीजिए किसी स्वतंत्र पेशेवर की मासिक आय 25 हजार से 60 हजार रुपये के बीच रहती है। वह हर भुगतान का 18 प्रतिशत बचत के लिए अलग करता है। इस तरह कम आय वाले महीने में बचत की रकम कम होगी और ज्यादा कमाई होने पर बचत अपने आप बढ़ जाएगी।

बचत के लिए अलग खाता रखें

बचत और रोजमर्रा के खर्च का पैसा एक ही खाते में रखने से अनजाने में बचत खर्च होने की संभावना रहती है। इसलिए बचत के लिए अलग बैंक खाता रखना उपयोगी हो सकता है। संभव हो तो इसे रोजमर्रा के खाते से अलग बैंक में रखें। बोनस, कर वापसी या अचानक मिली अतिरिक्त रकम का एक हिस्सा सीधे इसी खाते में डाल सकते हैं।

पहले आपातकालीन कोष, बाद में ज्यादा रिटर्न

बचत का पहला उद्देश्य हर बार ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं होना चाहिए। पहले ऐसा आपातकालीन कोष तैयार करें जिससे अचानक आने वाले खर्च के समय निवेश या कर्ज पर निर्भरता कम हो। नियमित वेतन वालों के लिए तीन से छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर आपातकालीन निधि एक अच्छा आधार हो सकती है। वहीं जिनकी आय में ज्यादा उतार-चढ़ाव रहता है, वे छह से नौ महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम रखने पर विचार कर सकते हैं। यह रकम ऐसे विकल्प में रखी जानी चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से उपलब्ध हो। आपातकालीन निधि का पहला उद्देश्य सुरक्षा और तरलता है, अधिकतम रिटर्न नहीं।

योजना बनाकर भूल जाना भी ठीक नहीं

बचत की योजना बनाकर उसे भूल जाना भी सही नहीं है। महीने में केवल 15 मिनट निकालकर देखें कि आय कितनी रही, जरूरी खर्च कितना हुआ और तय बचत लक्ष्य पूरा हुआ या नहीं। यदि किराया बढ़ गया, परिवार में नया खर्च जुड़ गया या आय में बदलाव हुआ है तो बचत लक्ष्य में भी बदलाव किया जा सकता है। महत्वपूर्ण यह है कि बचत पूरी तरह बंद न हो।

इन पांच गलतियों से बचें

- महीने के अंत में बचतः तब तक पैसा खत्म हो सकता है।
- एक ही खाते में बचत और खर्चः बचत अनजाने में खर्च हो सकती है।
- सिर्फ अच्छे महीने में बचतः इससे नियमित आदत नहीं बनती।
- बिना बजट तय किए रकम निर्धारित करनाः लक्ष्य आपकी वास्तविक आय से मेल खाना चाहिए।
- योजना की समीक्षा न करनाः आय और खर्च बदलने के साथ बजट भी बदलना चाहिए।

निवेश से पहले बचत की मजबूत नींव जरूरी

शेयर, म्यूचुअल फंड या किसी अन्य निवेश में पैसा लगाने से पहले नियमित बचत की आदत और आपातकालीन निधि तैयार करना जरूरी है। कम रकम से शुरुआत करना कोई समस्या नहीं है। महीने में 500 रुपये भी नियमित रूप से बचाना उस महीने हजारों रुपये बचाकर अगले महीने फिर शून्य पर पहुंचने से बेहतर है।

अलर्ट 3 से 10 साल की अवधि में निवेश करने का बेहतरीन विकल्प, लक्ष्य के हिसाब से तय होगी मासिक किस्त, तैयार होगा फंड

बच्चे के नाम हर महीने बचत, तैयार होगा एक लाख का फंड एसबीआई की 'हर घर लखपति' आरडी में 6.7% सालाना ब्याज

समझदारी
बिजनेस डेस्क

बच्चे की पढ़ाई, उच्च शिक्षा या भविष्य की किसी बड़ी जरूरत के लिए समय रहते बचत शुरू करना समझदारी है। ऐसे में अगर आप बाजार के उतार-चढ़ाव से अलग रहकर हर महीने एक निश्चित रकम जमा करना चाहते हैं, तो भारतीय स्टेट बैंक यानी एसबीआई की 'हर घर लखपति' योजना एक विकल्प हो सकती है। यह कोई अलग निवेश उत्पाद नहीं, बल्कि रिकरिंग डिपॉजिट यानी आरडी का एक रूप है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय रकम जमा करता है और तय अवधि पूरी होने पर जमा रकम के साथ ब्याज मिलता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस योजना में फिलहाल 6.7% सालाना ब्याज मिल रहा है। निवेश की अवधि 3 साल से 10 साल तक रखी जा सकती है। यानी अभिभावक बच्चे की उम्र और भविष्य के लक्ष्य के हिसाब से अवधि चुन सकते हैं।

क्या है 'हर घर लखपति' योजना?

नाम से लग सकता है कि यह कोई अलग सरकारी योजना है, लेकिन वास्तव में यह एसबीआई की आरडी आधारित सुविधा है। इसका उद्देश्य नियमित बचत के जरिए एक तय लक्ष्य राशि तैयार करना है। इसे सामान्य आरडी की तरह समझ सकते हैं, जिसमें हर महीने एक निश्चित राशि जमा करनी होती है। मसलन, अगर अभिभावक बच्चे के लिए हर महीने थोड़ी रकम अलग रखते हैं तो कुछ वर्षों में यह रकम ब्याज के साथ एक बड़े फंड में बदल सकती है।

3 से 10 साल तक निवेश

इस योजना में 3 साल से 10 साल तक की अवधि चुनी जा सकती है। अवधि का चुनाव बच्चे की जरूरत के हिसाब से करना महत्वपूर्ण है। यदि बच्चे की उच्च शिक्षा के लिए पांच साल बाद रकम चाहिए तो पांच साल की अवधि वाला लक्ष्य बनाया जा सकता है। अगर जरूरत 10 साल बाद है तो लंबी अवधि का विकल्प चुना जा सकता है। हालांकि निवेश की अवधि तय करते समय यह भी देखना चाहिए कि बीच में पैसों की जरूरत पड़ सकती है या नहीं। समय से पहले आरडी बंद करने पर बैंक के नियम लागू हो सकते हैं।



बच्चे के नाम पर खाता कैसे खुलेगा?

इस योजना में कोई व्यक्ति सिंगल या जॉइंट अकाउंट खोल सकता है। 10 साल से अधिक उम्र के बच्चे के नाम पर भी खाता खोला जा सकता है, लेकिन इसके लिए बच्चे का ठीक से हस्ताक्षर करने में सक्षम होना जरूरी है। यदि बच्चा हस्ताक्षर करने में सक्षम नहीं है तो उसके नाम पर खाता माता-पिता या अभिभावक के साथ खोला जा सकता है। यानी बच्चे की उम्र और उसकी हस्ताक्षर करने की क्षमता के आधार पर खाते का संचालन तय होगा।

1 लाख रुपये का लक्ष्य कैसे पूरा होगा?

अगर आपका लक्ष्य बच्चे के लिए 5 साल में 1 लाख रुपये का फंड तैयार करना है तो उपलब्ध गणना के अनुसार हर महीने करीब 1,420 रुपये जमा करने होंगे। इसी तरह यदि आप 10 साल में 1 लाख रुपये का लक्ष्य रखते हैं तो मासिक जमा करीब 610 रुपये होगी। इससे यह समझना आसान है कि लंबी अवधि चुनने पर मासिक बचत का बोझ कम हो सकता है। हालांकि इन आंकड़ों को उदाहरण के रूप में देखना चाहिए। वास्तविक मासिक किस्त बैंक की लागू ब्याज दर, आरडी की शर्तों और गणना पद्धति के अनुसार बदल सकती है।

लक्ष्य बढ़ाएं तो किस्त भी बढ़ेगी

इस योजना में लक्ष्य केवल 1 लाख रुपये तक सीमित नहीं है। निवेशक अपनी जरूरत के अनुसार 2 लाख, 3 लाख, 4 लाख रुपये या उससे अधिक का लक्ष्य भी निर्धारित कर सकता है। लक्ष्य राशि बढ़ने के साथ मासिक किस्त भी बढ़ेगी। मसलन, जिस परिवार को बच्चे की उच्च शिक्षा के लिए 4 लाख रुपये का फंड बनाना है, वह छोटी अवधि के बजाय लंबी अवधि चुनकर मासिक निवेश का बोझ कम रखने की कोशिश कर सकता है।

छोटी बचत से बड़ा लक्ष्य

इस योजना का सबसे बड़ा फायदा अनुशासित बचत है। अक्सर परिवार एकमुश्त रकम बचाने की योजना तो बनाते हैं, लेकिन नियमित रूप से पैसा अलग नहीं रख पाते। आरडी में हर महीने तय रकम जमा करने की व्यवस्था होने के कारण बचत की आदत बन सकती है। मान लीजिए परिवार हर महीने करीब 600 रुपये अलग रखता है। यह रकम रोजाना के खर्च में बहुत बड़ी नहीं लगती, लेकिन लंबे समय तक लगातार जमा होने पर ब्याज के साथ एक निश्चित फंड तैयार कर सकती है।

सिर्फ ब्याज देखकर फैसला न करें

हालांकि 6.7% ब्याज आकर्षक लग सकता है, लेकिन निवेश का फैसला केवल ब्याज दर देखकर नहीं करना चाहिए। अभिभावकों को यह भी देखना चाहिए कि बच्चे का लक्ष्य कितने साल बाद है, कितनी रकम की जरूरत होगी और महंगाई के कारण भविष्य में उस लक्ष्य की लागत कितनी बढ़ सकती है। मसलन, आज उच्च शिक्षा पर 5 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं तो 8-10 साल बाद यही खर्च काफी अधिक हो सकता है। इसलिए लंबे समय के लक्ष्य के लिए केवल आरडी पर निर्भर रहने के बजाय अन्य निवेश विकल्पों से भी इसकी तुलना करनी चाहिए।

टैक्स और समय से पहले निकासी के नियम भी समझें

आरडी में मिलने वाला ब्याज कर नियमों के दायरे में आ सकता है। इसलिए बड़ी रकम जमा करने से पहले अपनी कर स्थिति के अनुसार जानकारी लेना जरूरी है। इसी तरह अगर बीच में पैसे की जरूरत पड़ती है तो समय से पहले आरडी बंद करने या आंशिक निकासी से जुड़े बैंक के नियम लागू हो सकते हैं। निवेश शुरू करने से पहले एसबीआई की मौजूदा ब्याज दर, आरडी की शर्तें, नाबालिग के खाते के नियम और समय से पहले खाता बंद करने के प्रावधान जरूर जांच लें।

ऐसे समझें योजना

- योजनाः एसबीआई 'हर घर लखपति'
- प्रकारः रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी)
- ब्याज दर 6.7% सालाना
- अवधि 3 से 10 साल
- 5 साल में 1 लाख का उदाहरण करीब 1,420 रुपये मासिक
- 10 साल में 1 लाख का उदाहरण करीब 610 रुपये मासिक
- लक्ष्य 1 लाख से अधिक भी
- खाता सिंगल या जॉइंट
- बच्चे के नाम खाता 10 साल से अधिक उम्र में, शर्तों के अनुसार
- कम उम्र/हस्ताक्षर में असमर्थ बच्चा माता-पिता/अभिभावक के साथ
- ब्याज दर और बैंक के नियम समय के साथ बदल सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अपने राजनीतिक शासन के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। उनके काल में अनेक उपलब्धियां दर्ज हुई हैं। मोदी की पहल पर कई योजनाएं शुरू की गईं। स्वच्छ भारत मिशन से करोड़ों शौचालय बने। गांव खुले में शौच से मुक्त घोषित हुए। जन धन योजना से करोड़ों बैंक खाते खुले। गरीबों को सीधा पैसा मिला। उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन दिए। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने तक का उनका राजनीतिक सफर इस बात का उदाहरण है कि किसी नेता की लोकप्रियता, संगठनात्मक ताकत, चुनावी रणनीति और जनता से संवाद की शैली किस तरह राजनीति की दिशा को प्रभावित कर सकती है। कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के लगातार निशाने पर रहने के बावजूद वे दृढ़ रहे हैं। साथ ही देश के विकास में अपनी नीतियों, विकास योजनाओं और उन पर अमल कराने में सफल माने जा सकते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि उनके शासनकाल में भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि में सुधार हुआ है। मोदी ने आर्थिक मोर्चे पर देश को बहुत गति दी है। वर्तमान में देश में दूर-दूर तक कोई नेता नहीं, जो नरेंद्र मोदी का मुकाबला कर सके। कह सकते हैं कि मोदी राज में देश ने अपना खोया गौरव हासिल करने की दिशा में एक मजबूत कदम जरूर बढ़ाया है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

विपरीत परिस्थितियों में भी बड़े लक्ष्य तय



विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

किसी राजनेता या मनुष्य की पहचान यही है कि कठिन, विकट और विपरीत परिस्थितियों में भी बिना दबाव में आए और डरे या सहमे बिना आत्मविश्वास के साथ व्यापक और बड़े लक्ष्य निर्धारित करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सत्ता के जीवन का मूल्यांकन करें तो आपको दिख जाएगा उन पर यह सिद्धांत सटीक बैठता है। कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता या संभव ही नहीं कि निर्धारित बड़े सभी लक्ष्य उस रूप में हासिल भी हो जाए। सरकार के प्रमुख होने के नाते जो लक्ष्य निर्धारित होते हैं, उनमें केवल मंत्रिमंडल ही नहीं, नौकरशाह, केंद्र से लेकर राज्य और नीचे स्तर तक सारे सरकारी कर्मचारी, मशीनरी और देश के लोगों का भी भरपूर भागीदारी और सहयोग चाहिए होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब इतिहास में सर्वाधिक निंदा, आलोचना, विरोध और पूरा राजनीतिक जीवन समाप्त करने के शक्तिशाली हमलों और षड्यंत्रों से जूझते हुए राष्ट्रीय क्षितिज पर आए तो अपने भाषणों से उन्होंने देश में अपेक्षाएं बढ़ाईं। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहता कि हमको बदला हुआ कानून, बदली हुई पूरी व्यवस्था मिले, तभी मैं विकास करूंगा बल्कि जो ढांचा है, उसी में मैं भारत को विश्व की प्रमुख शक्ति बनाऊंगा। स्वाभाविक ही देश ने उन पर विश्वास किया और उसके अनुरूप उन्हें 2014 में चुनावी सफलता मिली। प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमों की सफलताओं के बड़े अंश का दायित्व उस पूरे संघ विचार परिवार को भी जाता है, जिसके वे स्वयंसेवक और प्रचारक रहे। दरअसल, भाजपा अन्य पार्टियों से इस मायने में भिन्न है क्योंकि पूरे संघ संगठन परिवार के लोगों के अंदर यह भाव रहता है कि यह पार्टी या तो हमारी विचारधारा और लक्ष्य का प्रतिनिधित्व करती है या कम से कम उसके सबसे निकट है। इसलिए जो कुछ उनके अपने अनुकूल लगता है, उसमें चरित्र के अनुरूप संगठन लग जाते हैं। कोई विरोधी भले नकारे लेकिन मोदी की सफलताएं भी अद्भुत हैं। इनमें यहां व्यापक रूप से जाना संभव नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब इतिहास में सर्वाधिक निंदा, आलोचना, विरोध और पूरा राजनीतिक जीवन समाप्त करने के शक्तिशाली हमलों और षड्यंत्रों से जूझते हुए राष्ट्रीय क्षितिज पर आए तो अपने भाषणों से उन्होंने देश में अपेक्षाएं बढ़ाईं। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहता कि हमको बदला हुआ कानून, बदली हुई पूरी व्यवस्था मिले, तभी मैं विकास करूंगा बल्कि जो ढांचा है, उसी में मैं भारत को विश्व की प्रमुख शक्ति बनाऊंगा। स्वाभाविक ही देश ने उन पर विश्वास किया और उसके अनुरूप उन्हें 2014 में चुनावी सफलता मिली। कोई विरोधी भले नकारे, लेकिन मोदी की सफलताएं भी अद्भुत हैं। इनमें यहां व्यापक रूप से जाना संभव नहीं है।



जातीय अस्तित्व का कारक हो सकता है नुकसानदायक

मोदी को देश ने भारत के पहले हिंदू नेता के रूप में सिर पर बिठाया और ऐतिहासिक लोकप्रियता दी। इसे और आगे ले जाने का दायित्व उनके नेतृत्व में समूची सरकार और भाजपा का था और है। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में जातीय पहचान और जातीय अस्तित्व का कारक फिर डरावने रूप में खड़ा हुआ है। अगर तुरंत सचेत होकर इससे साहसपूर्वक राजनीतिक जोखिम उठाकर बाहर निकालने और देश को निकालने के लिए व्यवहार और नीतियां नहीं हुई तो यह फिर से बहुत बड़ी समस्या बन सकती है। दूसरे, जब देश को 2047 तक दुनिया की बड़ी शक्तियों के समक्ष हर दृष्टि से खड़ा करने का लक्ष्य है, तब सरकार और संसद से लेकर पार्टी के अंदर उसी तरह के प्रतिबद्ध, योग्य, समझ रखने वाले और इसके लिए ही जान लगा देने वाले लोगों की संख्या होनी चाहिए। ऐसा न हो कि पार्टी के ज्यादातर नेता स्वयं को सुरक्षित करने में लगे रहें और केवल औपचारिक रूप से कार्यक्रमों में भागीदारी हो। मोदी जी और उनके निकटतम साथी गृह मंत्री अमित शाह ने जो किया वह अद्भुत है। लेकिन क्या उनके बाद की दृष्टि से भी भाजपा में ऐसी टीम खड़ी हो रही है, जो इतनी व्यापक सोच, प्रतिबद्धता और निष्ठा से केवल देश को केंद्र में रखकर राजनीति और सत्ता संचालन करें? उनके जिम्मे ये दो महत्वपूर्ण आवश्यक दायित्व हैं जिसे उन्हें अपने सेवानिवृत होने के पहले हर हाल में पूरा करना चाहिए।

लोगों के व्यवहार में आया बदलाव

कुछ उदाहरण ले सकते हैं। सरकारी नीतियों में समाज सुधार जैसे कार्यक्रम यानी स्वच्छता अभियान, उज्ज्वला योजना ,बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, लोग सौर ऊर्जा अपनाएं और बिजली बेचें ,खेत की मेड़ों पर वृक्ष लगाएं, फुहारे वाले यानी स्प्रिंकल सिंचाई का उपयोग करें, मोबाइल का धन लेने और भुगतान में उपयोग करें,लखपति दीदी, सरकारी जमीन और आवास घर की महिलाओं के नाम रजिस्ट्री करवाने आदि-आदि। समाज के निचले स्तर पर इनके प्रभावों का अध्ययन करने वाले निष्पक्ष लोग देख रहे हैं कि क्या हुआ। यह नहीं कहा जा सकता, जैसे लक्ष्य थे, जिस प्रकार अभियान आरंभ हुआ, वैसे ही सब कुछ हो गया। लेकिन लोगों के अंदर स्वच्छता, स्वच्छ ईंधन, सिंचाई में पानी बचाने आदि का विचार पैदा हुआ। यह भी सच है कि अनेक राज्यों में सरकारी महकमों ने लोगों के बीच जाकर जन जागरूकता फैलाने और अभियान के स्तर पर इन कार्यक्रम को सफलता तक ले जाने की ईमानदार भूमिका नहीं निभाई। अगर हमारे स्वभाव में ही गंदगी है तो फिर कोई प्रधानमंत्री पूरी तरह दूर नहीं कर सकता। बावजूद यह मानना पड़ेगा कि 2014 से लेकर 2026 तक लोगों की मानसिकता, व्यवहार और इन कार्यक्रमों की परिणतियों से बहुत बड़ा अंतर आया है।

पंचायतों की भूमिका शर्मनाक

विरोधियों में नरेंद्र मोदी और भाजपा आदि को लेकर अजीब किस्म की वितृष्णा और घृणा है। वे हर कार्यक्रम का मजाक उड़ाते हैं और स्वाभाविक ही उनका जो देश के नागरिक और नेता के नाते जैसा सहयोग मिलना चाहिए, वह नहीं मिलता है। सारे विषय सामाजिक - आर्थिक क्रांति के हैं और इसमें सबकी भागीदारी चाहिए जो नहीं हो पाई है। राहुल गांधी से लेकर अनेक नेता स्वच्छता अभियान का मजाक उड़ाते हैं, लेकिन क्या उनका दायित्व नहीं था, इसमें सहभागिता करके इसे सफलता तक ले जाने के लिए परिश्रम करें? स्वच्छता अभियान तो गांधी जी के जन्म दिवस पर आरंभ हुआ और उनके डेढ़ सौ वीं जन्म शती वर्ष को ध्यान में रखते हुए। इसी तरह प्राथमिक से लेकर मध्य विद्यालयों का कलेवर बदलने के अनेक कार्यक्रम नरेंद्र मोदी सरकार ने दिए और इसी में स्मार्ट क्लास एक था। यह सफेद झूठ है कि इस दिशा में कुछ नहीं हुआ। अगर आप धरातल पर जाएंगे तो बहुत कुछ हुआ लेकिन फिर सरकारी महकमों और पंचायतों की भूमिका कई स्तरों पर शर्मनाक रही है। जब ग्राम पंचायत के प्रधान वहां के वार्ड मेंबर ही चोरी करने लगेंगे और उनका उद्देश्य कार्यक्रम की सफलता से ज्यादा धन कमाना होगा तो कठिनाई आएगी। जहां लोग जागरूक थे, वहां परिवर्तन आए हैं।

नई शिक्षा नीति से परिवर्तन

शिक्षा सुधार की दृष्टि से नई शिक्षा नीति स्वतंत्रता के बाद ऐसा पहला प्रयास है जिसमें छात्रों के बचपन से लेकर युवावस्था तक उनकी वास्तविक प्रतिभा के साथ आगे बढ़ने, अनुभवों, उनके जीवन दिशा निर्धारित होने तथा भारत की विविधताओं से एक-दूसरे से परिचित होने के कार्यक्रम हैं। जहां लागू हो रहे हैं, वहां धीरे-धीरे परिवर्तन आ रहा है। लेकिन जिन विरोधी सरकारों को केवल विरोध करना है और इसे भगवाकरण बताना है, वहां आप क्या कर सकते हैं। विदेश नीति और आतंकवाद विरोधी नीतियों तक का जब देश में विरोध होगा और एकजुटता नहीं दिखेगी, किसी भी प्रधानमंत्री के लिए शत प्रतिशत सफलता तक ले जाना कठिन होगा। इसके बावजूद मोदी सरकार ने पाकिस्तान के संदर्भ में सीमा पार आतंकवाद पर घर में घुसकर मारने का जो साहस दिखाया, उसे दुनिया स्वीकार रही है। जम्मू कश्मीर पहले से मौलिक तौर पर ज्यादा सुरक्षित हुआ है, किंतु अभी इसकी पूर्ण सुरक्षा और पाकिस्तान की हरकतों पर संपूर्ण नियंत्रण होना शेष है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को केंद्र बनाएं तो कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जो वाकई चिंताजनक हैं और उन पर गहराई से फोकस कर काम करने की आवश्यकता है।

विपक्ष के हर कटाक्ष से और मजबूत हुए मोदी



चुनौती

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

भारत जैसे देश में एक से बढ़कर एक नेता आए। देश की सत्ता परिवर्तन करने में कई नेताओं ने इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया और उसी कड़ी में हाल ही के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। लगातार ढाई दशक से देश की राजनीति की मुख्यधारा से जुड़े हुए हैं। कई बार विभिन्न तरीक़े के उतार-चढ़ाव आए लेकिन मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहते हुए अपने वर्चस्व को बनाए रखा। राजनीति में कई रिकॉर्ड अपने नाम किए और सिलसिला अभी भी जारी है। भारतीय राजनीति में नरेंद्र मोदी का उदय और उनका लंबे समय तक सत्ता के केंद्र में बने रहना समकालीन लोकतंत्र की एक महत्त्वपूर्ण राजनीतिक घटना है। विपक्ष की लगातार आलोचना, चुनावी चुनौतियों, बेरोजगारी, महंगाई और विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर उठते सवालों के बावजूद मोदी भारतीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरों में शामिल रहे हैं।

गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने तक का उनका राजनीतिक सफर इस बात का उदाहरण है कि किसी नेता की लोकप्रियता, संगठनात्मक ताकत, चुनावी रणनीति और जनता से संवाद की शैली किस तरह राजनीति की दिशा को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, यह सवाल कि क्या विपक्ष में कोई नेता उनका मुकाबला कर सकता है, केवल लोकप्रियता के आधार पर नहीं, बल्कि चुनावी परिणामों, नेतृत्व, संगठन और वैकल्पिक नीतियों के आधार पर भी समझा जाना चाहिए । नरेंद्र मोदी ने अक्टूबर 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री का पद संभाला और दिसंबर 2012 तक इस पद पर बने रहे। इस दौरान गुजरात की राजनीति में उनका नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी की चुनावी रणनीति का प्रमुख हिस्सा बन गया। विकास, प्रशासन, निवेश और मजबूत नेतृत्व की छवि को उन्होंने अपने राजनीतिक संदेश का केंद्रीय आधार बनाया। उनके समर्थकों ने इस मॉडल को गुजरात के विकास से जोड़ा, जबकि आलोचकों ने सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक मुद्दों पर सवाल भी उठाए। वर्ष 2014 में भाजपा ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का प्रमुख चेहरा बनाकर लोकसभा चुनाव लड़ा। पार्टी ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया और मोदी प्रधानमंत्री बने। वर्ष 2019 में भाजपा ने एक बार फिर अपना बहुमत बढ़ाया। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीटों पर सिमट गई और अपने दम पर बहुमत से दूर रही लेकिन एनडीए ने बहुमत प्राप्त किया और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। यह तथ्य उनके राजनीतिक प्रभाव के साथ-साथ गठबंधन की राजनीति के महत्त्व को भी रेखांकित करता है। लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना, उसकी नीतियों की समीक्षा करना और जनता के सामने वैकल्पिक दृष्टिकोण रखना है। मोदी सरकार को भी महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, सामाजिक सद्भाव, केंद्रीय संस्थाओं की भूमिका और लोकतांत्रिक जवाबदेही जैसे मुद्दों पर विपक्ष की आलोचना का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर, मोदी और भाजपा ने कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे, डिजिटल सेवाओं, राष्ट्रीय सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की भूमिका और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण जैसे विषयों को अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत किया है। प्रधानमंत्री की सार्वजनिक सभाएं, रेडियो कार्यक्रम, डिजिटल माध्यमों पर सक्रियता और व्यापक चुनावी प्रचार उनकी राजनीतिक शैली के प्रमुख हिस्से रहे हैं। मोदी की राजनीति की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि वे राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों को स्थानीय चुनावी विमर्श से जोड़ने का प्रयास करते हैं। इससे समर्थकों तक एक स्पष्ट संदेश पहुंचता है। हालांकि, किसी भी नेता की छवि केवल उसके अपने प्रचार से निर्धारित नहीं होती; जनता का अनुभव, स्थानीय उम्मीदवारों का प्रदर्शन और सरकार के कामकाज का मूल्यांकन भी चुनावी फैसलों को प्रभावित करता है। कांग्रेस ने स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक भारतीय राजनीति में केंद्रीय भूमिका निभाई। बाद के दशकों में भाजपा के विस्तार, क्षेत्रीय दलों के उभार और बदलते सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों ने कांग्रेस की स्थिति को चुनौती दी। वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। इससे राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी नेतृत्व को लेकर सवाल उठे। लेकिन वर्ष 2024 के चुनाव ने यह भी दिखाया कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अपनी राजनीतिक स्थिति में सुधार कर सकते हैं। कांग्रेस ने 2019 की 52 सीटों के मुकाबले 2024 में 99 सीटें हासिल कीं। विपक्षी दलों के गठबंधन ने भी कई राज्यों में भाजपा के सामने प्रभावी चुनौती प्रस्तुत की। इसलिए यह कहना कि कांग्रेस या पूरा विपक्ष मुकाबले की स्थिति में नहीं है, चुनावी तथ्यों की पूरी तस्वीर प्रस्तुत नहीं करता। राजनीतिक मुकाबला केवल किसी एक नेता की लोकप्रियता से तय नहीं होता। संगठन की मजबूती, उम्मीदवारों का चयन, क्षेत्रीय नेतृत्व, सामाजिक समीकरण, गठबंधन, स्थानीय मुद्दे और मतदाताओं की अपेक्षाएं भी इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। तमाम चुनौतियों के बाद भी मोदी ने अपनी लोकप्रियता में अब तक कोई कमी नहीं आने दी। विपक्ष द्वारा बनाए गए 'इंडिया' गठबंधन ने एक बार को तो मोदी को बड़ी टक्कर देने की हुंकार भी भर ली थी, लेकिन बावजूद इसके किला नहीं भेद पाए। ऐसे नेता शताब्दियों में एक बार पैदा होते हैं।

विपक्ष की लगातार आलोचना, चुनावी चुनौतियों, बेरोजगारी, महंगाई और विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर उठते सवालों के बावजूद मोदी भारतीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरों में शामिल रहे हैं। ऐसे नेता शताब्दियों में एक बार पैदा होते हैं।

अलग विचारधारा पर आधारित राजनीति



विशेषता

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

आप जानते ही हैं कि हमारे यहां राजनेताओं की भीड़ है। उनमें से कई राजनीतिक परिवारों से आते हैं। वे पिता या दादा की वजह से आगे बढ़ते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इनसे अलग हैं। वे एक साधारण परिवार से आए। उन्होंने खुद अपनी राह बनाई। उनके पिता चाय बेचते थे। बचपन में मोदी भी चाय की दुकान पर मदद करते थे। वे पढ़ाई करते रहे। बाद में आरएसएस से जुड़े। उन्होंने देश भर में यात्राएं कीं। देश को समझा। संगठन का काम किया। मेहनत से ऊपर उठे। वे 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने। 2014 में प्रधानमंत्री बने। तब से वे देश का नेतृत्व कर रहे हैं। यही बड़ा अंतर है। कई नेता जन्म से सत्ता में होते हैं। मोदी ने संघर्ष किया। उन्होंने परिवार को राजनीति से दूर रखा। कई राजनेताओं के बच्चे मंत्री या सांसद बन जाते हैं। मोदी के परिवार ने ऐसा नहीं किया। वे कहते हैं कि सत्ता सेवा है। व्यक्तिगत लाभ नहीं। मोदी की बोलने की शैली भी अलग है। वे छोटे और साफ वाक्य बोलते हैं। लोग आसानी से समझ जाते हैं। वे कठिन शब्दों से बचते हैं। वे भावनाओं से जुड़ते हैं। वे नारे लगाते हैं। जैसे सबका साथ सबका विकास। ये नारे याद रह जाते हैं। वे मंच पर खड़े होकर सीधे लोगों की बात करते हैं। वे हास्य का भी इस्तेमाल करते हैं। इससे भीड़ जुड़ जाती है। वे सोशल मीडिया का खूब इस्तेमाल करते हैं। ट्विटर और इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हैं।

मन की बात कार्यक्रम चलाते हैं। इसमें वे रेडियो पर सीधे लोगों से बात करते हैं। बाकी कई राजनेता अखबारों और टीवी पर निर्भर करते हैं। मोदी सीधे पहुंचते हैं। वे अपनी बात को कहानियों और उदाहरणों से जोड़ते हैं। इससे लोग आसानी से याद रख लेते हैं। प्रख्यात राजनीतिक विश्लेषक बिक्रम उपाध्याय कहते हैं कि मोदी जी का काम करने का तरीका भी अलग है। वे योजनाओं की निगरानी करते हैं। अधिकारी रिपोर्ट देते हैं। वे खुद जांच करते हैं। गुजरात में उन्होंने कई प्रयोग किए। बाद में उन्हें पूरे देश में लागू किया। वे काम टालते नहीं हैं। वे अफसरों और अपने मंत्रियों से सवाल पूछते हैं। जरूरत पड़ने पर कसते भी हैं। वे सुबह जल्दी उठते हैं। लंबे समय तक काम करते हैं। वे विवरण सुनते हैं और तुरंत फैसला लेते हैं। कई राजनेता बैठकों में समय बिताते हैं। मोदी परिणाम चाहते हैं। मोदी की पहल पर कई योजनाएं शुरू की गईं। स्वच्छ भारत मिशन से करोड़ों शौचालय बने। गांव खुले में शौच से मुक्त घोषित हुए। जन धन योजना से करोड़ों बैंक खाते खुले। गरीबों को सीधा पैसा मिला। उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन दिए। डिजिटल इंडिया से ऑनलाइन सेवाएं बढ़ीं। आयुष्मान भारत से स्वास्थ्य बीमा मिला। ये योजनाएं अमल पर जोर देती हैं। कई राजनेता वादे करते हैं। अमल कम दिखता है। मोदी ने निगरानी बढ़ाई। जल जीवन मिशन से गांवों में नल का पानी पहुंचा। प्रधानमंत्री आवास योजना से घर बने। इन योजनाओं ने गरीबों की जिंदगी में बदलाव लाया। राष्ट्रीय सुरक्षा पर उनका ध्यान ज्यादा है। आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख रहा। सर्जिकल स्ट्राइक जैसी कार्रवाई हुई। विदेश नीति में वे सक्रिय हैं। भारत की छवि मजबूत करने की कोशिश की। क्वाड जैसी व्यवस्था में हिस्सा लिया। उन्होंने योग दिवस को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बात रखी। मोदी की छवि साफ-सुथरी है। व्यक्तिगत भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे। ये छोटी बात नहीं है। वे सादा जीवन जीते हैं। शाकाहारी हैं। अनुशासन पसंद करते हैं। कई राजनेताओं पर घोटालों के आरोप लगते हैं। वे परिवार को सत्ता से दूर रखते हैं। यह भी एक बड़ा फर्क है। कुछ लोग कहते हैं कि वे बहुत ताकतवर हैं। फैसले केंद्र से होते हैं। इससे संस्थाओं पर प्रभाव पड़ता है। चुनाव आयोग जैसे मामलों में सवाल उठे हैं। कुछ कहते हैं कि अल्पसंख्यकों की चिंता कम है। हिंदुत्व पर जोर ज्यादा है। किसान आंदोलन और बेरोजगारी पर विपक्ष आलोचना करता है। महंगाई और नौकरियों की कमी भी मुद्दा रहा। समर्थक कहते हैं कि विकास हो रहा है। सड़कें और पुल बन रहे हैं। डिजिटल भुगतान बढ़ा। विपक्ष कहता है कि असमानता बढ़ी है। नौकरियां पर्याप्त नहीं बनीं। मोदी की राजनीति विचारधारा पर आधारित है। वे बाकी राजनेताओं से अलग हैं। नेता अच्छे या बुरे नहीं होते। उनके काम और नतीजे मायने रखते हैं। मोदी ने राजनीति का तरीका बदला है। आगे क्या होगा यह समय बताएगा।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' कार्यक्रम चलाते हैं। इसमें वे रेडियो पर सीधे लोगों से बात करते हैं। बाकी कई राजनेता अखबारों और टीवी पर निर्भर करते हैं। मोदी सीधे पहुंचते हैं। वे अपनी बात को कहानियों और उदाहरणों से जोड़ते हैं। इससे लोग आसानी से याद रख लेते हैं।

देश ने अपना खोया गौरव हासिल किया



उपलब्धि

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

सात अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने जब गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तब शायद ही किसी ने सोचा था कि वे एक साल का भी कार्यकाल पूरा कर पाएंगे। राजनीतिक जानकारों और गुजरात के लोगों की इस सोच के पीछे वजहें भी थीं। मोदी का गुजरात का सरदार बनने से पहले के पांच वर्षों में राज्य को चार मुख्यमंत्रियों को देखना पड़ा था। मोदी राज्य के किसी ताकतवर जाति समुदाय से भी नहीं थे और सबसे बड़ी बात कि मुख्यमंत्री बनने से पहले उन्होंने कोई चुनाव भी नहीं लड़ा था। हां, पर्दे के पीछे की राजनीति के मंजे हुए खिलाड़ी के तौर पर वे स्थापित हो चुके थे।

इतना ही नहीं, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर राज्यों के बीजेपी प्रभारी के रूप में भी अपनी सियासी समझ का वे लोहा मनवा चुके थे। लेकिन मोदी ने सभी आशंकाओं को ना सिर्फ खारिज कर दिया है, बल्कि चौथाई सदी तक लगातार सत्ता का केंद्र बिंदु रहने वाले वाली शख्सियत बन चुके हैं। बेशक मोदी मार्ग की इन दिनों आलोचना हो रही है, लेकिन आने वाले दिनों में जब नरेंद्र मोदी का इतिहास लिखा जाएगा, निश्चित तौर पर मोदी मार्ग या मोदीत्व की अवधारणा को भी स्वीकार किया जाएगा। किसी शख्सियत के जरिए शुरू पंथ या वैचारिक धारा को उसके जीवन काल में सर्व मान्यता और सर्वस्वीकार्यता कम ही मिलती है। लेकिन जब वही शख्सियत इतिहास की धारा में विलीन हो जाती है, तो उसकी दिखाई राहों को पंथ का दर्जा मिल जाता है। गांधी बेशक अपनी जिंदगी में ही महात्मा के रूप में स्थापित हो चुके थे, लेकिन उनके कई प्रयोगों की उसी तरह आलोचनाएं हो रही थीं, जैसे आज मोदी के कई कदमों की कटु आलोचना उनके वैचारिक विरोधी करते हैं। वैसे भी भारतीय समाज पदधारियों का शुरू में स्वागत करता है, बाद में उसका विरोधी हो जाता है। लेकिन वही शख्सियत जब इतिहास में समाहित हो जाती है, समाज उसका कुछ अपवादों को छोड़ प्रशंसक हो जाता है। बीजेपी की ही राजनीति का उदाहरण लें सकते हैं। एक दौर में बीजेपी विरोधियों की नजर में अटल उदार थे और आडवाणी कट्टर। लिहाजा वे आलोचनाओं के केंद्र में थे। लेकिन जैसे ही अटल युग की समाप्ति हुई, आडवाणी उन्हीं विरोधियों की नजर में आदर के पात्र होते गए और मोदी के कटु आलोचकों की संख्या बढ़ती गई। कुछ इसी अंदाज में भारतीय जनता पार्टी की राजनीति में आने वाले दिनों में कोई अन्य नेता उभरा तो हो सकता है कि मोदी बीजेपी विरोधियों की नजर में ही प्रशंसा का पात्र बन जाएं और बीजेपी का दूसरा नेता आडवाणी और मोदी की तरह आलोचनाओं के केंद्र में आ जाए। मोदी की सबसे बड़ी चुनौती खुद की स्वीकार्यता बढ़ाना रही, इसमें वे कामयाब रहे। इतना ही नहीं, वे सबसे ज्यादा समय तक सत्ता को खुद के इर्द-गिर्द केंद्रीकृत करने में भी सफल रहे हैं। आज भारत की केंद्रीय सत्ता ही नहीं, भारतीय जनता पार्टी का संगठन भी उन्हीं के इर्द-गिर्द केंद्रित है। यह मोदी का दुर्भाग्य रहा कि उनके सत्ता संभालने के महज छह महीने बाद ही राज्य को गोधरा कांड की वजह से भयानक सांप्रदायिक दंगों का सामना करना पड़ा। देश के वामपंथी सोच से प्रभावित स्वयंसेवी संगठनों ने उनके खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर मोर्चा खोल दिया। एक तरह से मोदी को राजनीतिक घृणा का पात्र बनाने की कोशिश की गई। गुजरात दंगों के साथ ही इशरत जहां मुठभेड़ कांड को लेकर उनके खिलाफ सीबीआई जांच हुई। लेकिन मोदी गजब जीवट के धनी हैं। मोदी रुके नहीं। गुजरात में जब चीजें पटरी पर आनी शुरू हुईं तो उन्होंने राज्य के विकास को लेकर अपना मॉडल पेश किया। जिसे कालांतर में देश ने उसे 'गुजरात मॉडल' के नाम से जाना। मोदी ने अपने लंबे शासन काल में ढेरों उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन मोटे तौर पर कहा जा सकता है कि उनके शासनकाल में भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि में सुधार हुआ है। मोदी ने आर्थिक मोर्चे पर देश को बहुत गति दी है। मोदी कहते हैं कि उनकी नजर में सिर्फ चार जातियां हैं, महिला, युवा, गरीब और किसान। मोदी के लंबे शासन काल में इन चारों ही वर्गों का ध्यान ठीक से रखने की कोशिशें बढ़ी हैं। मोटे तौर पर कह सकते हैं कि मोदी राज में देश ने अपना खोया गौरव हासिल करने की दिशा में एक मजबूत कदम जरूर बढ़ाया है।



मोटे तौर पर कहा जा सकता है कि मोदी के शासनकाल में देश की अंतरराष्ट्रीय छवि में सुधार हुआ है। उन्होंने आर्थिक मोर्चे पर देश को बहुत गति दी है। उनकी नजर में सिर्फ चार जातियां हैं- महिला, युवा, गरीब और किसान। मोदी के लंबे शासन काल में इन चारों ही वर्गों का ध्यान ठीक से रखने की कोशिशें बढ़ी हैं।

खबर संक्षेप

रियासी में 4 संदिग्ध दिखे, तलाश जारी

रियासी। रियासी जिले के रड्डु पुल क्षेत्र में तीन से चार संदिग्धों को देखे जाने की सूचना के बाद पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया। शुक्रवार रात शुरू हुआ अभियान शनिवार को भी जारी रहा। इस दौरान रड्डु पुल के साथ लगते धरान और ठाकरा कोट क्षेत्र के जंगलों को भी खंगाला गया, लेकिन कोई संदिग्ध हाथ नहीं लगा।



मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, 9 की मौत

इंफाल। मणिपुर के नागा-बहुल कामजोंग जिले के कुकी-बहुल चसाड गांव में एक महिला को शुक्रवार रात गर्दन के पास गोली मार कर हत्या कर दी। इसके बाद कुकी और नागा हथियारबंद गुटों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई। इस दौरान 10 घरों में आग भी लगा दी गई।



भारतीय मूल के युवक को 20 साल की जेल

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस की एक अदालत ने शुक्रवार को 29 वर्षीय भारतीय रोहन राणे को 20 साल की जेल की सजा सुनाई है। उस पर कम उम्र की लड़कियों को यौन गतिविधियों के लिए मजबूर करने वाले पुरुष समर्थक समूह का नेतृत्व करने का आरोप था। आरोपी का मुकदमा सोमवार को अदालत में शुरू हुआ था।



सुपरमार्केट में छत गिरने से 38 लोग घायल

दाएगू। दक्षिण कोरिया के दाएगू शहर के एक सुपरमार्केट की प्लास्टर वाली छत का कुछ हिस्सा गिर गया। हादसे में कम से कम 38 लोगों को मामूली चोटें आईं। छत गिरने की घटना सुबह 10:16 बजे हुई। इसके बाद 66 अन्य लोगों को इमारत से बाहर निकाला गया। हादसे के बाद नौ लोगों का अस्पतालों में इलाज किया गया।



मिड-डे मील में मिली छिपकली, 15 बच्चे बीमार

भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले के सुल्तानगंज में एक सरकारी स्कूल में मिड-डे मील के खाने में छिपकली मिलने का मामला सामने आया है। घटना कटहरा पंचायत के प्राथमिक विद्यालय आजाद नगर पनसल्ला की है। खाना खाने के बाद करीब 15 बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। सभी बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया है।



मन्नार की खाड़ी में बना डिप्रेशन, 21 राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली। मानसून की विदाई के बाद भी देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज बिगड़ सकता है। रविवार को दिल्ली से लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश तक बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक कई राज्यों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। विभाग ने कुछ इलाकों में आंधी का भी अनुमान जताया है।



ओला स्कूटर ठीक करे या ब्याज सहित पैसा लौटाए

मोहाली। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने लंबी सर्विस लापरवाही के मामले में ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और उसके फेस-2 सर्विस सेंटर के खिलाफ सख्त फैसला दिया है। आयोग ने कंपनी को निर्देश दिया वह खराब इलेक्ट्रिक स्कूटर को 30 दिन में ठीक करे या ब्याज सहित पूरी रकम लौटाए।



पीएम ने महिला और बाल विकास पर राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की

महिलाओं और बच्चों की देखभाल, सुरक्षा और सशक्तिकरण पर दिया जोर, 'चिंतन शिविर' लगाकर समग्र विकास पर ध्यान दें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में महिला और बाल विकास पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की।



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में महिला और बाल विकास पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की। विभागीय शिखर सम्मेलनों की श्रृंखला का हिस्सा रहे इस सम्मेलन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित हुए। इसमें पोषण और बचपन की देखभाल, बच्चों की सुरक्षा, महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण तथा बेहतर तालमेल के माध्यम से सेवाओं की पहुंच को मज़बूत करने जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री ने गहन चर्चा की सराहना की और केंद्र तथा राज्यों के बीच मिलकर फ़ैसले लेने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि राज्य जिला स्तर और नगर पालिका व महानगर पालिका स्तर पर इसी तरह के 'चिंतन शिविर' आयोजित करके इस मॉडल को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए भी विशेष 'चिंतन शिविर' आयोजित करने का सुझाव दिया, ताकि वे अनुभव, विचार और व्यावहारिक समाधान एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें।

खास बातें

- विवि आंगनवाड़ी केंद्रों को गोद ले सकते हैं और अध्ययन कर सकते हैं
- महिला सुरक्षा पर विभागों को ऐहतियाती उपायों पर बल दिया

आंगनवाड़ियों को सामुदायिक भागीदारी का केंद्र बनाने का आह्वान



बच्चों को हर हाल में प्रोत्साहित करें

प्रधानमंत्री ने 'जन भागीदारी' पर ज़ोर देते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र को अलग-थलग संस्थान के रूप में काम नहीं करना चाहिए, इसे सामुदायिक भागीदारी का केंद्र बनना चाहिए। परिवारों को भी विशेष अवसरों पर बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन, खिलौने और स्थानीय स्तर पर उपयोगी चीज़ें देकर प्रोत्साहित करें।

विवि आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ जुड़ें

प्रधानमंत्री ने विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ और अधिक जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आस-पास के आंगनवाड़ी केंद्रों को गोद ले सकते हैं और सामाजिक प्रभाव से जुड़े अध्ययन कर सकते हैं। श्री मोदी ने कहा कि इससे छात्रों को योगदान देने का मौका मिलेगा और सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए उपयोगी जानकारी भी मिलेगी।

युवा ही 'विकसित भारत' का निर्माण करेंगे

प्रधानमंत्री ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के बारे में बच्चों के लिए उम्र के हिसाब से उपयुक्त मॉड्यूल तैयार करने का सुझाव दिया। मोदी ने अलग-अलग विभागों के प्रयासों को मिलाकर रोकथाम के उपायों पर भी ज़ोर दिया।प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि मंत्रालय और राज्यों से जुड़ी ज़िम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आज आंगनवाड़ी केंद्रों में पल-बढ़ रहे बच्चे ही आगे चलकर युवा और नागरिक बनेंगे जो 'विकसित भारत' का निर्माण करेंगे।

'स्वच्छता अभियान' को सक्रिय बनाएं

प्रधानमंत्री ने साफ़-सफ़ाई, स्वास्थ्य और पोषण के बीच गहरे संबंध का उल्लेख करते हुए देश भर के महिला एवं बाल विकास विभागों से 'स्वच्छता अभियान' की सक्रिय रूप से ज़िम्मेदारी लेने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अच्छा स्वास्थ्य और पोषण साफ़-सफ़ाई से ही शुरू होता है और आंगनवाड़ी केंद्र तथा आस-पास स्वच्छता जरूरी है।

'वोकल फ़ॉर लोकल' को बढ़ावा दें

प्रधानमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए 'वोकल फ़ॉर लोकल' यानी स्थानीय के लिए मुखर और 'एक ज़िला एक उत्पाद' जैसे राष्ट्रीय आंदोलनों को बढ़ावा दें। महिलाओं के समूह और सामुदायिक संस्थाएं स्थानीय उत्पादों, आजीविका और आर्थिक सशक्तिकरण को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण भागीदार बन सकती हैं।

मेट्रो कॉरिडोर, हाईवे में सुधार और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर की 13 हजार करोड़ की परियोजना की देंगे सौगात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को चेन्नई के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान पीएम 13,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास परियोजना लॉन्च करेंगे। इसमें नया मेट्रो कॉरिडोर, हाईवे में सुधार और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे अहम काम शामिल हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को बताया कि पीएम मोदी पूरी हो चुकी सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे, परियोजनाओं को देश को समर्पित करेंगे और नए कामों की आधारशिला रखेंगे। इसमें मेट्रो रेल, हाईवे, रेलवे, पोर्ट, पेट्रोलियम और शिक्षा से जुड़े काम शामिल हैं।

पीएम मोदी का तमिलनाडु दौरा आज



कोल बर्थ-ती का उद्घाटन करेंगे और ड्रेजिंग का काम शुरू करेंगे

कामराजार पोर्ट पर, पीएम मोदी कोल बर्थ-ती का उद्घाटन करेंगे और ड्रेजिंग का काम शुरू करेंगे। वह मनाली रिफाइनरी में सीपीसीएल के 1,620 करोड़ रुपए के लुब्रिकेंट बेस स्टॉक परियोजना की आधारशिला रखेंगे, जिसकी सालाना क्षमता 270,000 टन होगी।

पोरुर बाइपास से पूनामल्ली बाइपास तक और वापस मेट्रो की सवारी करेंगे

प्रमुख परियोजना में चेन्नई मेट्रो के फेज दो का 4,900 करोड़ का पूनामल्ली-वडापलानी रूट शामिल है। 3.7 किमी लंबे डबल-डेकर स्ट्रक्चर और ड्राइवरलेस ऑपरेशन के लिए डिजाइन किए गए सिग्नलिंग सिस्टम वाले इस कॉरिडोर से पश्चिमी उपनगरों और शहर के केंद्र के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है। पीएम मोदी सुबह 11.30 बजे पोरुर बाइपास से पूनामल्ली बाइपास तक और वापस मेट्रो की सवारी करेंगे। वे जलकंडेश्वर मंदिर जाएंगे और आईआईटी मद्रास में ब्रेन सेंटर का दौरा करेंगे।

'तरंग शक्ति' में सारंग टीम ने दिखाए करतब



प्रतिभागियों से मिलते (इनसेट में) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

भविष्य के रक्षा संबंधों का आधार आपसी भरोसा

जयपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को वायुसेना केंद्र में 'अभ्यास तरंग शक्ति 2026' के दूसरे संस्करण के प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देश, अलग-अलग विमान, अलग-अलग अनुभव, लेकिन एक ही आसमान। यही 'तरंग शक्ति' का संदेश है। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) द्वारा 26 सितंबर से 12 अक्टूबर 2026 के दौरान आयोजित इस बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में सात मित्र देशों (एफएफसी) - ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, फ्रांस, जर्मनी, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका की वायु सेनाओं के साथ-साथ 32 प्रेक्षक देश भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि भविष्य के रक्षा संबंधों का आधार आपसी भरोसा ही होगा।

फ्लोरिडा के तट से टकराया इसायस तूफान

9 लाख घरों की बिजली गुल दुकानें बंद, घरों में घुसा पानी

एजेंसी ▶▶ फ्लोरिडा

अमेरिका के मेक्सिको की खाड़ी से लगे तटीय इलाकों में शुक्रवार को इसायस तूफान टकराया। फ्लोरिडा और अलबामा में 170 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चली। भारी बारिश के बाद से कई घरों और दुकानों को नुकसान पहुंचा है।

पेड़ उखड़कर गिर गए और करीब 9 लाख घरों की बिजली गुल हो गई है। इन इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। तूफान के कारण कई घरों में पानी घुस गया। लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह



दी गई है। फ्लोरिडा के पैनहैंडल इलाके में कई दुकानें बंद, सड़क पर लगे साइन बोर्ड टूटकर गिरे। मौसम विभाग ने फ्लोरिडा और अलबामा की सीमा के पास समुद्र में करीब 2.1 मीटर तक ऊंची लहरें उठने की चेतावनी दी। इसायस 2026 में अटलांटिक महासागर में आया पहला तूफान है।

हेमकुंड साहिब के कपाट बंद

3.84 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मत्था टेका, शब्द कीर्तन हुआ

एजेंसी ▶▶ चमोली

सिखों के पवित्र तीर्थ हेमकुंड साहिब के कपाट शनिवार को साल की अंतिम अरदास के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस वर्ष धाम में रिकॉर्ड 3,84,573 से अधिक श्रद्धालुओं ने मत्था टेका।

कपाट बंद होने के ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने के लिए करीब चार हजार श्रद्धालु मौजूद रहे। पाकिस्तान से आए 40 सदस्यीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे ने भी इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बर्फबारी के बाद सफेद चादर



में लिपटे धाम तक श्रद्धालु बर्फीले रास्तों से पहुंचे और अंतिम अरदास में शामिल हुए। सुबह दस बजे सुखमनी साहिब के पाठ के साथ कपाट बंद करने की प्रक्रिया शुरू हुई। इसके बाद शब्द कीर्तन हुआ। दोपहर 12:30 बजे अंतिम अरदास और एक बजे हुक्मनामा लिया गया।

2020 दिल्ली दंगा

पूर्व आप पार्षद ताहिर एक और केस में दोषी करार, 12 सह-आरोपी बरी



कोर्ट से बाहर निकलता ताहिर हुसैन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े दयालपुर थाना क्षेत्र के एक मामले में दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को दंगे के लिए उकसाने के आरोप में दोषी ठहराया है। हालांकि, अदालत ने इस मामले में सह-आरोपियों अन्य 12 लोगों को सभी आरोपों से बरी कर दिया है।

शरजील इमाम को करना पड़ा सरेंडर

दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में आरोपी शरजील इमाम को शादी में शामिल होने के लिए मिली अंतरिम जमानत के दौरान मीडिया से संपर्क करना भारी पड़ा। दिल्ली की कड़कड़डूमा



अदालत ने शनिवार, 10 अक्टूबर को माना कि शरजील ने जमानत की शर्त का प्रथम दृष्टया उल्लंघन किया है। इसके बावजूद कोर्ट ने उनकी जमानत रद्द नहीं की, क्योंकि वह सरेंडर करने के लिए पहले ही निकल चुके थे। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने दिल्ली पुलिस की उस याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया, जिसमें शरजील की अंतरिम जमानत रद्द करने की मांग की गई थी।

अगली सुनवाई 16 नवंबर को

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने ताहिर हुसैन को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 147 (दंगे के लिए सजा) और धारा 109 (उकसाने) के तहत दोषी करार दिया है, जबकि अन्य आरोपों से उन्हें बरी कर दिया गया। अदालत ने ताहिर हुसैन की सजा की अवधि पर दलीलें सुनने के लिए आगामी 16 नवंबर की तारीख तय की है। मामले का विस्तृत आदेश आना अभी बाकी है।

गुजरात पुलिस में पूर्व अग्निवीरों की सीधी एंट्री

अहमदाबाद। राज्य सरकार ने गुजरात में पुलिस विभाग में भर्ती के लिए पूर्व अग्निवीरों को बड़ी राहत दी है। गृह विभाग द्वारा जारी संशोधित नियमों के अनुसार अब पुलिस विभाग के निर्दिष्ट वर्दीधारी पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया में पूर्व अग्निवीरों को लिखित परीक्षा से भी छूट मिलेगी। इस तरह सरकार ने अब फिजिकल और लिखित परीक्षाओं में छूट दी है।



आरपीएफ स्थापना दिवस पर आने वाले थे रेल मंत्री, महीनेभर से चल रही थीं तैयारियां

स्टेशन चमकाने रेलवे ने खर्च किए 4 करोड़ रेलमंत्री का चार साल में तीसरी बार दौरा रद्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव का आरपीएफ के 42वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने के लिए प्रस्तावित रायपुर दौरा कार्यक्रम से दो दिन पहले रद्द हो गया। समारोह में उन्हें आरपीएफ की परेड और अन्य आयोजनों में शामिल होना था। उनके आगमन को लेकर रेलवे प्रशासन ने करीब महीनेभर पहले से तैयारियां शुरू कर दी थीं। रायपुर रेलवे स्टेशन की मरम्मत और सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए चार करोड़ रुपए का टेंडर जारी कार्य किया गया था। वहीं आरपीएफ ने भी स्वागत और समारोह के लिए व्यापक इंतजाम किए थे।

खास खबर



रेलमंत्री का दौरा रद्द

आरपीएफ के 42वें स्थापना दिवस पर प्रस्तावित रेलमंत्री का दौरा रद्द हुआ है। आरपीएफ की परेड व अन्य आयोजन होंगे।
- सुस्कर विपुल विलासराव, सीनियर डीसीएम, रायपुर

सामान्य सालाना खर्च से चार गुना राशि का टेंडर

रेलमंत्री के दौरे की तैयारियों के बीच रायपुर स्टेशन की मरम्मत और रखरखाव के लिए चार करोड़ रुपए का टेंडर जारी किया गया था। रेलवे स्टेशन की सालाना मरम्मत और रखरखाव पर सामान्य तौर पर करीब एक करोड़ रुपए खर्च होने की बात कही जाती है। इस बार मरम्मत कार्य के लिए जारी टेंडर की राशि सामान्य सालाना खर्च की तुलना में चार गुना है। हालांकि स्टेशन का पुनर्विकास गति शक्ति योजना के तहत पहले से ही चल रहा है। टेंडर के बाद संबंधित एजेंसी ने स्टेशन के विभिन्न हिस्सों में मरम्मत और सुधार कार्य किए। प्लेटफॉर्म और स्टेशन भवन के खराब हिस्सों में गटर शीट, कोटा स्टोन, ग्रेनाइट और चकर टाइल्स की मरम्मत की गई। पटरियों के किनारे पड़े पत्थरों की सफाई की गई। पाइपलाइन में सुधार के साथ जरूरत वाले हिस्सों में पेंटिंग भी कराई गई।

फ्लाईदुबई घटना में जांच के बाद यूएई के अटॉर्नी-जनरल का दावा

प्राइवेट कोच से बॉक्सिंग की ट्रेनिंग ली थी

9/11 हमले से प्रेरित था को-पायलट निशाने पर था 'तेल अवीव' एयरपोर्ट

एजेंसी ▶▶ अबू धाबी

यूएई के अटॉर्नी-जनरल डॉ. हमद सैफ अल शम्सी ने कहा कि 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड1073 से जुड़ी घटना की जांच से पता चला है कि विमान के ओमानी को-पायलट ने कथित तौर पर विमान पर कब्जा करने और उसे तेल अवीव के बेन गुरियन एयरपोर्ट के पैसेंजर टर्मिनल से टकराकर ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान लेने के मकसद से एक आतंकवादी हमले की योजना बनाई थी। यह जानकारी यूएई की सरकारी समाचार एजेंसी डब्लूएएम के अनुसार है।

2017 में पढ़ाई के दौरान कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़ा

यूएई के अटॉर्नी-जनरल ने कहा कि 29 वर्षीय संदिग्ध ने 30 सितंबर, 2026 को दुबई से तेल अवीव जाने वाली फ्लाइट के दौरान इस कथित साजिश को अंजाम देना शुरू किया था। जांच में संदिग्ध की विचारधारा और पेशेवर बैकग्राउंड का पता लगाया गया और पाया गया कि उसके कथित तौर पर कट्टरपंथी बनने के संकेत सबसे पहले 2017 में मिले थे, जब वह ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई कर रहा था। उस दौरान, वह चरमपंथी साहित्य और आतंकवादी संगठनों व आत्मघाती हमलों का महिमामंडन करने वाले ऑनलाइन कंटेंट से प्रभावित हुआ था।

हिंसा और आतंकवाद के विचारों को अपनाया: अटॉर्नी-जनरल ने कहा कि बाद में संदिग्ध ने हिंसा और आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले विचारों को अपना लिया और 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका में हुए हमलों से प्रेरणा ली। संदिग्ध ने कथित हमले के लिए खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार किया था। इसके लिए उसने आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली सामग्री का सेवन किया और एक प्राइवेट कोच से बॉक्सिंग की ट्रेनिंग ली।

एनआईए करेगी स्मित पर हुए हमले की जांच



नई दिल्ली। 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड1073 के कॉकपिट में भारतीय कैप्टन स्मित मछर पर हुए जानलेवा हमले की जांच अब नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) करेगी। अधिकारियों ने शनिवार को बताया केंद्र सरकार के निर्देश पर एनआईए ने एंटी-हाइजाकिंग एक्ट, 2016 की धारा 3 और गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की सख्त धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। सरकार के अनुसार, यात्री विमान को हाईजैक या क्रैश कराने की कोशिश के चलते एनआईए से जांच कराना आवश्यक हो गया था। हालांकि, एफआईआर में हमले के सटीक मकसद या किसी अन्य साजिशकर्ता का जिक्र नहीं है।

बायोमीट्रिक टेंडर लेने वाले को ईओयू ने बिहार से धर-दबोचा

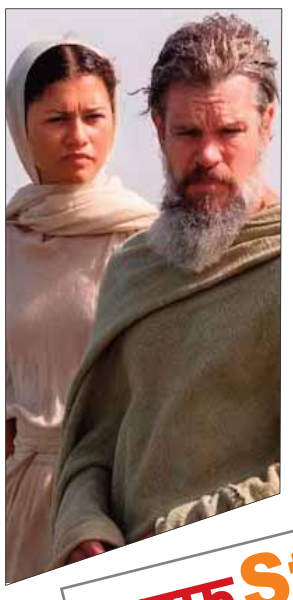
एजेंसी ▶▶ पटना

नीट पुनर्परीक्षा 2026 में मूल परीक्षार्थियों की जगह फर्जी अभ्यर्थियों को बैठाने के मामले में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने प्रमोद कुमार को गिरफ्तार किया है। उसे 9 अक्टूबर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। प्रमोद पर लखीसराय में नीट परीक्षा के बायोमीट्रिक सत्यापन का टेंडर लेने और कथित तौर पर फर्जी परीक्षार्थियों को प्रवेश का आरोप है।



सत्यापन की प्रक्रिया में गड़बड़ी की आशंका

इस मामले में परीक्षा केंद्र पर पहचान सत्यापन की प्रक्रिया में गड़बड़ी की आशंका है। जांच एजेंसी अब यह पता लगा रही है कि मामले में किन लोगों की क्या भूमिका थी और फर्जी अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल कराने की व्यवस्था कैसे की गई? 21 जून को लखीसराय के केंद्रीय विद्यालय, खगौर परीक्षा केंद्र पर पुनर्परीक्षा के में मूल अभ्यर्थियों की जगह स्कॉलर के शामिल होने की कोशिश का मामला आया था।



'द ओडिसी' ने भारत में रचा इतिहास, आईएमएएक्स से 100 करोड़ कमाने वाली पहली फिल्म बनी

मुंबई। हॉलीवुड निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी' ने भारत में इतिहास रच दिया है। सिर्फ आईएमएएक्स स्क्रीन्स के जरिए 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली पहली फिल्म बन गई है। इससे पहले किसी भारतीय या अंतरराष्ट्रीय फिल्म ने यह उपलब्धि हासिल नहीं की थी। यह फिल्म 17 जुलाई, 2026 को भारत और दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसने 16 सितंबर को अपने 9वें हफ्ते में यह आंकड़ा पार किया, जिसका आधिकारिक ऐलान अब किया गया है। निर्माताओं द्वारा की गई घोषणा के अनुसार, फिल्म की कुल भारतीय कमाई में आईएमएएक्स का योगदान लगभग 43 प्रतिशत रहा, जबकि देशभर में कुल स्क्रीनों में से सिर्फ 1 प्रतिशत से कुछ ज्यादा स्क्रीन आईएमएएक्स द्वारा प्रदर्शित की गई थीं। इस उपलब्धि के साथ, 'द ओडिसी' भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे कमाऊ आईएमएएक्स फिल्म बन चुकी है।

लाइफ Style

यामी गौतम

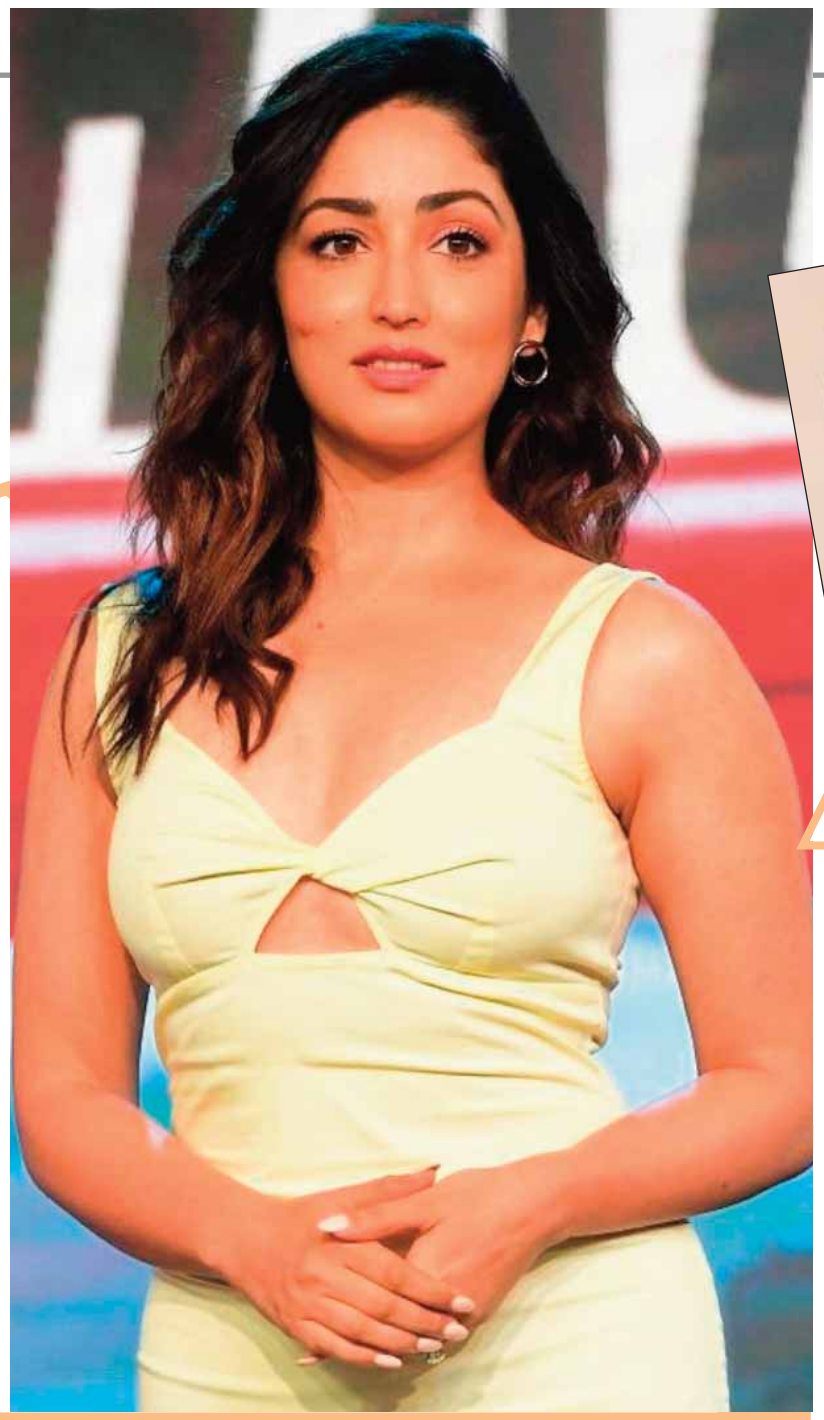
यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली' दशहरा के मौके पर दर्शकों का मनोरंजन करने आ रही है। फिल्म का ट्रेलर निर्माताओं द्वारा जारी किया जा चुका है, जिसमें अभिनेत्री का अब तक का सबसे अलग किरदार दिखा।

'नई नवेली' के गाने में जमकर झूमीं

एजेंसी ⏭ मुंबई

अब इसका नया गाना 'फटा पटाखा' यूट्यूब पर जारी किया गया है जो ऊर्जा से भरपूर एक धमाकेदार डांस पार्टी पर केंद्रित है। इसमें जॉम्बी के साथ यामी का डांस देखने लायक है। यह गाना सुनने वालों को झूमने पर मजबूर कर देगा। जॉम्बी पार्टी करती दिखीं यामी, दिखी अनोखी दुनिया जी म्यूजिक कंपनी द्वारा अमेजन, एमजीएम स्टूडियोज और कलर येलो के सहयोग से प्रस्तुत, 'फटा पटाखा' को मधुबंती बागची ने आवाज दी है।

संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है और बोल वायु ने लिखे हैं। गाने के वीडियो में जॉम्बी की एक अनोखी दुनिया दिखती है, जिसमें यामी डांस कर रही हैं। बालाजी मोहन द्वारा निर्देशित 'नई नवेली' एक मनोरंजक-पारिवारिक फिल्म है, जिसमें कॉमेडी, रहस्य और रोमांच का तड़का लगाया गया है। यह 16 अक्टूबर, 2026 को रिलीज होगी।



हॉलीवुड मसाला



दुर्लभ जीवों को बचाने देंगे 1,700 करोड़

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड सुपरस्टार लियोनार्डो डिकैप्रियो और अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ने विलुप्त होने की कगार पर खड़े दुर्लभ जीवों को बचाने के लिए एक बड़ी वैश्विक पहल की है। डिकैप्रियो के संगठन 'रीःवाइल्ड' और 'बेजोस अर्थ फंड' ने मिलकर 'फोनिक्स स्पीशीज प्रोजेक्ट' की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट के तहत दुनिया की 100 अति-संकटग्रस्त प्रजातियों, जिनमें पैंगोलिन, सालामैंडर और दुर्लभ जंगली सूअर शामिल हैं, जिनके संरक्षण के लिए लगभग 1,700 करोड़ रुपये की भारी-भरकम वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस पहल के लिए कुल 1,700 करोड़ रुपये का फंड तैयार किया गया है। इसमें से 850 करोड़ रुपये 'बेजोस अर्थ फंड' ने दिए हैं, जबकि बाकी 850 करोड़ रुपये डिकैप्रियो के 'रीःवाइल्ड', 'एज ऑफ यूनियन' और 'टॉड ग्रेव्स फैमिली फाउंडेशन' से मिले हैं।



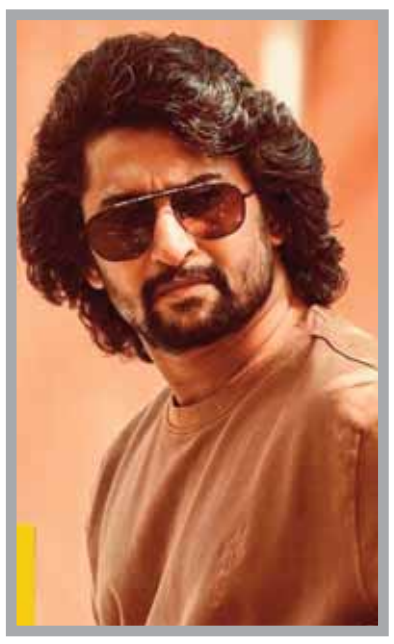
कीगन एलन के साथ हुई बंदूक की नोक पर लूटपाट

लॉस एंजिल्स। 'प्रीटी लिटिल लायर्स' और 'वॉकर' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हॉलीवुड अभिनेता कीगन एलन के साथ एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ है। बंदूक की नोक पर उनके साथ लूटपाट की गई और उनके साथ मारपीट भी हुई। ये हादसा वेस्ट हॉलीवुड में हुआ, जहां 2 नकाबपोशों ने उन पर अचानक हमला कर दिया। घटना के बाद अभिनेता ने अपना एक वीडियो साझा किया और दावा किया कि वेस्ट हॉलीवुड अब सुरक्षित नहीं है। ये घटना बुधवार को हुई, जब एलन एक किराने की दुकान के बाहर थे। हमलावरों ने पहले उनके सिर पर वार किया, उन्हें जान से मारने की धमकी दी और उनकी घड़ी चुरा ली। उन्होंने हमले विलप भी साझा किया। इसमें काले कपड़े पहने 2 लोग अभिनेता के पास आते और उन पर बंदूक तानते हुए दिख रहे हैं। एलन अपनी घड़ी उन्हें सौंपते हुए दिखाई देते हैं, जिसके बाद एक लुटेरा उनके सिर पर वार करता है। इस घटना से जुड़ा जो वीडियो एलन ने साझा किया, उसमें उनका सिर खून से लथपथ था। उन्होंने बताया, 2 नौजवानों ने बंदूक और चाकू की नोक पर मुझसे लूटपाट की। उन्होंने मेरी घड़ी के लिए मुझे जान से मारने की धमकी दी और मार भी डालते।



पैपराजी पर फूटा गुस्सा... अभिनेत्री ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई। सालों से बॉलीवुड से दूरी बनाने वालीं बिपाशा बसु अब फिल्मों में वापसी करने के लिए तैयार हैं। वह इन दिनों मुंबई में अपनी नई वेब सीरीज की शूटिंग में व्यस्त हैं। हालांकि, उनसे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों ने सवाल उठाए हैं कि बिपाशा वीडियो में पैपराजी पर भड़क गईं थीं, जिस पर अब अभिनेत्री ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए सफाई दी है। वीडियो में बिपाशा एक फिल्म स्टूडियो के बाहर दिखाई दीं, जहां पैपराजी भी मौजूद थे। इस दौरान वह जल्दी में लगीं और कथित तौर पर पैपराजी पर भड़क गईं। अभिनेत्री ने कहा, चलिए यहां से, किसने बुलाया आपको? इस वीडियो को एक इंस्टाग्राम अकाउंट ने साझा करते हुए बिपाशा पर उंगली उठाई कि वह पैपराजी को नजरअंदाज कर रही हैं और उन पर गुस्सा करती नजर आई हैं।



नानी ने किया निथिन की 'एलियास रुक्मिणी' का ऐलान

मुंबई। नानी अब एक नई तेलुगू फिल्म 'एलियास रुक्मिणी' के प्रस्तुतकर्ता बन गए हैं। यह फिल्म निथिन अभिनीत है और 4 दिसंबर, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह घोषणा अभी हुई है, साथ ही 13 अक्टूबर को फिल्म के मुख्य किरदार के बारे में और जानकारी देने का वादा किया गया है। नानी ने इस फिल्म को 'साल की सबसे खूबसूरत तेलुगू फिल्म' बताया है। मुरली कांत देवसोथ ने इस फिल्म का निर्देशन किया है और इसके निर्माता दीप्ती गांटा हैं। फिल्म की कहानी में एक दिलचस्प मोड़ है, जहां निथिन का किरदार खुलासा करता है कि रुक्मिणी, जिसका नाम एक लेखक के तौर पर सामने आता है, असल में उसकी पत्नी है। फिल्म की पहली शूटिंग शेड्यूल सितंबर में पूरी हो गई थी, जिसमें साई कुमार और हर्षा वर्धन जैसे कलाकार भी शामिल हुए थे।

टीवी मसाला



माधुरी दीक्षित के शो में आने वाले थे नाना पाटेकर, अब इस अभिनेत्री ने ली जगह

मुंबई। नाना पाटेकर सोनी मराठी के आगामी क्विज शो 'कोण होणार करोडपती' के पहले एपिसोड में आने वाले थे। शो की मेजबानी माधुरी दीक्षित कर रही हैं, जो दिग्गज अभिनेता के साथ फिल्म 'वजूद' (1998) में काम कर चुकी हैं। यह शो नाना और माधुरी के लंबे समय बाद पुनर्मिलन का प्रतीक बनने वाला था, लेकिन ऐसा मुमकिन नहीं हो सका। अभिनेता का 8 अक्टूबर को 75 साल की उम्र में अचानक दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। खबरों के मुताबिक, निधन से पहले नाना 'कोण होणार करोडपती' की शूटिंग करने वाले थे। अब उनकी जगह अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे को बतौर मेहमान प्रीमियर एपिसोड में देखा जाएगा। शो 12 अक्टूबर से शुरू हो रहा है और इसके साथ ही माधुरी व सोनाली पहली बार एक साथ स्क्रीन पर नजर आएंगी। दोनों का भारतीय सिनेमा में करियर काफी लंबा रहा है, लेकिन इसके बावजूद माधुरी और सोनाली ने कभी किसी फिल्म में साथ काम नहीं किया। माधुरी ने अपने इंस्टाग्राम पर नाना की तस्वीर साझा करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। उन्होंने लिखा था, 'एक महान कलाकार, एक सशक्त व्यक्तित्व और एक अविस्मरणीय आवाज... नाना पाटेकर के निधन से फिल्म जगत ने एक अनमोल और दिग्गज अभिनेता को खो दिया है। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। यह मेरी ओर से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि है।'

'बिग बॉस 20' में आम्रपाली दुबे ने स्काउटओपी की लव गिल से करीबी पर उठाए सवाल

'बिग बॉस 20' के घर में उस वक्त थोड़ा अजीब माहौल बन गया, जब आम्रपाली दुबे ने प्रतियोगी स्काउटओपी (तन्मय सिंह) और लव गिल के बीच बढ़ती नजदीकियों पर ध्यान दिलाया। दरअसल, स्काउट ने लव को उनकी शर्ट के अंदर से मसाज दिया था। इसके बाद आम्रपाली ने लव से बातचीत की और समझाया कि बाहर से देखने वालों को उनके ये काम कैसे लग सकते हैं। आम्रपाली ने लव को बहुत नरमी से समझाया कि उन्हें थोड़ा सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे पल उनके उन पार्टनर्स पर असर डाल सकते हैं, जो बाहर इंतजार कर रहे हैं। भले ही स्काउट ने लव के साथ अपने रिश्ते को भाई-बहन जैसा बताया हो, पर उन्होंने ये भी माना है कि उन्हें पजेसिवनेस महसूस होती है। फैंस ने इस बात पर खास ध्यान दिया है, क्योंकि उनकी गर्लफ्रेंड काश्वी हीरानंदानी शो के बाहर हैं।



'बिग बॉस' मलयालम 8 में विपिन दास की धमाकेदार एंट्री

मुंबई। एक बड़े एविक्शन के बाद, विपिन दास नैर ने 'बिग बॉस मलयालम 8' में वाइल्ड कार्ड के रूप में एंट्री की है, जिससे शो में हलचल मच गई है। वे अभिनय के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं और साथ ही कंटेंट क्रिएटर व आर्टिस्ट के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुके हैं। उन्होंने 2023 में 'द नेक्स्ट टॉप एंकर' शो में हिस्सा लिया था, जिसमें नायला उषा, साबूमोन, कार्तिक सूर्या और मीनाक्षी जैसे मशहूर लोग जज थे।



विपिन ने शो में भरी ऊर्जा

रियलिटी टीवी की दुनिया में कदम रखने और 'भरतनाट्यम' में एक छोटे से विवाद के बाद, विपिन 'बिग बॉस मलयालम' में अपनी अनोखी एनर्जी और कन्फेशन रूम के मजेदार पलों के साथ छा गए हैं। खास बात यह है कि मलयालम पढ़ने में उन्हें मुश्किल हो रही है, जिससे उनके 'बिग बॉस' के सफर को एक अनूठा मोड़ मिल गया है। इससे फैंस भी यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि वह आगे इस खेल में क्या बदलाव ला सकते हैं।

स्वरा-प्रियंका का खेल बिगाड़ने आ रहे ऋषभ, जशवंत और सोनम मलिक

मुंबई। रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल 2' में अब 3 नए वाइल्ड कार्ड प्रतियोगियों की एंट्री होने वाली है। इनमें अभिनेता और कंटेंट क्रिएटर ऋषभ जायसवाल, रियलिटी शो स्टार जशवंत बोपन्ना और अभिनेत्री सोनम मलिक के नाम शामिल हैं। शो को पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग होस्ट कर रहे हैं। स्वरा भास्कर और प्रियंका चाहर चौधरी जैसे प्रतियोगियों के बीच इन नए सदस्यों की एंट्री से मुकाबला और दिलचस्प होने की उम्मीद है।



शानदार प्रोमो से हुई वाइल्ड काइर्स की घोषणा

नए प्रतियोगी ऋषभ मशहूर टीवी एक्टर और कंटेंट क्रिएटर, जशवंत जानी-मानी रियलिटी टीवी पर्सनैलिटी और सोनम एक अभिनेत्री हैं। इसकी घोषणा अमेजॉन एमएक्स प्लेयर के अधिकारी सोशल मीडिया पेज पर की गई है। शानदार प्रोमो साझा करते हुए लिखा गया, 'एक नहीं, 2 नहीं, अब सीधा 3 नए प्लेयर। टावर का बैलेंस हिलने वाला है।' अब देखना ये होगा कि इन तीनों में कौन रूलर बनकर पेंटहाउस जाता है और कौन बेसमेंट का वर्कर बनता है।

शो में आने से पहले ही मिल गए थे संकेत

इस आधिकारिक घोषणा से पहले ही तीनों प्रतियोगियों ने सोशल मीडिया पर शो में आने के संकेत देने शुरू कर दिए थे। ऋषभ, सोनम और जशवंत ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर चेहरे छिपाकर और हाथों में काले रंग के वाइल्ड कार्ड लेकर तस्वीरें साझा की थीं।ऋषभ इससे पहले स्प्लिट्सविला 14' और 'रोडीज सीजन 19' में नजर आ चुके हैं, वहीं जशवंत भी रोडीज का हिस्सा रह चुके हैं और उन्होंने 'स्प्लिट्सविला 15' का खिताब अपने नाम किया था।

ये फैसला महाराष्ट्र में पड़े भीषण सूखे के बीच लिया गया है

'रामायण' के गाने का लॉन्च इवेंट रद्द, टालना पड़ा नवरात्रि का बड़ा कार्यक्रम

एजेंसी ⏭ मुंबई

रणबीर कपूर और साई पल्लवी की फिल्म 'रामायण पार्ट 1' जल्द ही दुनियाभर में रिलीज होने वाली है। इसी बीच रविवार, 11 अक्टूबर को महाराष्ट्र के रामटेक में इस फिल्म के एक गाने का लॉन्च इवेंट आयोजित होने वाला था। हालांकि, नवरात्रि के पहले दिन होने वाले इस इवेंट को टाल दिया गया है। ये फैसला महाराष्ट्र में पड़े भीषण सूखे के बीच लिया गया है, जिससे किसानों को राहत पहुंचाना सरकार की पहली प्राथमिकता है।



रामायण की टीम भी किसानों की मदद से लिए तैयार

पोस्ट में आगे लिखा गया, 'इस कार्यक्रम का उद्देश्य रामटेक की भूमि के महत्व को उजागर करना था, जिसे भगवान श्री रामचंद्र के चरणों के स्पर्श से पवित्र किया गया था।' उन्होंने बताया कि मौजूदा हालात में किसानों की मदद करना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। जयसवाल ने आगे कहा कि फिल्म की टीम ने किसानों की मदद करने की इच्छा जताई थी। उन्होंने उन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का भी शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने इस इवेंट का प्रचार किया था।

इंस्टाग्राम पर की गई थी इसकी घोषणा

स्थानीय विधायक आशीष जायसवाल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें रामायण की टीम के साथ होने वाले भव्य इंटरैक्शन प्रोग्राम को टालने की घोषणा की गई थी। हालांकि, अब ये वीडियो उपलब्ध नहीं है। पोस्ट के कैप्शन में जायसवाल ने लिखा, 'हम आप सभी को बताना चाहते हैं कि 11 अक्टूबर को रामटेक में होने वाला 'रामायण' की पूरी टीम के साथ एक बड़ा कार्यक्रम कुछ जरूरी वजहों से टाल दिया गया है।'

'रामायण' की टीम की तरफ से नहीं आई कोई जानकारी

इस इवेंट के टलने के बाद, अभी यह साफ नहीं है कि निर्माता इसे ऑनलाइन रिलीज करेंगे या किसी और लॉन्च इवेंट की योजना बनाएंगे। टीम ने इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।